ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सांसद ने उद्यमिता और कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए बोलपु का ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 13 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-192

रूस के राष्ट्रपति पुतिन कर रहे भारत आने की तैयारी

पुतिन के भव्य स्वागत के लिए भारत हो रहा तैयार

वैश्विक संशय के दौर में भी भारत-रूस की दोस्ती पक्की

अयांश गौरव सिंह
मास्को, 12 जुलाई।

जैसे-जैसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस वर्ष के अंत में 23वें द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए अपनी भारत यात्रा की तैयारी कर रहे हैं, दोनों देश अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के लिए नए प्रस्तावों को सक्रिय रूप से आकार दे रहे हैं। यह उच्च-स्तरीय जुड़ाव ऐसे समय में हो रहा है जब वैश्विक स्तर पर व्यापक परिवर्तन हो रहे हों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक बदलावों और बदलते रणनीतिक समीकरणों का पारंपरिक गठबंधनों पर प्रभाव पड़ रहा हो। इस पृष्ठभूमि में, भारत-रूस संबंध स्थायी विश्वास और व्यावहारिक सहयोग के एक आदर्श के रूप में उभर रहे हैं।

इस विकसित होती साझेदारी के केंद्र में एक आधारभूत स्तंभ निहित है, वह है आपसी विश्वास। यह विश्वास न केवल बदलती विश्व व्यवस्था की उथल-पुथल के बावजूद कायम रहा है, बल्कि हाल के वर्षों में और भी मजबूत हुआ है, क्योंकि दोनों देशों ने रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीयता पर आधारित विदेश नीतियों का अनुसरण किया है। नई दिल्ली और मॉस्को के लिए, यह साझेदारी अब केवल द्विपक्षीय एजेंडों तक सीमित नहीं है। यह व्यापक अंतरराष्ट्रीय ढांचों के भीतर एक स्थिरकारी शक्ति के रूप में कार्य करती है। भारत-रूस संबंधों की वर्तमान गतिशीलता और भविष्य की संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझने और व्यक्त करने के लिए, दोनों देशों के विद्वानों और पेशेवरों के एक समूह ने भारत और रूस: एक परिवर्तनकारी युग में स्थायी विश्वास (इंडिया एंड रशिया : इंड्योरिंग ट्रस्ट इन ए ट्रांसफॉरमेशनल एरा) नामक एक नव प्रकाशित ग्रंथ में योगदान दिया है। यह ग्रंथ भारत-रूस संबंधों के संपूर्ण आयामों (स्पेक्ट्रम) को लेकर रक्षा और ऊर्जा जैसे विरासत क्षेत्रों एवं उच्च प्रौद्योगिकी और जलवायु सहयोग जैसे उभरते क्षेत्रों तक तमाम विषद एवं विस्तारित दृष्टिकोणों का एक समृद्ध संकलन प्रस्तुत करता है।

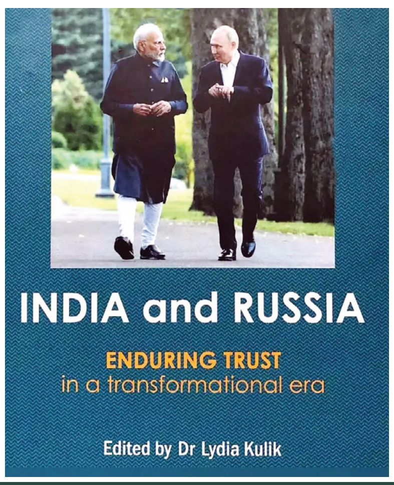

भारत-रूस संबंधों पर तैयार संदर्भ ग्रंथ पर दुनियाभर में चर्चा

इस पुस्तक का संपादन डॉ. लिडिया कुलिक ने किया है, जो भारत मामलों की एक प्रमुख रूसी विशेषज्ञ और मॉस्को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, स्कोल्कोवो में भारत अध्ययन विभाग की प्रमुख हैं। वह रूसी विज्ञान अकादमी के प्राच्य अध्ययन संस्थान में वरिष्ठ शोध अध्येता भी हैं। एक साक्षात्कार में, डॉ. लीडिया कुलिक ने इस बात पर जोर दिया कि यह पुस्तक द्विपक्षीय संबंधों पर, विशेष रूप से हाल के वर्षों में सामने आए गहन वैश्विक परिवर्तनों के आलोक में, एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि यह संस्करण रूस और भारत के विचारों का एक संग्रह है जो उन संबंधों पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है जो हमारी दोनों सभ्यता के लोगों के साथ-साथ गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रहे विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह ग्रंथ सोवियत काल से लेकर 2024 के ऐतिहासिक वर्ष तक, भारत-रूस संबंधों की ऐतिहासिक यात्रा को समाहित करती है। परस्पर संबंधों की इस यात्रा ने रिश्तों में अभूतपूर्व उत्थान एवं प्रगाढ़ता देखी है।

ऐसे महत्वपूर्ण ग्रंथ के निर्माण के योगदानकर्ताओं में रणनीतिक थिंक टैंक नैटस्ट्रैट के संयोजक और रूस में भारत के पूर्व राजदूत पंकज सरन भी शामिल रहे हैं। सरन द्विपक्षीय संबंधों की खूबियों, कमजोरियों और भविष्य के दृष्टिकोण का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करते हैं। पश्चिम के साथ रूस के टकराव और चीन के साथ उसके बढ़ते गठजोड़ जैसी चुनौतियों के बावजूद, उनका निष्कर्ष है कि भारत-रूस संबंध अपने गहन संस्थागत स्वरूप और परस्पर जुड़े रणनीतिक हितों के कारण मजबूत बने रहेंगे। ग्रंथ में बार-बार और कई अध्यायों में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का उल्लेख आता है। यह ऐसा दृष्टिकोण है, जिसे मास्को बहुत महत्व देता है। ▶10पर

एयर इंडिया विमान हादसे की प्राथमिक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक

संदेह से भरा हादसा, संदेह से भरी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

वही हुआ, जिसका अंदेशा था। गुजरात के अहमदाबाद में मंगलवार 12 जून 2025 को हुए एयर इंडिया विमान हादसे का पूरा ठीकरा हादसे में दिवंगत हुए पायलटों के सिर पर फोड़ देने की पूरी तैयारी है। अभी तो प्रारंभिक जांच रिपोर्ट ही सार्वजनिक हुई है। आखिरकार यही होगा कि बोइंग विमान बनाने वाली अमेरिकी कंपनी और विमान खरीदने और उड़ाने वाली भारतीय कंपनी बेदाग साबित कर दी जाएगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने हादसे की प्राथमिक जांच रिपोर्ट में हादसे की वजह इंजन को ईंधन की सप्लाई न मिलना बताया है। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर के डेटा से पता चला है कि टेकऑफ होने के बाद जैसे ही प्लेन ने 180 नॉट की रफ्तार पकड़ी, दोनों इंजन को ईंधन देने वाले स्विच अचानक रनिंग मोड से कटऑफ मोड में चले गए। एक सेकंड के अंतराल पर दोनों स्विच कटऑफ हो गए। इससे इंजनों को

दिवंगत पायलटों के सिर ठीकरा फोड़ने की कोशिश

पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने किया विरोध

ईंधन की सप्लाई बंद हो गई। संदेहास्पद तथ्य यह भी है कि जांच रिपोर्ट में दिखाई गई तस्वीर में विमान के थ्रस्ट लीवर निष्क्रिय यानि पीछे की ओर पाए गए। जबकि विमान के डाटा के मुताबिक टक्कर लगने तक दोनों थ्रस्ट लीवर आगे की ओर थे। मौके पर मिले थ्रस्ट लीवर की स्थिति और डाटा में थ्रस्ट लीवर की हालत अलग-अलग है। थ्रस्ट लीवर का काम विमान की गति को नियंत्रित करना और इंजन को ताकत देना है।

एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा, जांच रिपोर्ट बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया में लीक कर दी गई। पहले तो जांच अत्यंत गोपनीयता से की गई, फिर उसे अत्यंत फूहड़ तरीके से सार्वजनिक कर दिया गया।

इससे ही साबित होता है कि जांच रिपोर्ट किस इरादे से लीक की गई। जांच में जब योग्य, अनुभवी विमान विशेषज्ञों और पायलटों को शामिल ही नहीं किया जा रहा है तो जांच किस तरह की गई या की जा रही है?

एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए-आई) ने जांच रिपोर्ट कई सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप भी लगाए हैं। एसोसिएशन ने कहा, जांच का लहजा और जांच की दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का साफ-साफ संकेत दे रही है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम निष्पक्ष और तथ्य-आधारित जांच पर जोर देते हैं। ▶10पर

पीएम मोदी ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवकों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारा मंत्र है बिना पर्ची, बिना खर्ची होगी भर्ती।

युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को अहम करने के लिए आज देशभर के 47 शहरों में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम मोदी ने युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन्हें संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ सबका साथ, सबका विकास के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे। ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया यह मंत्र

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल सरकार को भ्रष्ट बताया

भाजपा चाहती है, विकसित केरलम् : शाह

भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन पूर्व अध्यक्ष को दी श्रद्धांजलि

तिरुवनंतपुरम, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा की केरल इकाई के मुख्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। उन्होंने केरल सरकार और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधा और कहा कि केरल की एलडीएफ सरकार भ्रष्ट है। राज्य में खूब घोटाले हो रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केरल को भ्रष्टाचारमुक्त विकसित केरलम् के रूप में देखना चाहती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में केरल में स्थानीय निकाय चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले यहां भाजपा की नई राज्य समिति कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। एलडीएफ ने विस्फोटक घोटाला, सहकारी बैंक घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला, पीपीई किट घोटाला और भारत का सबसे बड़ा सोना तस्करी घोटाला किया। ▶10पर

बिहार में 17 राजनीतिक पार्टियों के रजिस्ट्रेशन पर संकट

चुनाव नहीं लड़ते तो पार्टी क्यों न हो सूची से बाहर!

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय चुनाव आयोग बेहद सक्रिय है। राज्य निर्वाचन आयोग ने ऐसे 17 राजनीतिक दलों को नोटिस भेजी है, जिन्होंने 2019 के बाद से किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लिया। यह नोटिस मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय से जारी हुई है। संबंधित दलों से जवाब देने को कहा गया है। निर्वाचन विभाग के उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने संबंधित दलों ▶10पर

नालसार लॉ कॉलेज के दीक्षांत समारोह में बोले चीफ जस्टिस

न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत : गवई

हैदराबाद, 12 जुलाई (ब्यूरो)।

न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर जताई चिंता

भारत के देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने भारतीय न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत है। हैदराबाद के नालसार विधि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश ने छात्रों से कहा कि वे छात्रवृत्ति पर विदेश जाकर अध्ययन करें, न कि परिवार पर वित्तीय दबाव डालें। छात्र गुरुओं को उनकी शक्ति के लिए नहीं, बल्कि उनकी ईमानदारी के लिए चुनें।

मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारी न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है। फिर भी मैं आशावादी हूं कि मेरे साथी नागरिक चुनौतियों का सामना करेंगे। हमारा देश और न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है। मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां विचाराधीन कैदी के रूप में वर्षों जेल में बिताने के बाद भी कोई निर्दोष पाया गया है।

सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हमें उन समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकती हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे गुरुओं को उनकी शक्ति के लिए नहीं, बल्कि उनकी ईमानदारी के लिए चुनें। ▶10पर

गलवान भिड़ंत के बाद पहली बार चीन जाएंगे जयशंकर

रिश्तों में जमी बर्फ पिघलाने की दोतरफा कोशिश

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर गलवान में भारत चीन सैन्य झड़प के बाद पहली बार चीन की यात्रा करने वाले हैं। यह पिछले पांच साल में उनकी पहली चीन यात्रा है, जिसे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्तों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। एस जयशंकर चीन में 14-15 जुलाई को एससीओ समिट में हिस्सा लेंगे और सदस्य देशों के साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

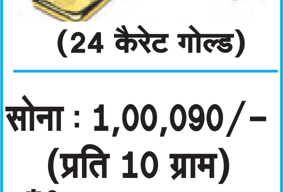

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,090/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,15,313/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

नासा के एक्सिओम मिशन का समय हो रहा पूरा

15 जुलाई को धरती पर लौट आएंगे शुभांशु

साथ आएंगे तीनों सहयोगी अंतरिक्ष यात्री

अंतरिक्ष में किए गए कई शानदार प्रयोग

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के गगनयात्री और वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को अंतरिक्ष से धरती पर लौट सकते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी है। बताया गया कि शुभांशु शुक्ला समेत सभी अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह स्वस्थ हैं। शुक्ला इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आएसएस) पर हैं और 14 दिन के अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं। यह भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है। शुभांशु पहले भारतीय हैं जो आईएसएस पर गए हैं।

शुभांशु शुक्ला अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों और एक्सिओम स्पेस के सहयोग से चल रहे एक्सिओम मिशन का हिस्सा हैं। वे 14 जुलाई को अपने तीन सहयोगियों पेगी व्हिटसन, स्लावोस वुजनस्की और टिबोर कापू के साथ ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर वापसी करेंगे। यह यान 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे

अमेरिका के कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में लैंड करेगा। इसरो ने बताया कि शुभांशु के लौटने के बाद सभी अंतरिक्ष यात्रियों को सात दिन के पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) कार्यक्रम से गुजरना होगा। यह प्रक्रिया उन्हें पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के अनुसार ढालने के लिए की जाएगी। इस दौरान इसरो के फ्लाइट सर्जन उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति की नियमित निगरानी करेंगे। स्प्लैशडाउन 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे होगा।

अपने मिशन के दौरान शुभांशु ने माइक्रोग्रैविटी में सात वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम दिया। इनमें से चार पूरी तरह सफल रहे और तीन अंतिम चरण में हैं। पूरे मिशन के लिए इसरो, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और नासा ने मिलकर इन प्रयोगों को डिजाइन किया था। ये प्रयोग भविष्य में भारत के अंतरिक्ष अभियानों, गगनयान और संभावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आधार तैयार करेंगे। अपने 18 दिन के अंतरिक्ष प्रवास के दौरान शुभांशु ने माइक्रोएल्गी, ब्रेन एक्टिविटी, आंखों की गति और मनोवैज्ञानिक प्रयोगों पर काम किया। माइक्रोएल्गी भविष्य के मिशनों में भोजन, ऑक्सीजन और जैव-ईंधन के रूप में उपयोगी हो सकते हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY

अनादिकाल से चली आ रही भवयात्रा का अन्त ही आराधना का लक्ष्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में ज्ञानसार ग्रन्थ का वांचन करते हुए इसकी विवेचना करते हुए कहा कि आत्मा परमात्म पद की सर्वोच्च स्थिति को प्राप्त करे, इसी एकमात्र लक्ष्य से ज्ञानसार ग्रंथ की रचना की है। हमने अपनी जीवन पद्धति द्वारा संसार का भव भ्रमण ही बढ़ाया है। हमने अपनी ही अविचारी प्रवृत्तियां द्वारा कषायों को निमंत्रित किया है।

आत्मगुणों का विनाश और सांसारिक प्रवृत्तियों का विस्तार ही हमारी पुरुषार्थ का केंद्र बना है। जिन आत्मगुणों के हम स्वामी हैं जिनका विकास करके हम अपनी संसार यात्रा को विराम दे सकते हैं उन ज्ञान, दर्शन और चरित्र को तो जैसे हमने निष्कासित कर दिया है और इसी कारण आज हम ना चाहते हुए भी जन्म और मृत्यु के पाटों के बीच भयंकर रूप से फंसे हुए हैं। हमारी इस भयंकर संसार यात्रा के लिए हम स्वयं उत्तरदायी हैं। इसी को उत्तराध्ययन सूत्र में एक गाथा द्वारा अभिव्यक्त भी किया गया है कि हे आत्मन, तू स्वयं ही नरक की वैतरणी नदी है और तू स्वयं ही अद्भुत चमत्कारी कामधेनु गाय है, तू ही शाल्मली वृक्ष है तो तू ही स्वर्ण का नंदनवन है। भयंकर और जहरीले कषायों को सम्मान के साथ आमंत्रित करके हमने स्वयं को नरकगामी बनाया है।

हमारी यह अनादि काल से चली आ रही संसार यात्रा समाप्त हो, हमें इसी बात को लक्ष्य में रखना चाहिए। इस ग्रंथ के माध्यम से किस स्थिति में हम आत्म शुद्धि की ओर गतिशील बन सकते हैं उन माध्यमों का दिग्दर्शन करवाया गया है।

इसके साथ ही साध्वीवर्या द्वारा समरादित्य चारित्र का वांचन भी प्रारम्भ किया गया। इससे पूर्व गुरुवर्या श्री जी को ज्ञानसार ग्रन्थ धर्मीदेवी, छगनलाल भन्साली परिवार द्वारा और समरादित्य चारित्र पन्नालाल गौतमचंद कवाड परिवार द्वारा बोहराया गया जिसकी श्रुतज्ञान, मति ज्ञान, मनपर्यव ज्ञान, अवधि ज्ञान और केवल ज्ञान की पूजाएं की गई। प्रातःकाल में गुरुवर्या जी द्वारा और रात्रि में पुरुषों के लिए मुनि मलयप्रभ सागर जी द्वारा स्वाध्याय क्लास भी ली जा रही है। रविवार को दादा गुरुदेव इक्तीसा पर एक विशेष कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा।

क्रोध का विसर्जन होने पर ही मन होगा एकदम शांत: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि क्रोध का विसर्जन होने पर मन एकदम शांत हो गया। निश्चित शांत व्यक्ति होता है विनयवान, क्योंकि क्रोधी व्यक्ति कभी मधुर भाषी नहीं हो सकता। कल आत्मा का अवलोकन किया, आज आत्मा का परिश-ोधन करना है। ध्यान रखना पत्थर पर बीज डालने से अंकुरा रोपण नहीं होता, ठीक उसी प्रकार अभिमानी व्यक्ति के जीवन में भी धर्म का अंकुरा रोपण नहीं होता। अंकुरारोपण करने के लिए मिट्टी को मृदु करते हैं, जीवन में धर्म का अंकुरा रोपन करने के लिए मन को भी मृदु बनाना पड़ेगा। विनय पहले मोक्ष का द्वार है, प्रीति का द्वार है, लक्ष्मी का द्वार है, बुद्धि का द्वार है। धर्म दया से विशुद्ध होता है। इंसान के कपड़े में, बिस्तर में भोजन में सब में मृदुता (सॉफ्टनेस) आई परंतु मन

में मृदुता नहीं आयी। जीभ तो मृदु है परंतु बात कठोर ही निकलती है। मान कहीं से भी खरीद कर नहीं लाना पड़ता हर आदमी अहंकार का निर्माण (प्रोडक्शन) करता है। अहंकार मृत्यु है, मृदुता मुक्ति है। ज्ञान, ऐश्वर्य, आज्ञा, कुल, बल, तप, रूप और जाति ये आठ मद हैं। परन्तु सावधानी से जानना ज्ञान का नहीं अज्ञान का मद होता है, धनवान ही नहीं दीनता भी कषाय ही का रूप है। प्रभुता के मद से रिश्ते टूट जाते हैं, जाति -कुल का मद नहीं अपितु अपने आचरण से जातीय गौरव को बढ़ाएं। याद रखना जो झुकता है वही पाता है परंतु जो अकड़ता है वो मिट जाता है। झुकता वहीं जिसमें जान है, अकड़न मुर्दे की पहचान है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ में वियासणा का लाभ मोहनलाल रतनचंद परिवार बागरा ने लिया। संघ की ओर से लाभार्थी परिवार का बहुमान किया गया। संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि रविवार को प्रातः परमात्मा के 108 अभिषेक होंगे। अभिषेक का लाभ अनिल कुमार, घेवरचंद बालगोत्र परिवार सियाणा ने लिया। करनूल से कुमारपाल भंडारी, तकशील राधिका भंडारी, बेंगलूर से विमलचंद मंजुला लुणिया, महेंद्र कुमार मंजुला मुथा आदि अनेक गुरुभक्तों ने दर्शन का लाभ लिया।

प्रभु का भजन करने से दूर होता है आलस्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूज्य गुरुदेव श्री लोकेश मुनि जी ने फरमाया कि प्रमाद चार प्रकार के बताए गए हैं, उसमें आलस्य प्रमाद पर व्याख्यान करते हुए कहा कि पूरा काम नहीं करते हुए बाद में कर देंगे ऐसा सोचते हैं जो सही नहीं है।

पुज्य श्री ज्ञान मुनि जी ने फरमाया कि प्रभु के गुण रोजाना याद करें। वाणी का आधार क्या है। प्रभु का भजन करने से हजारों कर्मों की निर्जरा होती है। प्रभु का भजन करने से आलस्य दूर होता है, जागते रहो। जागते रहने वाले को कोई ठगता नहीं। जागना किसको है हमको खुद को जागना है। दिन के 24 घंटे होते हैं, हर 48 मिनट में दो घड़ी होती है। दो घड़ी हमें धर्म में लगाने चाहिए, बाकी के समय 58 घड़ी अपने कर्मों एवं कामों के लिए लगाना चाहिए। खाने से ज्यादा खिलाने में आनंद आता है। पहले के लोगों में साधार्मिक व्यक्तियों को खाना खिलाने में खुशी होती थी। खाना खाने में बदबू और खिलाने में खुशबू आती है। इससे खिलाने वाले को बहुत ही खुशी होती है। मनुहार कर लोगों को खिलाया जाता है। खिलाने वाले को दुनिया याद करती है। इसके बहुत से दृष्टांत मिलते हैं। स्वांस का कोई भरोसा नहीं है। भगवान को याद करिए समय का कोई समय नहीं है। सभा का संचालन मनोहरलाल लुकड़ ने किया। स्वागत प्रकाशचंद कोठारी ने किया। रविवार का व्याख्यान 2:30 बजे से 4 बजे तक रहेगा।

प्रमाद से मुक्ति की ओर धर्ममय जीवन ही सार्थक जीवन है: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित पूज्य साध्वी निर्मलाजी के सानिध्य में आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी उपासना जी ने अपने प्रभावशाली विचारों से श्रावक-श्राविकाओं को जाग्रत किया। उन्होंने कहा कि संसार का हर व्यक्ति या तो अपने जीवन को सार्थक कर सकता है या निरर्थक। जीवन की सार्थकता धर्म से ही संभव है। जिसके जीवन में धर्म नहीं, उसका जीवन प्रमाद और व्यर्थता से भरा होता है। साध्वी श्री ने आत्ममंथन का आह्वान करते हुए कहा कि हमें चिंतन करना चाहिए कि हमारा अमूल्य समय किस दिशा में जा रहा है, कहीं हम प्रमाद में तो नहीं बह रहे? धर्म को जानते-मानते हुए भी उसे प्राथमिकता न देना ही प्रमाद है। मुक्ति की चाह तो रखते हैं, लेकिन मन संसार और शोहरत की कामना करता है। समय को पहचानकर जो आत्मोत्थान की

दिशा में अग्रसर होता है, वही उत्तम पुरुष कहलाता है। उन्होंने कहा कि जब तक साँस है, तब तक आस है, और आस से ही विश्वास है। इन साँसों का कोई भरोसा नहीं, इसलिए समय रहते संभल जाना ही बुद्धिमत्ता है। साध्वी उपासना जी ने जीवन के हर पल की महत्ता बताते हुए कहा कि व्यक्ति देवता भी बन सकता है और राक्षस भी। यह उसके मार्ग और विचारों पर निर्भर करता है। हमारे कर्म, भाव और संकल्प ही हमारी गति का निर्धारण करते हैं। समय का सदुपयोग और दृढ़ पुरुषार्थ ही जीवन को सफल बनाता है।

धर्म के प्रति प्रमाद त्यागकर जागरूक होने का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि यदि हम जीवन को लक्ष्य की ओर अग्रसर करना चाहते हैं, तो प्रत्येक क्षण को धर्म, आत्मकल्याण और पुरुषार्थ में लगाना होगा। अंत में उन्होंने 'रानी सोहन' कथानक के माध्यम से सत्य और शील के महत्व को स्पष्ट करते हुए धर्ममय जीवन जीने की प्रेरणा दी।

साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। धर्म सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या निर्मलाजी ने मांगलिक एवं आशीर्वाद प्रदान किया। आभार ज्ञापन संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया, उपाध्यक्ष रोशन नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

अग्रसेन अस्पताल और आई वी एफ द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल और अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा मेगा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। आईवीएफ के प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि यह शिविर बीएसके जीवाश्रया ब्लड सेंटर के माध्यम से लगाया गया और इस शिविर में छप्पन यूनिट रक्त एकत्रित हुआ जिसे जरूरतमंदों को प्रदान किया जाएगा। शिविर की शुरुआत में अग्रसेन अस्पताल के उपाध्यक्ष राजेंद्र गोयल, सचिव रतन कन्दोई, आई वी एफ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बिपिन राम अग्रवाल, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष आर पी रविशंकर, युथ विंग अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल, सहमंत्री ललित डाकलिया, हेमन्त कुमार, साईराज, सुरेश जालान, सुशील रूंगटा, चन्द्रिका एवं अस्पताल की टीम के साथ रक्तदान की शुरुआत में दीप प्रज्वलन किया गया। सभी रक्तदाताओं का डिजिटल थर्मामीटर और प्रशस्ति पत्र प्रदान करके अभिनन्दन किया गया।

आध्यात्मिक ज्ञान व्यक्ति को बनाता है एक अच्छा इंसान: मुणोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। माली सैनी समाज 31 खेड़ा बेंगलूरु द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन प्रसंग पर मागड़ी रोड स्थित अक्षय कन्वेंशन हॉल में 13वां वार्षिक स्नेह मिलन एवं श्री लिखमीदास महाराज जन्मोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में गौ सेवा भजन मंडल गिरी नगर द्वारा मनभावन भजनों की प्रस्तुति दी गई। जिससे माहौल भक्ति मय हो गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा ज्ञान दो प्रकार का होता है बौद्धिक ज्ञान एवं आध्यात्मिक ज्ञान। बौद्धिक ज्ञान व्यक्ति को क्लर्क, डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी या नेता बना सकता है, लेकिन आध्यात्मिक ज्ञान व्यक्ति को एक अच्छा इंसान बनाता है। बौद्धिक ज्ञान विद्युत के बल्ब की तरह है, आध्यात्मिक ज्ञान दीपक की तरह है। भारतीय संस्कृति में दीपक की महता ज्यादा है, हमें सद्गुरु से ज्ञान एवं संस्कार प्राप्त हुए हैं। गुरु पूर्णिमा के पावन प्रसंग पर हम सच्चे मन से अपने गुरु को नमन करते हुए संकल्प करें कि हम उनके बताए हुए रास्ते पर चलेंगे।

सरकारी कर्मचारियों की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका : शोभा करंदलाजे

185 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त युवाओं को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। रोज-गार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

रोजगार मेला युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाता है। देश भर में रोजगार मेले के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। 16वां रोजगार मेला देश भर के 47 स्थानों पर आयोजित किया गया, जिसमें बेंगलूरु और हुब्बल्ली भी शामिल था। बेंगलूरु में आयोजित रोजगार मेले में, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और श्रम एवं रोज-गार राज्य मंत्री, शोभा करंदलाजे मुख्य अतिथि थीं। अपने संबोधन में, शोभा करंदलाजे ने नवनियुक्त कर्मचारियों को बधाई दी और

उन्हें विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उनसे अपने ज्ञान, कौशल और कड़ी मेहनत का उपयोग अपने विभागों को आगे बढ़ाने और देश के विकास में सहयोग करने के लिए करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कर्मचारियों की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है और वे बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं। इस अवसर पर आशुतोष माथुर, अपर मंडल रेल प्रबंधक, उमा शर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सहित विभिन्न केंद्र सरकार के संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बेंगलूरु में, केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 185 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, जिनमें रेलवे में 61, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 46, बीएसएफ और सीआईएसएफ में 14, डाक विभाग में 12, आयकर विभाग में 7, आयुष में 2, निम्हांस में 10, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में 11, लकड़ी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में 9 और केंद्रीय कर (सीजीएसटी) में 13 उम्मीदवार शामिल हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *मुत्थु मारियम्मा एवं श्री मुनेश्वरा स्वामी देवस्थाना यशवंतपुर द्वारा 39वें वार्षिकोत्सव जात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष पर त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में राजराजेश्वरी नगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा साध्वी श्री पुण्ययशा जी के सानिध्य में भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष पर त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साध्वी की प्रेरणा से तीन दिवसीय अखंड जाप का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल की बहनों ने बड़ी

जागरूकता से जप में अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। 8 जुलाई प्रातः प्रवचन में मंडल की बहनों द्वारा बड़ी ही सुंदर गीतिका की प्रस्तुति हुई एवं रात्रि कालीन प्रोग्राम में एक शाम भिक्षु के नाम भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें पारिवारिक प्रस्तुति दी गई। 9 जुलाई मंडल की बहनों द्वारा चतुर्मासिक पक्खी का सामूहिक प्रतिक्रमण तेरापंथ भवन में बहनों द्वारा कराया गया। 10 जुलाई को तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष में विशेष प्रवचन हुआ।

जिसमें मंडल की बहनों द्वारा एक रोचक प्रश्नोत्तरी संगीतमय प्रस्तुति दी गई। रात्रि कालीन में भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें तुलसी संगीत सुधा एवं महिला मंडल द्वारा संचालित तुलसी स्वर संगम द्वारा भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। लगभग 45 भाई बहनों ने तेले किये। अच्छी संख्या में तपस्या गतिमान है। भाई बहनों ने साध्वी जी की प्रेरणा से त्रिदिवसीय कार्यक्रम में पूर्ण मनोयोग एवं उत्साह पूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज करवाई।

सांसद ने उद्यमिता और कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए बोलपु का किया शुभारंभ

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा की पहल 'बोलपु - अवसरों की सुबह' का शनिवार को होटल ओशन पर्ल में आधिकारिक तौर पर शुभारंभ हुआ। बोलपु का उद्देश्य महत्वाकांक्षी उद्यमियों को वित्तपोषित और प्रोत्साहित करना है, जिससे व्यवसाय-आधारित विकास का एक नया युग शुरू होगा जिसने इस क्षेत्र को लंबे समय से परिभाषित किया है। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहल की है और विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। मुझे सांसद के रूप में कार्यभार संभाले एक वर्ष हो गया है, और इस दौरान, मैं नव युग नव पथ (नया युग, नया मार्ग) के दृष्टिकोण के अनुरूप एक कार्यपत्रक तैयार करने के लिए उत्सुक था। हमारा ध्यान उद्यमिता की भावना को फिर से जगाने पर होना चाहिए - जो हमारे लिए नई नहीं है, लेकिन इसे पुनर्जीवित और नवीनीकृत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा सेना में सेवा देने के बाद जब मैं अपने ऊरु (मूल निवास) लौटा, तो मैं हमेशा से इस परिवर्तनकारी

प्रक्रिया का हिस्सा बनना चाहता था।

लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशा की किरण के रूप में देखा। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो अपने शासन के माध्यम से वास्तविक बदलाव ला सकता है। उद्यमिता संघर्ष से जुड़ी है। दुर्भाग्य से, दूसरी पीढ़ी के कई लोग अपने पारिवारिक व्यवसाय को छोड़कर, बेंगलूरु में पढ़ाई करने और तकनीकी नौकरियों को चुनने लगे हैं। यह बदलाव उद्यमिता में गौरव को फिर से जगाने और इसे समर्थन देने वाला एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कैप्टन चौटा ने जिले में 30,000 कॉफी के पौधे लगाकर कृषि विविधीकरण की दिशा में एक बड़े कदम पर भी प्रकाश डाला। सुपारी की फसलों पर पड़ने वाले पीली पत्ती रोग के प्रभाव पर विचार करते हुए, उन्होंने कहा मैंने संबंधित अधिकारियों के समक्ष पीली पत्ती रोग के बारे में चिंता व्यक्त की। एक बार जब यह रोग किसी बागान को प्रभावित कर देता है, तो उसी भूमि पर सुपारी उगाना व्यवहार्य नहीं रह जाता। इसलिए, मैंने बागवानी विभाग से कॉफी की खेती के लिए मिट्टी की उपयुक्तता का परीक्षण करने का अनुरोध किया। उनकी वैज्ञानिक रिपोर्ट ने पुष्टि की कि मिट्टी वास्तव में कॉफी के लिए उपयुक्त है। इसके बाद, पूरे जिले में 30,000 कॉफी के पौधे लगाने का प्रस्ताव रखा गया। उन्होंने कहा इस पहल को बड़े पैमाने पर शुरू किया जाना चाहिए। हम कॉफी बोर्ड के साथ इस पर पहले ही चर्चा कर चुके हैं और किसानों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा चुके हैं। बोलपु में, हम नए विचारों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और लोगों को बड़े पैमाने पर और टिकाऊ उद्यम अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। हम महिलाओं को उनके उद्यमशीलता के सपनों को पूरा करने के लिए सशक्त भी बना रहे हैं। स्थानीय महिलाओं को विदेशी सब्जियों और फलों की खेती में सहयोग देने की योजनाएँ चल रही हैं, जिनकी माँग बढ़ रही है। इसका उद्देश्य महिलाओं को बाजारों से जोड़ना और एक मजबूत, समावेशी नेटवर्क बनाना है। भविष्य की बात करते हुए, चौटा ने मेंगलूरु में उद्यमिता को बढ़ावा देने के अपने दृष्टिकोण को साझा किया और कहा, अगले पाँच वर्षों में, हमारा लक्ष्य मेंगलूरु से 10 सफल उद्यम स्थापित करना और उनकी संख्या को 50 तक बढ़ाना है। इन कहानियों को दूर-दूर तक पहुँचाने की जरूरत है। अक्सर, हमारा जिला गलत कारणों से जाना जाता है, जबकि यहाँ कई सकारात्मक कहानियाँ हैं जो ध्यान देने योग्य हैं। हम यहाँ एक घरेलू इंफोसिस या टीसीएस क्यों नहीं बना सकते? हमारे पास कौशल और संसाधन हैं। इस जिले में अपार संभावनाएँ हैं और यहाँ पहले से ही ऐसे मॉडल मौजूद हैं जिन्हें दोहराया जा सकता है। उन्होंने कहा बोलपु के माध्यम से, हम बैंकों और उद्योग शुरू करने के इच्छुक महत्वाकांक्षी उद्यमियों के बीच एक सेतु का काम कर रहे हैं। हमें एक मजबूत, सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत है। मेंगलूरु वास्तव में हर मायने में स्टार्ट-अप की राजधानी बन सकता है। हम पहले से ही बैंकिंग, आतिथ्य, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों का केंद्र हैं। मैं मेंगलूरु को कर्नाटक का बोलपु बनते हुए देखना चाहता हूँ। इस कार्यक्रम में मेंगलूरु दक्षिण के विधायक वेदव्यास कामथ, पूर्व मंत्री नागराज शेट्टी, अतिरिक्त उपायुक्त संतोष और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

नगर निगम कर्मचारियों की जायज माँगों को तुरंत पूरा करना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी: बीवाई विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा ने मांग की है कि अगर पिछले पाँच दिनों से धरना दे रहे राज्य के नगर निगम कर्मचारियों की माँगें पूरी नहीं की जातीं, तो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया तुरंत पद छोड़ दें। इस संबंध में, प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने अलग-अलग पोस्ट में सरकार की आलोचना की है। गाँव से लेकर दिल्ली तक सड़कों पर चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया कि वे पाँच साल से मुख्यमंत्री हैं, उन्हें राज्य भर के 10 निगमों के 25,000 से ज्यादा कर्मचारियों की पाँच दिनों से चल रही हड़ताल दिखाई या सुनाई नहीं दे रही है। कुर्सी की लड़ाई और गुटबाजी में पूरी तरह डूबी कांग्रेस सरकार के किसी भी मंत्री ने प्रदर्शनकारी निगम कर्मचारियों से मिलने की जहमत तक नहीं उठाई। सिद्धरामैया, आप कब तक सत्ता के बिना कुर्सी पर ऐसे बैठे रहेंगे जैसे बिना खाने के अचार? इस्तीफा दीजिए और चले जाइए। कन्नड़ लोग एक मजबूत मुख्यमंत्री का इंतजार कर रहे हैं जो एक सुरक्षित, स्थिर और जनहितैषी प्रशासन दे सके। उन्होंने माँग की है कि कन्नड़ लोग इस्तीफा देकर अपनी इच्छा पूरी करें। प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने भी पोस्ट किया कि निष्क्रिय कांग्रेस सरकार आँखें मूंदकर बैठी है और गैरजिम्मेदारी

दिखा रही है, जबकि राज्य के 10 नगर निगमों में कामकाज ठप है और जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। राज्य सरकार की भेदभावपूर्ण नीति के कारण ही 30,000 कर्मचारी अपनी जायज माँगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नगर निगम कर्मचारियों की जायज माँगों पर तुरंत कार्रवाई करने और हड़ताल समाप्त कराने के लिए जिम्मेदार कदम उठाएँ। अगर कर्मचारियों का संघर्ष अनिश्चित काल तक जारी रहा, तो निगमों के अधिकार क्षेत्र वाले शहरों की स्थिति अकल्पनीय हो जाएगी, लोगों को स्थानीय निकायों की सफाई और प्रशासनिक सेवाओं सहित रोजमर्रा की बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ेगा, और नागरिक पहले से ही इस गर्मी को महसूस कर रहे हैं। स्थानीय निकायों के अधिकारियों, कर्मचारी समूहों और सरकारी कर्मचारियों के बीच विशेषाधिकारों और सुविधाओं को प्रदान करने में अपनाई गई भेदभावपूर्ण नीति को कोई भी स्वीकार नहीं कर सकता, जो एक आँख में मक्खन और दूसरी में चूने के समान है। उन्होंने कहा कि नगर निगम कर्मचारियों की जायज माँगों को तुरंत पूरा करना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस सरकार में, मुख्यमंत्री पद की लड़ाई में विधान सभा पहले ही लगभग बिखर चुकी है, जिसके कारण सरकार का प्रशासनिक तंत्र भी सो गया है। राज्य में कोई भी विकास कार्य हुए वर्षों हो गए हैं, बढ़ती महंगाई और सरकारी कार्यों के सुचारू रूप से न चलने के कारण आम जनता सरकार को कोस रही है। यदि नगर परिषद जैसे स्थानीय निकायों को भी बंद कर दिया गया, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि राज्य में अराजकता फैल जाएगी। उन्होंने मांग की है कि सरकार तुरंत जागे और सबसे पहले नगर परिषद कर्मचारियों की माँगों को पूरा करे और नगर परिषदों के प्रशासन को सामान्य स्थिति में लाने के लिए कदम उठाए।

पुलिस को अपना कर्तव्य अच्छे से निभाने के लिए जनता का सहयोग आवश्यक: सीमांत कुमार सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने अपील की कि अगर जनता पुलिस का सहयोग करे तो पुलिस अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकती है। वे शनिवार को व्हाइटफील्ड के ईपीआईपी क्षेत्र स्थित क्वालकॉम में आयोजित मासिक जनसंपर्क बैठक और यातायात संपर्क दिवस में जनता की शिकायतें सुनने के बाद बोल रहे थे। व्हाइटफील्ड प्रभाग को अवलाहल्ली पुलिस थाने में शामिल किया गया है, जो मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्र में है। अगर यह शहर की सीमा में होता, तो तीन से चार किलोमीटर की दूरी पर थाने होते। लेकिन चूँकि यह ग्रामीण क्षेत्र है, इसलिए आठ से दस किलोमीटर दूर है, इसलिए लोगों को पुलिस का सहयोग करना चाहिए। इस थाने को जल्द ही एक होयसला वाहन और अतिरिक्त कर्मचारी उपलब्ध कराए जाएँगे। अगर जनता अपने आसपास कोई भी घटना होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करती है, तो हमारे कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुँचेंगे। इसलिए, जनता का सहयोग आवश्यक है। संपर्क बैठक में कई लोगों ने यातायात जाम, सीसीटीवी कैमरे लगाने, पुलिस गश्त बढ़ाने और अन्य समस्याओं के बारे में शिकायतें प्रस्तुत कीं। इस दौरान, यातायात प्रभाग के संयुक्त पुलिस आयुक्त अनुचेथ ने यातायात समस्याओं से संबंधित जनता के प्रश्नों के उत्तर दिए। जनता को लोन ऐप्स से बेहद सावधान रहना चाहिए। एक इंस्पेक्टर ने जनता से अपील की है कि वे ऐसे ऐप्स बेवजह डाउनलोड न करें। अगर आप ऐसे ऐप्स डाउनलोड करते हैं और ठगे जाते हैं, तो आपको लाखों का नुकसान हो सकता है। कई लोग लोन ऐप्स से अब तक 50 से 60 लाख रुपये गँवा चुके हैं। इसलिए इन ऐप्स से सावधान रहें। अगर आपने लोन ऐप डाउनलोड कर लिया है, तो उस व्हाट्सऐप नंबर को बंद कर दें और कोई दूसरा नंबर इस्तेमाल करें। वे आपको बिना आपकी जानकारी के कुछ व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ देंगे। अगर आप ऐसे ग्रुप नहीं छोड़ते, तो वे इनका इस्तेमाल गैरकानूनी गतिविधियों के लिए करेंगे और परेशानी खड़ी करेंगे, जिससे आप मुश्किल में पड़ सकते हैं, इसलिए ग्रुप छोड़ दें और सावधान रहें। इंस्पेक्टर ने चेतावनी दी कि अपना बैंक अकाउंट नंबर किसी और को न भेजें, क्योंकि अगर आप कमीशन के चक्कर में अपना अकाउंट नंबर देते हैं, तो आपके खाते में जमा पैसे चोरी होने की संभावना रहती है।

कांग्रेस सरकार बेंगलूरु को ब्रांड बेंगलूरु की बजाय बिरयानी बेंगलूरु बनाने जा रही : सी.के. राममूर्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सी.के. राममूर्ति ने आपत्ति जताई है कि कांग्रेस सरकार बेंगलूरु को ब्रांड बेंगलूरु की बजाय बिरयानी बेंगलूरु बनाने जा रही है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा बेंगलूरु के आवारा कुत्तों को चिकन बिरयानी उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रति वर्ष 2.80 करोड़ रुपये खर्च करने का क्या औचित्य है? इसकी योजना किसने प्रस्तुत की है? उन्होंने बीबीएमपी आयुक्त और बेंगलूरु प्रभारी मंत्री से स्पष्टीकरण देने का अनुरोध किया। हमें कुत्तों को खाना खिलाने से कोई आपत्ति नहीं है। कई वर्षों से, गैर सरकारी संगठन, दानदाता, कुछ घरवाले, होटल मालिक बेंगलूरु के आवारा कुत्तों को खाना खिला रहे हैं। हालाँकि, योजना लाभ कमाने और जनता के टैक्स के पैसे को बर्बाद करने की है। इसके पीछे क्या रहस्य है? इसमें किसने सहयोग किया है। 2023 के सर्वेक्षण के अनुसार, साढ़े तीन से चार लाख आवारा कुत्ते थे। बीबीएमपी का काम कुत्तों का टीकाकरण और नसबंदी ऑपरेशन करना है। इसीलिए एक विभाग है, जिसका प्रबंधन वे करते हैं। उन्होंने शिकायत की कि ग्रामीण इलाकों और मलिन बस्तियों में

आम जनता और बच्चे आवारा कुत्तों के आतंक के कारण बाहर निकलने से डरते हैं। बुजुर्ग पार्कों में टहलने जाने से डरते हैं। वे गरीब बच्चों के लिए गर्म भोजन पर 12.45 रुपये खर्च कर रहे हैं। लेकिन, वे कुत्तों पर 22 रुपये खर्च करते हैं। अगर पौष्टिक भोजन गरीब बच्चों की बजाय कुत्तों को दिया जाता है, तो गरीब बच्चों का क्या होगा। वे कहते हैं कि वे एक जोन में 500 कुत्तों को खाना खिलाएँगे। उन्होंने कहा है कि वे 8 जोन में 4 हजार कुत्तों को खाना खिलाएँगे। बाकी लाखों कुत्तों ने क्या पाप किया है। उन्होंने कहा, जिन कुत्तों को खाना मिलता है, उनका क्या पुण्य है?

आप कुत्तों के बीच भेदभाव क्यों करते हैं? इस योजना को लाने वाले महान व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाना चाहिए। अब तक, कुत्ते प्रेमियों और गैर-सरकारी संगठनों ने उन्हें खाना खिलाया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि टैक्स का पैसा बर्बाद हो रहा है। शिक्षा मंत्री ने खुद कहा कि उनके पास सरकारी स्कूल के बच्चों को जूते देने के लिए पैसे नहीं हैं और वे दानदाताओं की तलाश कर रहे हैं। दूसरी ओर, उन्होंने पूछा कि कुत्तों को बिरयानी खिलाना कितना उचित है। उन्होंने मांग की कि इस योजना को बंद किया जाए। बेंगलूरु की सड़कों पर गड्ढों के कारण दुर्घटनाएँ बढ़ रही हैं। कचरे का उचित निपटान नहीं हो रहा है। इन सब बातों को छोड़कर, उन्होंने इस योजना के जरिए लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। राममूर्ति ने मांग की कि इस सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और शिलान्यास कार्यों का विवरण दिया जाए। बीबीएमपी क्षेत्र में 8 से 10 लाख आवारा कुत्ते हैं। लोग कुत्तों के काटने पर इंजेक्शन लगवाने के लिए कतारों में खड़े हैं। निगम ने स्कूलों के विकास और बच्चों के समय पर स्कूल आने की जिम्मेदारी छोड़कर कुत्तों को खाना खिलाना शुरू कर दिया है। दिल्ली यात्रा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ कांग्रेस विधायकों को ही अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने शिकायत की कि हमने विकास के लिए प्रत्येक विधायक के लिए 50 करोड़ मांगे थे। लेकिन नहीं दिए जा रहे हैं। आवारा कुत्तों के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने आवारा कुत्तों पर नियंत्रण की माँग की। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर डॉग पार्क बनाया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि टैक्स के पैसे का इस्तेमाल विकास के लिए किया जाए। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि बारिश से हुए नुकसान के कारण समस्या गंभीर हो गई है। उन्होंने आलोचना की कि किसी भी मंत्री को कर्नाटक और बेंगलूरु के विकास की चिंता नहीं है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में बताया कि विपक्षी नेताओं और विधायकों ने बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है। इस मौके पर बेंगलूरु सेंट्रल के जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा, पूर्व बीबीएमपी सदस्य उमेश शेट्टी, बी.वी. गणेश आदि उपस्थित थे।

कुछ ही दिनों में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा को नंदिनी घी की आपूर्ति की जाएगी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नंदिनी घी पहले से ही दुबई और सऊदी अरब को बेचा जा रहा है और कुछ ही दिनों में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा को भी इसकी आपूर्ति की जाएगी। कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (केएमएफ) के प्रबंध निदेशक बी. शिवस्वामी ने बताया कि अगस्त में वहां होने वाले उत्सव के लिए 3,000 टन घी की मांग आई है। वह मैसूरु जिला सहकारी दुग्ध संघ (एमआईएमयूएल) में जिला संघ पदाधिकारियों की एक बैठक में नंदिनी घी का एक नया पैकेट जारी करने के बाद बोल रहे थे। राज्य से तिरुपति टीटीडी को 2,000 मीट्रिक टन घी की आपूर्ति की गई है। 1,500 टन की और मांग है, जिसे भी पूरा

किया जाएगा। इसे मांग के अनुसार भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नंदिनी ही तिरुपति के लड्डुओं की शुद्धता और स्वाद का कारण है। हम केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में भी नंदिनी घी बेच रहे हैं। हम मांग के अनुसार महादेश्वर मंदिर और चामुंडेश्वरी मंदिर को भी आपूर्ति कर रहे हैं। सरकार ने मुजराई विभाग के अंतर्गत आने वाले ए और बी श्रेणी के मंदिरों में दशहरा और प्रसाद के लिए नंदिनी घी के इस्तेमाल का आदेश जारी किया है।

इस प्रकार, किसी भी मंदिर से जो भी माँग आएगी, हम उसे पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हम 3 हजार मीट्रिक टन घी तैयार कर रहे हैं और उसे बेच रहे हैं। राज्य में 1.50 करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है और 50 लाख लीटर सीधे बेचा जाता है। क्षीरभाग्य योजना के लिए, हम 24 लाख लीटर दूध को पाउडर में परिवर्तित कर रहे हैं और उसमें मौजूद लौह तत्व को घी के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम दूध पाउडर की बिक्री भी कर रहे हैं और उसका उचित प्रबंधन भी कर रहे हैं। क्यूआर कोड वाले नंदिनी घी के नए पैकेट जारी किए गए। इस पर एक होलोग्राम छपा हुआ है। क्यूआर कोड स्कैन करने पर आपको निर्माण तिथि, उपयोग की तिथि आदि जानकारी मिल जाएगी। 500 ग्राम और 1 लीटर के पैकेट का डिजाइन बदल गया है। अधिकारियों ने बताया कि मात्रा और कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

शिवकुमार का व्यक्तित्व वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करने वाला है: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने कहा कि केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार कांग्रेस पार्टी के एक ईमानदार कार्यकर्ता हैं और उनका व्यक्तित्व वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करने वाला है। दिखावा करने की कोई जरूरत नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद पर आसीन डी.के. शिवकुमार का व्यक्तित्व दूसरों के लिए आदर्श है। वह इसी दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन स्वामीजी पर उन्हें भरोसा है, उन्होंने उन्हें बताया है कि मुख्यमंत्री का योग आएगा। स्वामीजी और संबंधित क्षेत्र के लोगों को शुरू से ही यह बताने की परंपरा रही है कि हमें मुख्यमंत्री बनना चाहिए। राजनीति में इसे नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि राय व्यक्त करना गलत नहीं माना जा सकता। सिद्धरामैया के इस बयान पर कि वह 2028 के विधानसभा चुनावों के लिए नेता होंगे, डी.के. सुरेश ने कहा कि वह एक वरिष्ठ नेता हैं। राजनीति में कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह उनकी रुचि के अनुसार है। सिद्धरामैया अब मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि जब कुर्सी खाली ही नहीं है तो इस पर चर्चा करना अनावश्यक है। राजनीति में कांग्रेस पार्टी में कोई लड़ाई नहीं है। शीर्ष नेतृत्व ने मुख्यमंत्री को लेकर पहले ही स्पष्ट कर दिया है। डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने की कोई जल्दी नहीं है, न ही उन्हें पद जाने की चिंता है। वह पार्टी द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह चर्चा क्यों सामने आई है। मोहन भागवत के 75 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, डी.के. सुरेश ने कहा कि नेतृत्व संभालने वालों को अपनी पार्टी की लक्ष्मण रेखा नहीं लांघनी चाहिए। उन्हें दूसरों के लिए अनुकरणीय आचरण का प्रदर्शन करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी में कुर्सी के लिए कोई लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री बने रहने की बात कहने के बाद भी मीडिया में भ्रम की स्थिति क्यों है।

बेंगलूरु भगदड़ मामले में पुलिस के खिलाफ जांच की सिफारिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

माइकल कुन्हा के नेतृत्व वाले आयोग ने सिफारिश की है कि पुलिस के खिलाफ कर्तव्यहीनता के लिए प्राथमिकी दर्ज की जाए और चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ की जाँच का आदेश दिया जाए, जिससे राज्य सरकार को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। इस मामले के संबंध में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त, सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माइकल कुन्हा की अध्यक्षता वाले आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में पाया गया कि भगदड़ का मुख्य कारण पुलिस की लापरवाही थी। यह सिफारिश की गई है कि अपने कर्तव्यों का पालन करने में लापरवाही बरतने वाले पुलिस वरिष्ठों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए और जाँच का आदेश दिया जाए। स्टेडियम के अंदर केवल 79 पुलिसकर्मी थे। बाहर ज्यादा पुलिसकर्मी नहीं थे। आपातकालीन वाहन और एम्बुलेंस व्यवस्था अधूरी थी। हालाँकि भगदड़ 3:25 बजे हुई थी, लेकिन पुलिस आयुक्त को 5:30 बजे तक कोई सूचना नहीं मिली। संयुक्त पुलिस आयुक्त 4 बजे स्टेडियम पहुँच गए थे।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करना उचित नहीं है। गेट बहुत छोटे हैं। स्टेडियम में अग्नि सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी। यह दावा झूठा है कि सुरक्षा के लिए 1,650 पुलिस अधिकारी तैनात किए गए थे। रिपोर्ट से पता चलता है कि सुरक्षा के लिए 800 से भी कम लोग तैनात थे।

साथ ही, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आरसीबी, डीएनए, केएससीए और पुलिस के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जा सकता है। केएससीए, डीएनए, आरसीबी और पुलिस इस घटना के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। हालाँकि उन्हें पता था कि कार्यक्रम आयोजित करना असंभव है, फिर भी सभी ने इसमें भाग लिया और कार्यक्रम आयोजित किया। इन सभी लोगों की कर्तव्यहीनता और लापरवाही साफ दिखाई देती है। यह भी कहा गया है कि सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी), कार्यक्रम आयोजक डीएनए एंटरटेनमेंट और बेंगलूरु पुलिस को 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया गया है, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा घायल हो गए थे। कांग्रेस सरकार जब एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर विधान सौधा में एक जश्न का आयोजन कर रही थी, तब हजारों आरसीबी प्रशंसक इंडियन प्रीमियर लीग विजेता टीम की एक झलक पाने की उम्मीद में स्टेडियम के बाहर जमा हो गए थे। अनियंत्रित भीड़ के कारण दोपहर लगभग 3:25 बजे जानलेवा भगदड़ मच गई। डी. कुन्हा आयोग को योजना, समन्वय और भीड़ प्रबंधन में खामियों की जाँच के लिए एक महीने का समय दिया गया था। जाँच के दौरान, आयोग ने घटनास्थल का दौरा किया और कई पूछताछ दर्ज कीं। इसने प्रत्यक्षदर्शियों, पुलिस अधिकारियों, केएससीए अधिकारियों और सरकारी प्रतिनिधियों के बयान दर्ज किए। इसके अलावा, जाँच में पाया गया कि प्रमुख अधिकारियों ने तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। संयुक्त पुलिस आयुक्त शाम 4 बजे ही घटनास्थल पर पहुँचे, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस आयुक्त को भगदड़ के दो घंटे से भी ज्यादा समय बाद शाम 5:30 बजे तक घटना की जानकारी नहीं दी गई थी। दो खंडों वाली एक रिपोर्ट मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सौंप दी गई है। इसे 17 जुलाई को राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अध्ययन के बाद जाँच के मुख्य बिंदु सामने आएंगे। कर्नाटक सरकार ने पहले भगदड़ की मजिस्ट्रेट जाँच शुरू की थी और पुलिस को मामले के आपराधिक पहलुओं की जाँच करने का निर्देश दिया था। आरसीबी, केएससीए और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट के खिलाफ लापरवाही और गैर इरादतन हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सरकार ने न्यायिक जाँच के आदेश दिए हैं और तत्कालीन बेंगलूरु पुलिस आयुक्त और दो अन्य आईपीएस अधिकारियों सहित पाँच पुलिस अधिकारियों को कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में सेवा से निलंबित कर दिया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया था और सरकार से नौ प्रमुख प्रश्न पूछे थे, जिनमें यह भी शामिल था कि इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार था।

सुरजेवाला मंत्रियों के साथ चर्चा कर स्थिति का करेंगे आकलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, जिन्होंने विधायकों से अलग-अलग छह दिन तक राय ली, अब इस महीने की 16 तारीख को मंत्रियों के साथ चर्चा करके स्थिति का आकलन कर रहे हैं। सुरजेवाला के इस कदम पर कांग्रेस पार्टी में मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ आई हैं। सिद्धारमैया राज्य में एक प्रभावशाली नेता हैं, और सुरजेवाला द्वारा कांग्रेस विधायकों से सीधे राय लेना, उन्हें दूर रखना, गहन बहस का विषय रहा है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री विधायकों को अपनी राय देने के लिए आसानी से उपलब्ध थे। इसके अलावा, सुरजेवाला ने बैठक क्यों की? क्या यह मुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष की अनुपस्थिति का संदर्भ नहीं है? इसकी आलोचना भी हुई है। सुरजेवाला, विधायकों से चर्चा तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि अब मंत्रियों के साथ अलग से भी परामर्श कर रहे हैं, जिससे बहस और बढ़ गई है। विधायकों से चर्चा के दौरान, उन्होंने कई सवाल उठाए जैसे कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में क्या विकास हुआ है, आगे कैसे विकास किया जाना चाहिए और मंत्री विधायकों को कैसे जवाब दे रहे हैं। अब पता चला है कि विभागों से संबंधित प्रश्न पत्र मंत्रियों को पहले ही भेज दिए गए हैं। पहले और दूसरे चरण

में जब विधायकों के साथ तीन-तीन दिन की अलग-अलग बैठकें हुई थीं, तो कुछ मंत्रियों ने सुरजेवाला से समय देने का अनुरोध किया था। हालाँकि, मंत्रियों को समय न देने वाले सुरजेवाला ने कहा था कि वह अगले सप्ताह उनके साथ अलग से बैठक करेंगे। तदनुसार, अब समय तय कर दिया गया है और अधिकांश मंत्रियों को प्रश्न पत्र भेज दिए गए हैं। उन्हें विभागों द्वारा किए गए विकास कार्यों, नई परियोजनाओं, प्रगति समीक्षा, केडीपी बैठकों, दिशा बैठकों और पार्टी संगठन में मंत्रियों के योगदान के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया गया है। बेंगलूरु पहुँच रहे सुरजेवाला के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ चर्चा करने और निगम-मंडलों की नियुक्ति के लिए विधान परिषद के चार सदस्यों के पदों की अंतिम सूची को अंतिम रूप देने की संभावना है। इस बीच, सुरजेवाला ने कुछ मंत्रियों को हरी झंडी दे दी है और प्रगति की समीक्षा के लिए आगे आए हैं। मंत्रियों के साथ सुरजेवाला की बैठक ने काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री समय-समय पर इस मुद्दे पर बैठकें कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि सुरजेवाला मंत्रियों की प्रगति की समीक्षा क्यों कर रहे हैं। मुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष पद को लेकर चल रही तीखी बहस को लेकर सुरजेवाला, विधायक, मंत्री आदि विभिन्न स्तरों पर अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं, जिससे राजनीति में एक बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान में तीन बाघ शावकों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

माल महादेश्वर हिल्स (एमएम हिल्स) वन्यजीव अभयारण्य में हाल ही में एक वयस्क बाघिन और उसके चार शावकों की मौत के बाद, बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान (बीबीपी) में तीन और बाघ शावकों की मौत हो गई है।

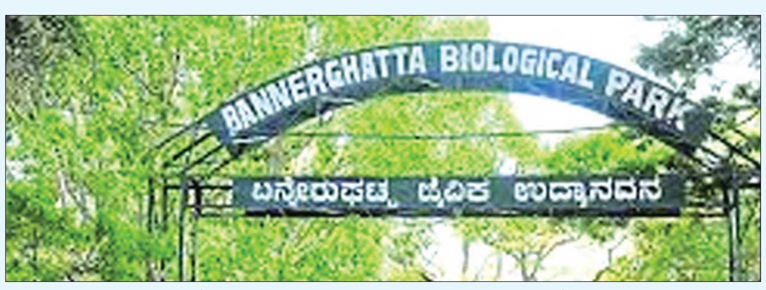

बीबीपी अधिकारियों के अनुसार, बाघिन हिमा दास ने 7 जुलाई को तीन शावकों को जन्म दिया था और बच्चों को जन्म देने के बाद उसने उनकी देखभाल नहीं की। यह बाघिन का तीसरा शावक था। अधिकारियों ने बताया कि चूँकि बाघिन ने शावकों की देखभाल नहीं की, इसलिए तीनों घायल हो गए और बाद में उन्हें गहन देखभाल और देखभाल के लिए बीबीपी के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

बीबीपी ने एक बयान में कहा डॉक्टरों के सभी प्रयासों के बावजूद, शावक जीवित नहीं बच पाए। 8 जुलाई को एक नर शावक की और 9 जुलाई को एक नर और एक मादा शावक की मौत हो गई। इसमें आगे बताया गया है कि पशु चिकित्सा दल द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। बीबीपी ने कहा कि भगदड़ के कारण एक नर शावक को ग्रीवा में चोट लगी, एक अन्य नर शावक की मस्तिष्क के ऊतकों में चोट और मेनिन्जियल हेमेटोमा के कारण मृत्यु हो गई और उसकी माँ ने उसके सिर पर काट लिया। एक अन्य मादा शावक को भी भगदड़ में चोटें आईं। बीबीपी ने एक बयान में कहा माँ द्वारा शावकों की देखभाल करना स्वाभाविक है और कैद में, कई बार मातृ प्रवृत्ति की कमी के कारण शावकों को माँ द्वारा छोड़ दिया जाता है और उन्हें चिड़ियाघर के अस्पताल में निजी तौर पर पाला जाता है। इसमें आगे कहा गया है कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे से निगरानी में थी और पशुपालकों और डॉक्टरों ने माँ और शावकों के इलाज में पूरी सावधानी बरती।

करोड़ों रुपये के विदेशी नौकरी धोखाधड़ी मामले में आरोपियों के खिलाफ केसीओसीए लगाया जाएगा

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने कहा कि पुलिस ने बड़े पैमाने पर विदेश में नौकरी दिलाने के घोटाले में शामिल आरोपियों के खिलाफ कर्नाटक संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (केसीओसीए) लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस घोटाले में सैकड़ों उम्मीदवारों से 4 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की गई थी। मीडिया को संबोधित करते हुए, आयुक्त ने कहा हम मंगलूरु उत्तर और नवी मुंबई में दर्ज नौकरी धोखाधड़ी के मामलों में मुंबई से आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुके हैं। चूँकि आरोपियों के खिलाफ दो मामले हैं, इसलिए हमने केसीओसीए लगाने का प्रस्ताव रखा है और अदालत को अनुरोध भेज दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि कई आपराधिक

मामलों का सामना कर रहे व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

जिन पर दो या उससे ज्यादा मामले हैं, उनके खिलाफ केसीओसीए लगाने का प्रावधान है। एक बार ऐसा होने पर आरोपी को आसानी से जमानत नहीं मिल पाती और पुलिस को जाँच के लिए विशेष अधिकार मिल जाते हैं। यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब आरोपी, बेंडोरवेल, मंगलूरु स्थित हाइरग्लो एलिगेंट ओवरसीज इंटरनेशनल (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले काम कर रहे थे और कथित तौर पर फर्जी वर्क वीजा के जरिए विदेश में नौकरी दिलाने का वादा करके नौकरी चाहने वालों से बड़ी रकम वसूल रहे थे। जुलाई में, सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने दो मुख्य आरोपियों, दिलशाद अब्दुल सत्तार खान और साहुकार किशोर कुमार उर्फ अनिल पाटिल, दोनों को मुंबई क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। इससे पहले, मई में, मुंबई के ही एक अन्य आरोपी, मसीयुल्ला अतीयुल्ला खान को सीसीबी ने 1.82 करोड़ रुपये के इसी तरह के अपराध के लिए हिरासत में लिया था। पुलिस ने कहा कि इस घोटाले में 300 से ज्यादा लोग शामिल थे और कुल मिलाकर 4.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी हुई। शुरुआत में मामले मंगलूरु ईस्ट पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए और बाद में आगे की जाँच के लिए सीसीबी को सौंप दिए गए। आयुक्त ने संगठित अपराध पर नकेल कसने और बार-बार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों को कड़ा संदेश देने के विभाग के संकल्प को दोहराया।

कुंदापुर में 47 सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या 25 से कम

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिक्षा विभाग और शिक्षक सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं, वहीं कुंदापुर क्षेत्र के कई संस्थानों में छात्रों की संख्या में चिंताजनक गिरावट देखी जा रही है। पाँच कक्षाओं तक के कुछ स्कूलों में, केवल तीन या चार छात्र ही नामांकित हैं। बुनियादी ढाँचे के लिए धन की कमी और शिक्षकों की नियुक्तियों के अभाव में, यह सवाल बना हुआ है कि नामांकन कैसे बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में, कुंदापुर शिक्षा क्षेत्र के 47 स्कूलों में 25 से कम छात्र हैं। सर्वेक्षण किए गए 58 स्कूलों में से 40 में 40 से कम छात्र हैं। चालू शैक्षणिक वर्ष में, निम्न प्राथमिक खंड में सरकारी स्कूलों में 804 और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में 43 छात्र नामांकित हैं, कुल मिलाकर 847 छात्र नामांकित हैं। उच्च प्राथमिक खंड में, सरकारी स्कूलों में 8,580 छात्र, सहायता प्राप्त स्कूलों में 1,116, गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों में 580 और आवासीय स्कूलों में 221 छात्र हैं। हाई स्कूल स्तर पर, सरकारी स्कूलों में 13,473 छात्र, सहायता प्राप्त स्कूलों में 1,987, गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में 12,618 और आवासीय स्कूलों में 624 छात्र हैं - कुल मिलाकर 28,702 छात्र हैं। सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में वर्तमान में 93 शिक्षक पद रिक्त हैं, जिनमें से 63 अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के माध्यम से भरे गए हैं। शेष पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। सरकारी हाई स्कूलों में 35 पद रिक्त हैं, जिनमें से 34 अतिथि शिक्षकों द्वारा भरे गए हैं। अंग्रेजी माध्यम शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझान को सरकारी स्कूलों में नामांकन में गिरावट का एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। इसके जवाब में, राज्य सरकार ने कुछ सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम कक्षाएं शुरू की हैं, जिससे चुनिंदा संस्थानों में नामांकन संख्या पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इस कदम को सरकारी स्कूलों के

अस्तित्व के लिए एक वरदान के रूप में देखा जा रहा है। हालाँकि वर्तमान में किसी भी स्कूल को बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है, लेकिन ऐसी अटकलें हैं कि भविष्य में, कम नामांकन वाले स्कूलों को पास के संस्थानों में विलय किया जा सकता है। सिर्फ तीन छात्रों के लिए एक स्कूल चलाने पर सरकार को सालाना लाखों रुपये का खर्च आ सकता है। इसमें शिक्षकों का 70,000 से 90,000 रुपये का मासिक वेतन, कर्मचारियों का वेतन, खाद्य आपूर्ति, गैस, दूध, अंडे, केले, किताबें, जूते, वर्दी, बिजली और अन्य जरूरी चीजें शामिल हैं। ऐसे मामलों में प्रति छात्र लागत इंजीनियरिंग शिक्षा के बराबर बताई जाती है। कुंदापुर की शिक्षा अधिकारी शोभा शेट्टी ने कहा अभी किसी भी स्कूल को बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। प्रवेश प्रक्रिया अभी भी जारी है। शिक्षक ज्यादा से ज्यादा बच्चों को सरकारी स्कूलों में लाने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। छात्रों की कम संख्या के बावजूद, सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सामुदायिक भवन को पशु चिकित्सालय में बदलने की बीबीएमपी की योजना का विरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बोम्मनहल्ली के निवासी बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के उस प्रस्ताव के विरोध में हैं जिसमें एक सार्वजनिक सामुदायिक भवन को पशु चिकित्सालय में बदलने का प्रस्ताव है।

स्थानीय निवासी संपत कृष्णभट के अनुसार देवराचिक्कनहल्ली के पास स्थित रैथा सिपाही मंदिरा सामुदायिक भवन में पिछले आठ वर्षों में हजारों सांस्कृतिक कार्यक्रम और आध्यात्मिक प्रवचन आयोजित हो चुके हैं। उन्होंने कहा यह हमारे लेआउट के निर्दिष्ट नागरिक सुविधा (सीए) स्थल पर स्थित है। बीबीएमपी के एक अधिकारी ने बताया कि बोम्मनहल्ली क्षेत्र में नियोजित पशु चिकित्सालय के निर्माण के लिए उपयुक्त स्थानों की कमी के कारण यह प्रस्ताव लाया गया था। बोम्मनहल्ली क्षेत्रीय आयुक्त राम्या एस ने बताया कि प्रस्ताव का उद्देश्य एक क्षेत्र-विशिष्ट पशु चिकित्सालय स्थापित

करना था, और स्थल की खोज के दौरान, सामुदायिक भवन एक अनुकूल विकल्प प्रतीत हुआ। उन्होंने कहा हॉल में प्रवेश और निकास दोनों द्वार हैं, जो पशु चिकित्सालयों के लिए उपयुक्त हैं। हमारे भूमि रिकॉर्ड भी दर्शाते हैं कि यह संपत्ति बीबीएमपी की है। हालांकि, बोम्मनहल्ली के पूर्व उप-महापौर और पूर्व पार्षद राम मोहन राजू ने कहा 2016 में यह जमीन खाली थी और यहाँ अक्सर शराबी आते थे। इसलिए, हमने सरकारी धन से एक सामुदायिक हॉल बनवाया। तब से, आस-पड़ोस के लोग इसका नियमित रूप से उपयोग करते आ रहे हैं। राम्या ने कहा कि हॉल का निर्माण बीबीएमपी के लगभग 25 लाख रुपये के अनुमानित धन से हुआ है। उन्होंने बताया कि रिकॉर्ड की जाँच के बाद, बीबीएमपी के अधिकारियों ने मौके का दौरा किया और हॉल को अपने कब्जे में ले लिया। कृष्णभट ने कहा कुछ दिन पहले, बीबीएमपी के अधिकारी हॉल की चाबियाँ लेकर हमें इसे अस्पताल में बदलने की योजना के बारे में बता रहे थे। यह हमारे लिए एक झटका था, क्योंकि हॉल का नियमित रूप से उपयोग होता रहा है। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय निवासियों ने हॉल का रखरखाव स्वयं किया है और इसके निर्माण के बाद से बिजली और पानी का खर्च भी उठाया है।

दो दिन पहले 200 से ज्यादा निवासियों ने राम्या से मुलाकात की और उन्हें एक पत्र सौंपकर इस योजना को रद्द करने का आग्रह किया। उन्होंने अनुरोध किया कि पशु चिकित्सालय के लिए एक ज्यादा उपयुक्त, वैकल्पिक स्थान की पहचान की जाए। राम्या ने कहा कि वह उनके अनुरोध पर विचार करेंगी और जल्द ही कोई निर्णय लेंगी।

छोड़ आए लाल गलियारा

एक करोड़ 18 लाख के 23 इनामी नक्सलियों का आत्मसमर्पण

सरेंडर करने वाले नक्सलियों में नौ महिलाएं भी शामिल

सुकमा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों की रणनीति रंग ला रही है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कलेक्टर एलेक्सपाल मेनन के अपहरण में शामिल नक्सली समेत कुल 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। सरेंडर करने वाले माओवादियों में आठ हार्डकोर इनामी नक्सली शामिल हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कुल एक करोड़ 18 लाख रुपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में नौ महिलाएं और 14 पुरुष नक्सली हैं। ये सभी डीकेएसजेडसी, पीएलजीए और मिलिशिया जैसे सक्रिय संगठनों से जुड़े थे। पुनर्वास नीति और नियाद नैलानार जैसी योजनाओं से प्रभावित होकर नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इस कार्रवाई में जिला पुलिस बल, सीआरपीएफ, एसटीएफ और कोबरा बटालियन समेत कई एजेंसियों की बड़ी भूमिका रही। यह सुकमा में शांति और विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से अब तक हुई 205 मुठभेड़ों में 427 नक्सली मारे गए हैं। मारे गए नक्सलियों में सवा तीन करोड़ के इनामी नक्सली बसवराजू, एक करोड़ की इनामी नक्सली सुधाकर और कई राज्यों में एक करोड़ से ज्यादा के इनामी नक्सली भास्कर भी शामिल है। पिछले डेढ़ साल में 1 हजार 428 नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में हुई पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा था, हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल-वाद से मुक्त कर के रहेंगे। शाह ने कहा था कि बिहार, झारखंड और ओड़ीशा काफी हद तक नक्सलवाद से मुक्त हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भी पिछले दिनों भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाया था और 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सल-वाद समाप्त करने का संकल्प दोहराया था।

दिल्ली में इमारत गिरने से दो लोगों की मौत, आठ घायल

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार को एक इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य घायल हो गये।

उत्तर पूर्वी जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आज यहां बताया की वेलकम थाने की पुलिस को एक चार मंजिला इमारत गिरने की सूचना मिली। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के साथ दमकल कर्मी और अन्य एजेंसी के कर्मी मौके पर पहुंचे। घटना स्थल से आठ घायल लोगों को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इनमें से सात लोगों को जेपीसी अस्पताल में जबकि एक को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उन्होंने कहा कि इस हादसे में मारे गये लोगों की पहचान मतलूब (50) और उसकी पत्नी राबिया (46) के रूप में हुई है। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक राहत बचाव अभियान जारी था। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही।

रेखा गुप्ता ने जिलाधिकारी से इमारत ढहने की रिपोर्ट तलब की

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में इमारत गिरने को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए जिलाधिकारी से रिपोर्ट तलब की है। श्रीमती गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स कहा, सीलमपुर में एक दुर्भाग्यपूर्ण इमारत ढहने की खबर मिली है। जैसा कि जानकारी मिली है, चार लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए निकटतम अस्पताल ले जाया गया है। यह अत्यंत दुखद है कि इस घटना में दो अनमोल जानें चली गईं। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा कर रहे हैं और स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, जिलाधिकारी को घटना पर रिपोर्ट देने को कहा गया है। दिल्ली पुलिस, दिल्ली अग्निशमन सेवा, एनडीआरएफ और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। उल्लेखनीय है कि उत्तर पूर्वी जिले के वेलकम इलाके में आज एक इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि आठ लोगों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

पहले भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का होगा चयन

दिल्ली और यूपी के प्रदेश अध्यक्षों का बाद में होगा ऐलान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति के करीब है।

चुनाव की पात्रता प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा के बाद ही होंगे।

पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा के बाद, भाजपा दो महत्वपूर्ण राज्यों, दिल्ली और उत्तर प्रदेश, में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करेगी।

दोनों राज्यों का राजनीतिक महत्व बहुत ज़्यादा है। दिल्ली में, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में 27 साल बाद सत्ता में लौटी है। यह अभी अनिश्चित है कि सचदेवा को दूसरा कार्यकाल दिया जाएगा या पार्टी दिल्ली इकाई का नेतृत्व किसी नए चेहरे को सौंपेगी। उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की उम्मीद है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट नेता और वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो रहा था। हालांकि, उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव तक विस्तार दिया गया था।

हाल के चुनावों में राज्य में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए नेतृत्व परिवर्तन की संभावना बढ़ गई है। अधिकांश राज्यों में संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और कई अन्य राज्यों में हाल ही में नए राज्य इकाई प्रमुखों की नियुक्ति की गई है। बिहार, सिक्किम, गोवा और असम जैसे अन्य प्रमुख राज्यों में नए अध्यक्ष पहले ही नियुक्त किए जा चुके हैं। शेष राज्यों में भी यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है।

शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार पर नितिन गडकरी ने जताई चिंता

नागपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राजनीति, प्रशासनिक व्यवस्था और व्यक्तिगत जीवन में विनम्रता की अहमियत को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सत्ता, संपत्ति, ज्ञान और सौंदर्य जैसी चीजें अक्सर व्यक्ति में अहंकार पैदा कर देती हैं। जब यह अहंकार बढ़ता है, तो व्यक्ति सोचता है कि वह सबसे समझदार है और वही सोच दूसरों पर थोपने लगता है, लेकिन इस रवैये से कोई बड़ा नहीं बनता।

गडकरी ने एक निजी अनुभव साझा करते हुए, फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन की विनम्रता की तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं एक कार्यक्रम में अमिताभ बच्चन के साथ मंच पर बैठा था। तभी एक छोटा लड़का और लड़की मंच पर आए। अमिताभ बच्चन तुरंत खड़े हो गए और हाथ जोड़कर उन्हें मंच पर बुलाया। मैं बैठा रहा, लेकिन कुछ क्षण बाद संकोचवश खड़ा हुआ। उस वक्त मुझे महसूस हुआ कि इतने बड़े अभिनेता की यह विनम्रता कितनी प्रेरणादायक है।

गडकरी ने अपने हालिया लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि उन्होंने तय किया था कि इस बार वह कोई पोस्टर या बैनर नहीं लगाएंगे, न ही किसी को भोज पर बुलाएंगे और न ही जातिवादी राजनीति का सहारा लेंगे। उन्होंने कहा, जिसे वोट देना है, दे; नहीं देना है, न दे। मैं अपने सिद्धांतों के साथ चुनाव लड़ा। जनता का फैसला ही सबसे अहम होता है।

गडकरी ने शिक्षा व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा, यहां टीचर्स को अप्रूवल के लिए पैसे देने पड़ते हैं। अपॉइंटमेंट के लिए भी पैसे मांगे जाते हैं। मैं जानता हूं कि शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारी क्या-क्या करते हैं। इसलिए तो ऐसे लोग जेल में जाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने कार्यक्षमता और दृष्टिकोण पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, लोग पूछते हैं कि इतनी समस्याओं के बावजूद सड़कें कैसे बनती हैं? मैं उन्हें बताता हूं कि कुछ लोग समस्याओं को अवसर में बदल देते हैं, जबकि कुछ लोग अवसर को समस्या में बदल देते हैं। जब तुम्हें नौकरी मिली है, तो यह तुम्हारी परीक्षा है। सोचो कि गधे को घोड़ा कैसे बना सकते हो, यह मत सोचो कि वह गधा ही है और नहीं सुधर सकता- क्योंकि उसी को सुधारने के लिए तो तुम्हें बुलाया गया है।

फेंसिंग और लोहे की ग्रिल भी नहीं रोक पाई हिमलिंग की पिघलन

तो गुफा को क्यों नहीं करते वातानुकूलित?

एसी लगाने का प्रस्ताव श्राइन बोर्ड ने ठंडे बस्ते में रख दिया

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 12 जुलाई (ब्यूरो)। इस बार भी अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के सारे उपाय धरे के धरे रह गए। जिस लोहे और शीशे की ग्रिल का सहारा लेकर हिमलिंग को बचाने की कोशिश की गई थी, वह उसे पिघलने से बचा नहीं पाया। 22 फुट का हिमलिंग पिघल कर अब अंतर्ध्यान हो चुका है। भक्तों की सांसों की गर्मी के साथ-साथ ग्लोबल वार्मिंग के कारण ऐसा हुआ। इससे निपटने का तरीका अब अत्याधुनिक तकनीक ही है, पर श्राइन बोर्ड फिलहाल तकनीक का सहारा नहीं ले रहा है।

अमरनाथ गुफा को तकनीक के सहारे ठंडा और वातानुकूलित बनाने की योजना श्राइन बोर्ड ने उसी समय तैयार की थी जब वह अस्तित्व में आया था। लेकिन यह मामला कई साल तक कोर्ट में रहा जिस कारण श्राइन बोर्ड इस संबंध में कोई कदम उठाने से परहेज कर रहा है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी कहते हैं कि गुफा को पूरी तरह से वातानुकूलित करने के लिए आइस स्केटिंग रिंक तकनीक का इस्तेमाल करने की योजना है। इसी के तहत कई अन्य प्रस्तावों पर भी विचार किया गया था जिनमें एयर कर्टन, रेडियंटस कूलिंग पैनल्स और अन्य आधुनिक तरीके इस्तेमाल करने का था।

इनमें से कई तकनीकों का सफल प्रयोग मुंबई, श्रीनगर तथा गुलमर्ग में कर लिया गया था लेकिन अमरनाथ गुफा में इनका प्रयोग करने से पूर्व ही अदालत ने इन तैयारियों पर रोक लगा दी। उस समय गुफा में कृत्रिम हिमलिंग बनाने की अफवाह फैला दी गई थी। हालांकि श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को रेडियंट कूलिंग पेनलस का विकल्प बहुत ही जायज लगा था लेकिन हाईकोर्ट द्वारा इस पर रोक लगा दिए जाने के कारण मामला अंतिम चरण में जाकर रुक गया था।

अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने से तापमान के बढ़ने की आशंका रहती है। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघलने लगता है। साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे। साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरुआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे।

साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे। लगातार बढ़ते तापमान के चलते वे अमरनाथ यात्रा के पूरे होने से पहले ही अंतर्ध्यान हो गए थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार साल 2013 में हिमलिंग के तेजी से पिघलने का कारण तापमान में वृद्धि था। उस वक्त पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। इस बार कश्मीर को 37 डिग्री सहन करना पड़ा है।

2018 में भी बाबा बर्फानी के तेजी से पिघलने का सिलसिला जारी था। इस बार 3 जुलाई से शुरू हुई 38 दिवसीय इस यात्रा में एक सप्ताह में ही पौने दो लाख यात्रियों ने दर्शन किए हैं। 7 दिनों के बाद ही दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के साक्षात दर्शन नहीं हुए क्योंकि बाबा दर्शन देने से पहले ही अंतरध्यान हो गए हैं।

अमरनाथ यात्रा में बीएसएफ की भूमिका भी सराहनीय

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कश्मीर में चल रही अमरनाथ यात्रा के दौरान ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों, निर्जलीकरण और थकावट से पीड़ित दर्जनों तीर्थयात्रियों को बचाया है। बीएसएफ बचाव और राहत दल को समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए चुनौतीपूर्ण पहलगाम और बालटाल मार्गों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है। ये दल हिमालय में पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने कहा, सुरक्षाबल ने प्रशिक्षित पैरामेडिक्स और विशेष चिकित्सा दलों को तैनात करके अपने बचाव अभियान को तेज कर दिया है। हमारी टीमें हर यात्री की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करते हुए हाई अलर्ट पर हैं। हम अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीएसएफ की चिकित्सा टीमें 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम-चंदनवाड़ी मार्ग और 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-दोमेल मार्ग पर प्रमुख स्थानों पर तैनात हैं।

प्राथमिक चिकित्सा किट, ऑक्सीजन सिलेंडर और आ-पातकालीन चिकित्सा आपूर्ति से लैस, इन टीमों ने तीव्र पर्वतीय बीमारी के कई मामलों में महत्वपूर्ण ऑक्सीजन सहायता प्रदान की है, जिससे गंभीर जटिलताओं को रोका जा सका है और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित निकासी संभव हुई है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया बांग्लादेशी

शारजाह से फर्जी भारतीय पासपोर्ट से पहुंचा था

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बांग्ला-देशी घुसपैठिया मोनिर अहमद को फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ लिया गया। इमिग्रेशन में पासपोर्ट की जांच हुई तो उसके पासपोर्ट पर रिवोक्ड का पॉपअप आया। इसके बाद जांच में पता चला कि वह बांग्लादेशी है और उसने धोखे से भारतीय दस्तावेज बनवाए थे।

मोनिर अहमद को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू की गई। वह मूल रूप से बांग्लादेश के बांदरबान का रहने वाला है। मोनिर ने कबूल किया कि वह भारत आकर जाली जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, वोटर आईडी आदि बनवाकर भारतीय पासपोर्ट हासिल करने में सफल रहा। तलाशी में मोनिर और उसकी मां नूरजहां का बांग्लादेशी पहचान पत्र भी मिला। आरोपी को फारनर्स एक्ट, पासपोर्ट एक्ट और बीएनएस के तहत केस दर्ज कर एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों को गिरफ्तार कर हथियार बरामद किए

इंफाल, 12 जुलाई (एजेंसियां) सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई जिलों में संवेदनशील क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान के दौरान शुक्रवार को उग्रवादियों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किये हैं।

पुलिस ने शनिवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने इम्फाल पूर्वी जिले के मफो डैम पुलिस थाने के अंतर्गत इथम गांव से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। बरामद किए गए सामान में एक 12-बोर एकल बैरल गन, दो राउंड .32 कैलिबर गोला-बारूद, दो हैंड ग्रेनेड, एक पिस्तौल के साथ मैगज़ीन, एक कारतूस, दो ट्यूब लॉन्चर, एक चार्जर के साथ वायरलेस सेट, और दो डिटोनेटर शामिल हैं।

इंफाल पश्चिम जिले के सेकमाई थाना क्षेत्र के महाराबी से एक प्रतिबंधित भूमिगत संगठन के सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया गया है।

संदिग्ध के पास से पहचान संबंधी दस्तावेजों वाला एक पर्स मिला। अधिकारियों ने पुष्टि किया है कि संदिग्ध ने म्यांमार में 45 दिनों का सैन्य प्रशिक्षण लिया था और वह प्रतिबंधित समूह के लिए इस क्षेत्र में काम कर रहा था। इसके अलावा, काकचिंग जिले के वाइखोंग पुलिस थाने के उमाथेल इलाके से एक अन्य प्रतिबंधित समूह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। दोनों उसी इलाके के निवासी हैं और उनके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए।

सुरक्षा बलों ने इम्फाल पूर्वी जिले के इथम पुल के पास मोइरंगपुरेल खुनोउ से एक अन्य भूमिगत संगठन के एक और सक्रिय कार्यकर्ता को पकड़ा है। संदिग्ध के पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया है।

बाद में एक प्रतिबंधित संगठन के तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया जो कथित तौर पर नागरिकों, दुकानदारों और बैंक कर्मचारियों के खिलाफ जबरन वसूली और धमकी देने में शामिल थे।

मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के कंगलाटोम्बी बाजार से अवैध हथियार और गोला-बारूद रखने के आरोप में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया। संदिग्ध के पास से एक पिस्तौल, मैगज़ीन, नौ एमएम गोला-बारूद के छह राउंड और एक सिम कार्ड वाला मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज का 350वां शहीदी वर्ष

अवैध धर्मांतरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: योगी

- अवैध धर्मांतरण देश व समाज के खिलाफ गहरी साजिश
- श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा का फूलों से स्वागत-सम्मान

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार अवैध धर्मांतरण के खिलाफ पूरी सख्ती से कार्रवाई कर रही है। कुछ ताकतें योजनाबद्ध तरीके से देश के स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रही हैं। यह समाज को तोड़ने और धार्मिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की साजिश है। ऐसी गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह देश और समाज के खिलाफ गहरी साजिश है। अनुसूचित जाति के लोगों को लालच और भय के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो संविधान और सामाजिक समरसता के खिलाफ है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा के दौरान कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा का सरकारी आवास पर स्वागत और सम्मान किया।

इस दौरान सीएम ने संदेश यात्रा का फूल बरसाकर स्वागत किया। यहीं से संदेश यात्रा का शुभारंभ हुआ। संदेश यात्रा लखनऊ से चलकर कानपुर, इटावा, आगरा होकर दिल्ली के चांदनी चौक और शीशगंज गुरुद्वारा तक जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण में कहा कि प्रदेश सरकार अवैध धर्मांतरण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में बलरामपुर में एक बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा देने के लिए विदेशों से धन राशि प्राप्त करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया। इस कार्रवाई में अवैध धर्मांतरण के लिए रेट तय करने के मामले को उजागर किया गया और अब तक 40 खातों में 100 करोड़ से अधिक का लेन-देन पाया गया है। यह आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा है। सीएम योगी ने कहा कि आज एक ऐतिहासिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से दिल्ली तक एक संदेश यात्रा शुरू की गई। इस यात्रा का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर जी महाराज की शहादत को याद करना था, जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपनी जान दी थी। यात्रा दिल्ली के उस ऐतिहासिक गुरुद्वारे तक जाएगी, जहां गुरु तेग बहादुर जी ने अपना बलिदान दिया था।

सीएम योगी ने कहा कि यात्रा के माध्यम से 350 वर्षों के शहीदी इतिहास को जीवंत किया जा रहा है, जिसमें उस समय के कठिन कालखंड की याद दिलाई जा रही है जब औरंगजेब जैसे अत्याचारी शासक का शासन था। शासक का उद्देश्य था सनातन धर्म को समाप्त करना और इस्लामिक धर्म को बढ़ावा देना। गुरु तेग बहादुर जी ने इस चुनौती का सामना करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी, लेकिन अपने पथ से कभी विचलित नहीं हुए। उन्होंने अपने बलिदान से आने वाली पीढ़ियों को एक प्रेरणा दी। यह पूरी यात्रा शहादत और बलिदान की परंपरा की नींव पर खड़ी है। जब हम इस शहीदी दिवस के आयोजन को देखते हैं, तो हमें उन संघर्षों और बलिदानों की याद आती है जिनके कारण आज हम स्वतंत्र और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सिख गुरुओं ने जिस बलिदान और त्याग की परंपरा की नींव रखी थी, उसे हमें आज भी जीवंत बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिंदू और सिखों के बीच फूट डालने के प्रयास कभी भी होते रहेंगे, लेकिन हमें सतर्क रहना होगा और इन साजिशों को नाकाम करना होगा। उन्होंने कहा कि शहीदी दिवस कार्यक्रम हमें यह प्रेरणा देता है कि हम सिख गुरुओं के बलिदान और शहादत की परंपरा को बनाए रखें और इसे वर्तमान समय के अनुसार अपनी रणनीतियों में ढालें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज में कोई भी जाति, धर्म, वर्ग अपनी संस्कृति और धर्म को छोड़ने के लिए दबाव में न आएं। सीएम ने 550 वें प्रकाश पर्व और बाल दिवस के अवसर पर होने वाले आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब ये कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर मनाए जाते हैं।

आईएसआई के मिशन आबाद से छांगुर गिरोह का सीधा लिंक

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हिंदू लड़कियों को मुसलमान बनाने का गिरोह चलाने वाले जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा छांगुर ने अवैध धर्मांतरण का पूरा नेटवर्क बना रखा था। छांगुर के संबंध नेपाल सीमा से सटे 7 जिलों में सक्रिय कुछ ईसाई मिशनरियों से भी थे। इन मिशनरियों के लोगों को छांगुर पैसे देता था। बदले में वालंटियर छांगुर को गरीब और कमजोर परिवारों की जानकारी देते थे।

एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की गिरफ्त में आए जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के मंसूबे बहुत खतरनाक थे। जांच में पता चला है कि छांगुर अवैध धर्मांतरण के लिए ईसाई मिशनरियों की मदद लेता था। इसके अलावा छांगुर के आईएसआई कनेक्शन भी सामने आए है। एटीएस के अनुसार, छांगुर ने अवैध धर्मांतरण के लिए एक पूरा नेटवर्क बना रखा था। छांगुर के संबंध नेपाल सीमा से सटे 7 जिलों में सक्रिय कुछ ईसाई मिशनरियों से थे। इन मिशनरियों के वालंटियरों को छांगुर पैसे देता था। बदले में वालंटियर छांगुर को गरीब और कमजोर परिवारों की जानकारी देते थे।

छांगुर फिर इन परिवारों को निशाना बनाकर और उन्हें आर्थिक मदद देकर अपने प्रभाव में लेता था। इसके बाद वह उनका धर्म परिवर्तन करवाता था। इस धर्मांतरण में होने वाले खर्च का पूरा हिसाब नसरीन (नीतू) रखती थी, जो कथित तौर पर छांगुर की पत्नी है। छांगुर पुलिस और स्थानीय प्रशासन को मैनेज करता था ताकि काम चलता रहे।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, देवीपाटन मंडल में मिशनरियों ने एक मजबूत नेटवर्क बनाया था। मिशनरियों ने हर वर्ग के लिए अलग-अलग प्रचारक नियुक्त किए थे। प्रचारक, पास्टर और पादरी इस नेटवर्क की मुख्य कड़ी थे। मिशनरियों के इन नेटवर्क के पास दलित, वंचित, बीमार और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की पूरी जानकारी होती थी। छांगुर समय-समय पर पैसे देकर यह जानकारी लेता था। फिर वह इन परिवारों को धर्मांतरण के लिए राजी करता था। जानकारी के अनुसार, छांगुर का संबंध कई अन्य संगठनों से भी रहा है। जांच में पता चला है कि उसका जुड़ाव सऊदी अरब इस्लामिक डेवलपमेंट बैंक, मुस्लिम वर्ल्ड लीग, दावत-ए-इस्लाम और इस्लामिक संघ ऑफ नेपाल जैसे संगठनों से था।

खुफिया एजेंसियों के अनुसार, छांगुर मिशन आबाद का हिस्सा था। धर्मांतरण के बदले छांगुर को विदेश से पैसा मिलता था। इसकी रिपोर्ट गृह मंत्रालय को भी भेजी गई थी। अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई हो रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि छांगुर के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कनेक्शन थे। छांगुर हाल ही में काठमांडू में हुए एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था। यह कार्यक्रम काठमांडू स्थित पाकिस्तान दूतावास में हुआ था। इसमें पाकिस्तान की नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी और आईएसआई के अधिकारी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के बाद पाकिस्तानी दल ने भारत सीमा का दौरा किया था। छांगुर ने तब आईएसआई के साथ कनेक्शन में आया।

छांगुर खुद का और नसरीन का उदाहरण देकर हिंदू परिवारों को धर्मांतरण के लिए राजी करवाता था। छांगुर बताता था कि वे दोनों पहले सिंधी थे। इस्लाम कबूल करने के बाद उनकी जिंदगी में बदलाव आया। छांगुर लोगों को दिखाता था कि अब उनके पास पैसे, आलीशान घर और महंगी गाड़ियां हैं। छांगुर दावा करता था कि अगर वे भी इस्लाम अपना लेंगे तो उनकी भी जिंदगी में बदलाव आएगा।

धर्मांतरण गिरोह से जुड़ा था मदरसा, प्रशासन ने सील किया

श्रावस्ती, 12 जुलाई (एजेंसियां)। धर्मांतरण गिरोह के सरगना छांगुर की जांच में श्रावस्ती के इकौना स्थित एक मदरसे का लिंक पाया गया है। मदरसा चलाने वाले सैयद सिराजुद्दीन हाशमी और छांगुर बाबा के गहरे लिंक पाए गए हैं। पुलिस यह जांच कर रही है कि धर्मांतरण के कुकृत्य मदरसा किस तरह शामिल था। जांच के दौरान टीम ने मदरसे की तलाशी ली और मदरसा सील कर दस्तावेज अपने साथ ले गई।

हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन, लव जेहाद और देश विरोधी गतिविधियों के आरोपी बलरामपुर के उतरौला निवासी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मामले की जांच अब श्रावस्ती के इकौना तक पहुंच गई है। पुलिस टीम शनिवार को इकौना देहात के रहमान पुरवा स्थित जामिया नूरिया फातिमा लिल बनात संस्था/मदरसा पहुंची। एडीएम के नेतृत्व में पहुंची टीम मदरसा सील करके वहां रखे अभिलेख अपने साथ ले गई।

गुजरात के वडोदरा जिले के धोबोई निवासी सैयद सिराजुद्दीन हाशमी ने इकौना देहात के रहमान पुरवा में 2019 में जामिया नूरिया फातिमा लिल बनात संस्था/मदरसा बनवाया था। इस आवासीय बालिका मदरसे में 300 छात्राएं रहकर शिक्षा ग्रहण कर रही थीं। जबकि, इसकी मान्यता भी नहीं थी। बाद में उसने मदरसे के बगल में करीब दो बीघा भूमि और खरीदी। उस पर भवन निर्माण शुरू कराया था। एक मई को एसडीएम की जांच में मदरसा संचालन से संबंधित अभिलेख नहीं मिले।

इसके बाद तीन मई को डीएम के निर्देश पर मदरसे को सील कर दिया गया था। इसमें सैयद सिराजुद्दीन हाशमी का आवास होने के कारण आवासीय परिसर को बाद में खोल दिया गया। हालांकि, मदरसा सील था। अब छांगुर मामले में नाम आने के बाद शनिवार को एडीएम अमरेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में एसडीएम ओम प्रकाश, सीओ भिनगा सतीश शर्मा, नायब तहसीलदार अमरेश कुमार, एसओजी टीम प्रभारी नितिन यादव व एसओ अखिलेश पांडेय की टीम मदरसा पहुंची। इस दौरान वहां रखे अभिलेख टीम अपने साथ ले गई।

सैयद सिराजुद्दीन हाशमी की ससुराल बलरामपुर के उतरौला में है। वहां आने-जाने के दौरान वह छांगुर के संपर्क में आया। इसके बाद उसका उतरौला आना-जाना बढ़ गया। ऐसे में सैयद सिराजुद्दीन हाशमी व छांगुर के मध्य क्या कनेक्शन है? टीम इसे तलाशने में जुटी है। छापेमारी के दौरान इसके तीन बैंक खातों का खुलासा हुआ। इनमें एक स्थानीय व दो गुजरात के हैं। इनकी जांच बैंक व ट्रेजरी के अधिकारियों से कराई जाएगी।

डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मदरसे से मिले अभिलेख उर्दू में हैं। पहले उनका अनुवाद कराया जाएगा। इसके बाद इसकी जांच की जाएगी। साथ ही मदरसे में शिक्षणरत छात्राएं कहां से आई थीं?

मौजूदा समय में कहां हैं? इसकी भी जांच कराई जाएगी। उतरौला आने जाने के इसके उद्देश्य, मदरसा निर्माण के लिए पैसा कहां से आया? कहीं किसी अन्य गतिविधि में भी इसकी भी संलिप्तता तो नहीं है। इसकी भी जांच कराई जाएगी।

आर्थिक सलाहकार समूह से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्थिक सलाहकार समूह के सुझावों पर कार्रवाई जरूरी: योगी

जल्द ही काम शुरू कर देगा उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शनिवार को नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन, आर्थिक विकास एवं छवि निर्माण हेतु नियोजन विभाग के अंतर्गत नवगठित आर्थिक सलाहकार समूह ने मुलाकात की। इस समूह में कृषि, शिक्षा, सेमी कंडक्टर, एमएसएमई, स्टार्टअप जैसे अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे देश के विषय विशेषज्ञ शामिल थे। इस दौरान समूह ने मुख्यमंत्री योगी को अपने कुछ सुझाव दिए। वहीं मुख्यमंत्री योगी ने समूह को संबोधित करते हुए कि समूह की तरफ से प्राप्त सुझाव स्वागत योग्य हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में अग्रसर है। इसके लिए प्रदेश के सभी विभाग मिलकर तेज़ गति से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक सलाहकार समूह से प्राप्त होने वाले सुझावों का तय समय पर क्रियान्वयन आवश्यक है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन कर चुकी है, जो जल्द ही कार्य करना शुरू कर देगी। इस मिशन के तहत जॉब मैपिंग कर विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रदेश के युवाओं का कौशल विकास, भाषा प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से राज्य में स्वच्छ, टिकाऊ और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल के निर्माण में उत्तर प्रदेश निकट भविष्य में हब बनेगा। बहुत ही जल्द उत्तर प्रदेश में स्थापित हिंदुजा ग्रुप की यूनिट इलेक्ट्रिक व्हीकल का प्रोडक्शन शुरू कर देगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश में जहां किसानों को 8-10 घंटे बिजली मिल रही है, वहीं उत्तर प्रदेश में आज किसानों को 15-16 घंटे बिजली मिल रही है। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के किसानों को पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 1 लाख सोलर पैनल उपलब्ध करा रही है। सरकार ने नलकूपों के सोलराइजेशन (सौर ऊर्जा से संचालन) को मिशन मोड में लागू किया है। उत्तर प्रदेश निजी पंप सोलराइजेशन में देश में अग्रणी है। इससे किसानों को कम लागत में बिजली उपलब्ध हो रही है और राज्य का विद्युत उत्पादन भी बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन अच्छा है। पिछले माह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कानपुर से 8 हजार मेगावाट के पावर प्लांट का उद्घाटन किया था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी की दिशा में भी उत्तर प्रदेश ने सारी प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके माध्यम से वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश 22 हजार मेगावॉट का उत्पादन शुरू कर देगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में देश का रोल मॉडल बनेगा और सरकार की नीतियां प्रदेश को हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाएंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विगत आठ वर्ष में प्रदेश के किसानों के हित में बहुत सारे कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 1 दर्जन सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कराकर नहरों के माध्यम से 23 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा प्रदान की गई है। शारदा नहर का पानी पहली बार वाराणसी पहुंचा है। आज बुंदेलखंड एवं पूर्वांचल के किसान एक वर्ष तीन-तीन फसलों का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मूंग दाल, मूंगफली और मक्का की खरीद के लिए प्रोक्योरमेंट केंद्र बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1996 से 2017 तक गन्ना किसानों को जितना भुगतान किया गया था, विगत आठ वर्ष में उससे 70 हजार करोड़ ज्यादा यानी 2 लाख 85 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में हर साल मात्र 500 फैक्ट्रियों का रजिस्ट्रेशन होता था। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके लिए अभियान चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने हैं, अब लगभग 4 हजार फैक्ट्रियों का रजिस्ट्रेशन प्रति वर्ष हो रहा है। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण में उत्तर प्रदेश ने काफी प्रगति की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में गो आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जिसका प्रदेश के पशु पालकों को लाभ प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लैंड लॉक्ड स्टेट होने बाद भी उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में देश में अग्रणी राज्यों में है।

यूपी में कांवड़ यात्रा की पुख्ता तैयारी पूरी

50 हजार सुरक्षाकर्मी और 29 हजार सीसीटीवी

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कांवड़ यात्रा के दौरान यूपी में सुरक्षा और निगरानी के लिए कमर कस ली गई है। कांवड़ियों की सुरक्षा के साथ कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए पूरे रास्ते में 29,454 सीसीटीवी कैमरों के साथ 50,000 से भी अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है।

इस व्यवस्था के तहत उत्तर प्रदेश में एंटी-ड्रोन और टेथर्ड ड्रोन समेत 395 उच्च तकनीक वाले ड्रोन पुलिस मुख्यालय को लाइव फीड दे रहे हैं। इसके साथ ही एक आधुनिक मॉनिटरिंग और कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिसमें 24 घंटे यात्रा और शिव मंदिरों की निगरानी की जा रही है। अफवाह फैलाने वाले या सोशल मीडिया पर भ्रामक या संवेदनशील पोस्ट डालने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था में पीएसी की 50 कंपनियां, 1424 होमगार्ड, पुलिस और अर्धसैनिक बलों से 2040 इंस्पेक्टर, 13,520 सब-इंस्पेक्टर, 587 राजपत्रित अधिकारी और 39,965 कांस्टेबल तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय के लिए व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है। इसमें यूपी के साथ उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अधिकारी शामिल हैं।

चित्रकूट में बाढ़ में डूबा, टूटा 20 साल का रिकॉर्ड

पुल के ऊपर से बह रही मंदाकिनी

चित्रकूट, 12 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार 12 घंटे की जोरदार बारिश के कारण चित्रकूट और आसपास का क्षेत्र बाढ़ में डूब गया है। मंदाकिनी और मानिकपुर की बरदहा नदी उफान पर है। दोनों नदियां खतरे के निशान के पार बह रही हैं। मंदाकिनी में 2004 के बाद इतना उफान एक बार फिर से देखने को मिला। पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। मानिकपुर के नाले में बहने से एक ग्रामीण की मौत हो गई। मंदाकिनी के किनारे फंसे 30 श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया।

मंदाकिनी का जलस्तर खतरे के निशान 126.5 मीटर को भी पार कर गया है। 25 छोटे मंदिर और 100 से अधिक दुकानों में पानी भर गया है। कई इलाकों में बड़े पैमाने पर जलभराव होने से सड़क पर नाव चल रही है। बरदहा नदी में बाढ़ आने से रपटे में पानी भर जाने से 10 से अधिक गांवों से संपर्क कट गया है। कल्याणपुर के पुल का एप्रोच मार्ग भी भारी बारिश के चलते बह गया है। धवइया नाला ऊफनाने से छह गांव का संपर्क कटा गया है। शुक्रवार की रात से लेकर शनिवार की सुबह दस बजे तक लगातार बारिश से मंदाकिनी व बरदहा नदी समेत क्षेत्र के 10 छोटे बड़े नाले ऊफना गए। लगभग 20 किमी के दायरे में बाढ का असर देखने को मिल रहा है। मानिकपुर के बेलहा नाले में बेलहा निवासी राजकिशोर बह गया। लगभग 100 मीटर दूर जाकर ग्रामीणों ने उनका शव नाले से निकाला। कल्यापुर गांव में बने नये पुल के दोनों ओर के एप्रोच मार्ग बह गए हैं। इसके चलते यहां लगभग 20 फीट का गडढा हो गया है। कई गांव की बस्ती में पानी भरा हुआ है। लोग छतों पर शरण लिए हुए हैं।

सावन माह होने से रामघाट से लेकर मंदाकिनी किनारे 30 से अधिक श्रद्धालु बाढ़ में फंस गए। उन्हें बाद में पुलिस की मदद से रेस्क्यू कर निकाला गया। जानकारी होते ही मंडलायुक्त अजीत कुमार, डीआईजी राजेश एस, डीएम शिवशरणप्पा जीएन, एसपी अरुण कुमार सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इस बीच यहां के सभी पुल पर आवागमन पर रोक लगाने के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। नदी के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान तैनात कर दिए गए हैं।

पुलों और सड़कों पर आवागमन बंद होने के बाद इन इलाकों में आने जाने के लिए नावों का सहारा लिया जा रहा है। इन्हीं नावों से नयागांव प्रमोदवन व जानकीकुंड में फंसे 30 श्रद्धालुओं को भी निकाला गया। रामघाट के बाहर बनी प्रमुख सड़क (जो यूपी-व एमपी सीमा को मिलाती है) पर पानी भर जाने से आवागमन बंद कर दिया गया।

क्या आप जानते हैं?

- क्या आप जानते हैं कंगारू और कोआला भी अपने बच्चों को दूध पिलाते हैं? इन जानवरों के बच्चे जन्म के समय बहुत छोटे होते हैं और अपनी मां के पेट पर बनी थैली में लंबे समय तक रहते हैं जिसे सैक कहा जाता है।
- संसार का सबसे छोटा स्तनपायी जानवर है हॉग नौज्ड चमगादड़ जो सिर्फ 3 सैंटीमीटर लम्बा होता है।
- रेंगने वाले और उभयचर जीवों की रफ्तार उनके शारीरिक तापमान पर निर्भर करती है। इसीलिए ये जानवर धूप में अधिकतर लेटे रहते हैं ताकि उनके शरीर का तापमान बढ़ सके और उनमें ऊर्जा एकत्रित हो सके।
- वे पदार्थ जो पैन की कोटिंग से उत्पन्न होते हैं वही पदार्थ ध्रुवीय भालू के रक्त में भी पाए गए हैं? ये पदार्थ हवा और समुद्री पानी के द्वारा भालुओं के रहने के स्थान पर पहुंचे हैं।
- खतरे में पड़ी पौधों व जानवरों की जातियों के व्यापार पर पाबंदी लग चुकी है। इसके बावजूद कई पाबंदी वाले उत्पादों की तस्करी होती है।
- तकरीबन 100 तरह के जानवरों व पौधों की नस्लें रोजाना विलुप्त होती हैं।
- एक विशेष किस्म की गाय रोजाना 50 किलोग्राम तक दूध देती है। हालांकि सिर्फ 8 किलोग्राम दूध ही गाय के बछड़े के लिए काफी होता है।
- स्काईलार्क पक्षी जिंदा रहने के लिए सारा दिन गाता रहता है। भद्दा गाने वाले पक्षियों को शिकारी पक्षियों द्वारा मार दिया जाता है।
- छछुंदर विलुप्त होने की कगार पर है इसलिए बगीचों के मालिक इन्हें मारते नहीं सिर्फ भगा देते हैं।

करंट मारती मछलियां !

समुद्र का नाम सुनकर कौन-सा ख्याल आपके मन में सबसे पहले आता है। निश्चित तौर पर मछलियों या फिर समुद्री जीवों का। बड़ी शार्क मछली या फिर कुछ और। आज हम आपको करंट मारने वाली मछलियों के बारे में बताते हैं।

इलैक्ट्रिक स्टिंग रे

करंट मारने वाली मछलियों में सबसे पहले नाम आता है इलैक्ट्रिक स्टिंग रे। इनकी करीब 14 प्रजातियां पाईं जाती हैं, जो प्रशांत महासागर से लेकर अटलांटिक महासागर तक में मिलती हैं। अन्य प्रजातियों में कॉफीन रेज, स्लीपर रेज और नम्ब मछलियां आती हैं। इन सभी में करंट पैदा करने की क्षमता होती है। इन्हें आकार और शिकार करने की प्रक्रिया के आधार पर दो भागों में बांटा गया है। बड़े समुद्री जीवों का शिकार करने वाली मछलियों को टारपीडिया कहा जाता है। ये अपने शिकार को पूरा निगल जाती हैं। कॉफीन रे और इलैक्ट्रिक रे इस सुपर फैमिली के अंतर्गत आती हैं। दूसरी फैमिली है नारसिनोइडिया। ये छोटे समुद्री जीवों का शिकार करती हैं। इसके अंतर्गत स्लीपर रे, नम्ब फिश आती हैं। टारपीडो मछलियां कई रंगों में पाई जाती हैं। मादा मछलियां नर की अपेक्षा बड़ी होती हैं। प्रशांत महासागर में पाए जाने वाली ये मछलियां बड़ी ही चालाकी से अपने शिकार को करंट के झटके से मारती हैं। आमतौर पर ये 45 वोल्ट का करंट छोड़ती हैं, लेकिन कभी-कभी इनके करंट का माप किलोवाट में भी पहुंच जाता है। करंट इतना शक्तिशाली होता है कि इनके झटके से एक आदमी दूर तक गिर सकता है। प्राचीन यूनान में ऐसा कहा जाता है कि इन मछलियों के द्वारा छोड़ी गई बिजली की तरंगों की मदद से कई प्रकार का इलाज व सर्जरी की जाती थी। रोम के लोग इन टारपीडो मछलियों के करंट की मदद से अपने सिरदर्द का इलाज किया करते थे।

इलैक्ट्रिक ईल्स

इलैक्ट्रिक फिश के परिवार के एक और सदस्य से मिलते हैं, इसे कहते हैं इलैक्ट्रिक ईल। अब आप सोच रहे होंगे कि इसके करंट की तीव्रता कितनी होती होगी? दरअसल, इसके करंट से एक आदमी की मृत्यु तो नहीं हो सकती, पर करंट लगने से श्वास सम्बंधी या फिर हृदयाघात जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ये मीठे पानी में ही रहती हैं, यानी झीलों और नदियों में पाई जाती हैं। ये करंट का प्रयोग खुद के बचाव के लिए करती हैं। इलैक्ट्रिक ईल्स का रंग ऊपर से भूरा और नीचे पेट पर नारंगी या पीला रंग का होता है। इनके सुनने की क्षमता बहुत अच्छी होती है। ये सांस लेने के लिए हर दस मिनट में पानी की सतह पर आती हैं। इलैक्ट्रिक ईल्स आठ फीट तक लम्बी हो सकती है।

इलैक्ट्रिक कैट फिश

यह आक्रमणकारी मछली अपने शरीर से करीब आधे से ज्यादा वजन का शिकार आराम से कर सकती है। अफ्रीका में पाई जाने वाली ये मछली गहरे पानी में रहती है और शिकार के आते ही ये उस पर आक्रमण कर देती है। इसके मुंह के पास मूंछे होती हैं। ये मछलियां तैरते और आराम करते समय भी लगातार इलैक्ट्रिक करंट छोड़ती रहती हैं। कभी -कभी ये अपने बचाव के लिए 350 वोल्ट तक का करंट भी छोड़ती है, जो अपने आप में एक आश्चर्य है। करंट छोड़ते समय ये करीब आधे मिनट तक करंट छोड़ती रहती है, जिस वजह से इनकी गिरफ्त में आया शिकार मर जाता है।

अन्य इलैक्ट्रिक जीव

स्टिंग रे, ईल्स और कैट फिश के अलावा समुद्र में न जाने कितने ऐसे ही जीव रहते हैं, जिनमें इलैक्ट्रिक करंट छोड़ने की क्षमता होती है। मछलियों की लगभग 500 ऐसी प्रजातियां पाई जाती हैं, जो अपने बचाव के लिए करंट पैदा करती हैं। इनमें एलीफेंट फिशेज, बोनीटंग और स्टारगेजर नामक कुछ मछलियां ऐसी हैं जो विभिन्न प्रकार के करंट छोड़ती हैं। मंगोलिया में पाए जाने वाली डेथ अर्थवॉर्म (केंचुआ) जो कि गोबी के मरुस्थल में पाया जाता है, वह भी इलैक्ट्रिक करंट का प्रयोग करता है। हालांकि अभी यह प्रमाणिक नहीं है कि ये पाया भी जाता है या केवल कल्पनाओं में ही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार ये कभी-कभी दिखाई दे जाते हैं।

कविता

पूर्व ने खोला सुबह का सूर्य

रेशमी शोला सुबह का सूर्य,
जोगिया चोला सुबह का सूर्य।
भाल पर जैसे हो प्राची के,
रौली का गोला सुबह सूर्य।
कौन मैं? 'मैं पूर्व की पगड़ी',
खुद से ही बोला सुबह का सूर्य।
पी रहा हो फैन्टा अथवा,
पैप्सी-कोला सुबह का सूर्य।
प्राची का मुख लाल लज्जा से,
ऐसा क्या बोला सुबह का सूर्य?
था बंधा पश्चिम के खूंटे से,
पूर्व ने खोला सुबह का सूर्य।

पहेलियां

1. हरी थी मन भरी थी मोतियों से जड़ी थी राजाजी के बाग में दुशाला ओढ़े खड़ी थी
2. चार अक्षर का मेरा नाम, टिमटिम तारे बनाना काम, शादी, उत्सव या त्योहार, सब जलाएं बार-बार।
3. तुम न बुलाओ मैं आ जाऊंगी, न भाड़ा न किराया दूंगी, घर के हर कमरे में रहूंगी, पकड़ न मुझको तुम पाओगे, मेरे बिन तुम न रह पाओगे, बताओ मैं कौन हूं?
4. गर्मी में तुम मुझको खाते, मुझको पीना हरदम चाहते, मुझसे प्यार बहुत करते हो, पर भाप बनूं तो डरते भी हो।
5. मुझमें भार सदा ही रहता, जगह घेरना मुझको आता, हर वस्तु से गहरा रिश्ता, हर जगह मैं पाया जाता
6. ऊपर से नीचे बहता हूं, हर बर्तन को अपनाता हूं, देखो मुझको गिरा न देना वरना कठिन हो जाएगा भरना।

उत्तर :1. भुट्टा 2.फुलझड 3.हवा 4.पानी 5.गैस 6. द्रव्य

दुनिया के कुछ बड़े संग्रहकर्त्ता

- कनाडा के जीन-गुए लकारे के पास सांता क्लॉस मैमोरेबिला की 25,104 अलग-अलग चीजें हैं।
- स्विट्जरलैंड के जीन-फ्रैंकोइस वेर्नेट्टी के पास दुनिया के 189 देशों के होटलों के 11,111 अलग-अलग 'डू नॉट डिस्टर्ब' साइन हैं।
- जर्मनी के बेन्र्ड सिकोरा के पास 43 देशों के 1,482 क्रिस्प पैकेट्स हैं।
- अमेरिका के मैनफ्रेड एस. रोथस्टीन के पास 71 देशों के 675 बैक स्क्रैचर (पीठ खुजलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले) का संग्रह है।
- अमेरिका के ही ब्रैंट डिक्सन के पास अलग-अलग 41,418 चाबी के छल्ले हैं।
- चैक रिपब्लिक के लादिस्लाव सेजनोहा के पास 36 देशों की 2 लाख से अधिक टिकटें हैं।
- नीदरलैंड्स के मारिनस वॉन डूर्न के पास 33,492 बोतल ओपनर्स का संग्रह है।
- जर्मनी के मार्कस ड्रैक्सलर के पास 18,179 कॉफी पॉट्स हैं।
- नीदरलैंड्स के नीएक वरमेऊलेन के पास 160 देशों की 1,142 एयरलाइन्स के 6,016 सिकनैस बैग्स हैं।

वेद भक्त- डॉ. विजयवीर विद्यालंकार

डॉ. विजयवीर विद्यालंकार भारत के प्रमुख संस्कृत विद्वानों में से एक हैं। वे संस्कृत साहित्य, विशेष रूप से वैदिक साहित्य और भारतीय दर्शन के क्षेत्र में अपने गहन अध्ययन और योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके कार्यों में प्राचीन भारतीय ग्रंथों की व्याख्या, संपादन और अनुसंधान शामिल हैं, जो संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

पंडित जी (डॉ. विजयवीर विद्यालंकार) का जन्म मुम्बई में 13 जुलाई 1944 को एक ऋषि भक्त नारायण राव आर्य परिवार में हुआ। आपने आरंभ में गुरुकुल घटकेश्वर, हैदराबाद से शिक्षा प्राप्त की और आगे की उच्च शिक्षा के लिए गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में प्रवेश किया, जहां पर उन्होंने विद्यालंकार तक पढ़ाई की। उस्मानिया विश्वविद्यालय से एम. ए. संस्कृत में की और हिंदी में भी उन्होंने एम. ए. और फिर पी.एच.डी. किया।

पंडित जी की अभिरुचि (हॉबी) वैदिक यज्ञानुष्ठान, धार्मिक प्रवचन तथा काव्य रचनाहत्य साधक डॉ.एन.पी. कुट्टन पिल्लै, हिन्दी साहित्य गीतिका, विपंचिका, चतुर्वेद - मन्त्रानुक्रम - विवरणिका इत्यादि।

पंडित जी इस समय मानव कल्याण हेतु, ईश्वरीय ज्ञान, चारों वेदों का भाष्य और काव्यानुवाद करने के कार्य में लगे हुए हैं। आप ग्रहस्थ जीवन की जिम्मेदारी उठाते हुए भी एक ऋषि मुनि के समान अपना सर्वस्व चारों वेदों के काव्यानुवाद में लगाए हुए हैं। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि उन्होंने यजुर्वेद, अथर्ववेद, सामवेद का काव्यानुवाद कर प्रकाशन भी पूर्ण किया है।यह उपलब्धि बहुत बड़ी है और मानव जाति के लिए इस पुण्य कर्म को हम सदा सदा के लिए इनके कृतज्ञ रहेंगे। इस सांसारिक व्यस्तता के बाद भी कितना कठिन कार्य इन्होंने संपन्न किया और इस समय ऋग्वेद के काव्यानुवाद में बहुत ही व्यस्त हैं। आप लगभग 700 मंत्रों का काव्यानुवाद कर चुके है। अगले वर्ष अप्रैल तक ऋग्वेद के पहला खण्ड प्रकाशित होने की आशा है।

आपको कई सम्मान एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय भावनात्मक एकता पुरस्कार, भगवान महावीर विश्व सद्भावना पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन वैदिक साहित्य सम्मान, विश्व वेद सम्मेलन हरिद्वार में वैदिक साहित्य में विशिष्ट योगदान सम्मान, महर्षि दयानन्द सरस्वती वैदिक जागरण पुरस्कार, वेदों और रस सिद्धांतों पर उल्लेखनीय कार्यों के लिए युद्धवीर अवार्ड, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा एवं डीएवी कालेज प्रबंधन समिति (दिल्ली) द्वारा वैदिक विद्वान के रूप में प्रशस्ति पत्र, स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा वेदों को काव्य रूप देने में जीवन को समर्पित करने हेतु अभिनन्दन पत्र, प्रसिद्ध ऐतिहासिक आर्यसमाज महर्षि दयानंद मार्ग, सुल्तान बाजार में सम्मानित।आशा और विश्वास करते हैं कि आपकी लेखनी पद्यानुवाद के लिए चलती रहे और परमपिता परमात्मा द्वारा दिया हुआ वेदों का अमृत ज्ञानभंडार आप द्वारा मानव कल्याण के लिए सरल, सुलभ उपयोगी बने।

- भक्त राम

अध्यक्ष - स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच हैदराबाद मो. 98490 95150

स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा डॉ. विजयवीर विद्यालंकार के अभिनंदन का दृश्य।

ग्लैडीएटरों का खौफनाक खेल

इटली की राजधानी रोम दुनिया का वह शहर है जहां का इतिहास आपको भयभीत करता है। प्राचीन सभ्यता के साथ कदम मिलाकर चलना स्वयं में एक महत्वपूर्ण अनुभव है। हमारे गाइड ने हमें कोलोसीयम- बहुत बड़ा गोल आकार का खुला ऑडीटोरियम दिखाया जहां ढेरों मुकाबलों और खेलों का आयोजन होता था जिसे शासक, दरबारी, रईस और शहर के दूसरे प्रतिष्ठित लोग देखने के लिए आते थे। कोलोसीयम को इस तरह से बनाया गया था कि हर स्थान पर बैठे लोगों को खिलाड़ी नजर आते थे।

तभी गाइड ने कहा, "मैडम इसी कोलोसीयम में ग्लैडीएटरों के खौफनाक करतब भी दिखाए जाते थे।" मैंने ग्लैडीएटरों के विषय में पढ़ा और सुना था। गाइड बता रहा था कि इसी कोलोसीयम के दरम्यिन मैदान में ग्लैडिएटरों, पेशेवर लड़ाकुओं ने कितने खेल खेले थे। वे एक-दूसरे की जान लेने का खेल खेलते हैं और अक्सर खेल के दौरान एक-दूसरे को जान से मार भी देते थे। दर्शक इस खौफनाक खेल का मजा उठाते। लैटिन भाषा में तलवार को ग्लैडियस कहते हैं इसलिए तलवारों के साथ लडने़ वालों को ग्लैडीएटर कहते थे।

तलवारों के साथ यह लडने़ वाले भालों और दूसरे तेज हथियारों का इस्तेमाल करते। हमारे नौजवान गाइड के पास तो शायद ग्लैडीएटरों के विषय में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं थी लेकिन जब मैंने रोम के शासकों के विषय में जानकारी हासिल की तो मुझे पता चला कि प्राचीन रोम में ग्लैडीएटरों को प्रशिक्षण देने के लिए बाकायदा सरकारी और प्राइवेट संस्थान थे। प्राइवेट संस्थान अपने ग्लैडीएटरों को किराए पर अपनी कारीगरी दिखाने के लिए भेजते। चूंकि इन ग्लैडीएटरों की कोई बीमा स्कीम तो होती नहीं थी इसलिए उनके मर जाने पर हरजाना मिलने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता था। ग्लैडीएटरों को यह कसम दिलाई जाती थी कि वे लड़ते-लड़ते अपनी जान गंवा देंगे।

अगर उन्होंने किसी तरह की कायरता दिखाई तो उन्हें मौत की सजा दी जा सकती थी। कायर ग्लैडीएटरों को भारी यातनाएं भी दी जाती थीं। जब कोई ग्लैडीएटर बहुत गंभीर रूप से जख्मी हो जाता था तो लोगों की भीड़ 'हैवत' का नारा बुलंद करती और वह अपनी उंगली उठाकर दया की भीख मांगता। यह लोगों की मर्जी पर था कि वह उस ग्लैडीएटर को दया की भीख देना भी चाहते थे या नहीं। यदि वे उसकी जान बचाना चाहते थे तो अपने रुमाल हिलाकर ऐसा संकेत देते थे। यदि वे ऐसा नहीं चाहते थे तो अपना अंगूठा नीचे गिरा देते थे।

कहते हैं कि ग्लैडीएटरों के भयानक खेल की प्रथा उत्तरी इटली में एट्रस्कानस से आरंभ हुई थी। पहले इस तरह की लड़ाइयां महत्वपूर्ण लोगों की मृत्यु पर उनके जनाजों के अवसर पर करवाई जाती थीं। यह माना जाता था कि ऐसा करने से मृत लोगों को सम्मान मिलता है। पहली बार ग्लैडीएटरों का खेल ईसा पूर्व 264 में खेला गया। इसके बाद तो यह खेल बहुत लोकप्रिय हो गया।

अंतर ढूंढो

यहां दो चित्र दिए गए हैं, इन दोनों में दस अंतर हैं। आपको वो अंतर कमसे- कम समय में ढूंढने हैं...

ट्रंप प्रशासन को जज का आदेश, लॉस एंजिल्स और कैलिफोर्निया में आव्रजन छापे फौरन रोके जाएं

लॉस एंजिल्स,12 जुलाई (एजेंसियां) ।

संघीय न्यायाधीश मामे इवुसी–मेन्सा फ्रिम्पोंग ने शुक्रवार को अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के नागरिक अधिकार मुकदमे के पक्ष में फैसला सुनाया। संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को तत्काल लॉस एंजिल्स और कैलिफोर्निया के कई अन्य काउंटियों में आव्रजन छापों को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया। छापे की यह कार्रवाई कई दिनों से संयुक्त राज्य अमेरिका आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) कर रहा है। न्यायाधीश ने कहा कि इन छापों को तत्काल रोका जाए।

खबर के अनुसार, जिला न्यायाधीश फ्रिम्पोंग ने फैसले में लिखा, आईसीई संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के चौथे संशोधन का उल्लंघन कर रहा है। न्यायाधीश ने निर्धारित किया कि संघीय एजेंट बिना पुख्ता साक्ष्य के धरपकड़ नहीं कर सकते।

एसीएलयू और आप्रवासी अधिकार समूहों ने कानूनी दस्तावेज में दावा किया कि संघीय एजेंट रंगभेद के आधार पर लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं। बिना वारंट के छापा मार रहे हैं। लोगों को कानूनी सलाह नहीं लेने देते। संघीय एजेंट खुलेआम संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं।

एसीएलयू के वकील मोहम्मद ताजसर ने कहा, चाहे उनकी त्वचा का रंग कुछ भी हो, वे कोई भी भाषा बोलते हों या कहीं भी काम करते हों, सभी को गैरकानूनी रोक से बचाने के लिए संवैधानिक अधिकार दिए गए हैं। हालांकि ट्रंप प्रशासन के वकीलों ने मुकदमे के दौरान इन दावों का खंडन किया।

अमेरिकी न्याय विभाग ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की कि संघीय सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी या नहीं। अमेरिकी अटॉर्नी बिल एसेली ने फैसले के बाद एक्स पोस्ट में कहा कि संघीय एजेंट कानून लागू करते रहेंगे और अमेरिकी संविधान का पालन करेंगे। हम मुकदमे में लगाए गए आरोपों से पूरी तरह असहमत हैं। हम यह मानते हैं कि एजेंटों ने कभी भी बिना उचित कानूनी औचित्य के किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया।

इस फैसले पर कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने कहा, न्याय की जीत हुई। अदालत के फैसले से संघीय आव्रजन अधिकारियों के लोगों के अधिकारों का उल्लंघन करने और नस्लीय भेदभाव करने पर अस्थायी रोक लग गई है। बताया गया है कि संघीय जज फ्रिम्पोंग ने दो अस्थायी निरोधक आदेश जारी किए हैं।

सनद रहे, जज फ्रिम्पोंग की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने की थी। फ्रिम्पोंग ने अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन की जमकर आलोचना की है।

न्यूज ब्रीफ

सिमलताल बस हादसा : नदीं में गिरी दो बसों और 6 भारतीय सहित 40 यात्री अब तक लापता

काठमांडू। नेपाल के नारायणघाट स्थित सिमलताल में एक साथ दो यात्री बसों के नदी में गिरने की घटना को एक साल हो गया, लेकिन अब तक दोनों ही बसों और 40 यात्रियों का कोई पता नहीं लग सका है। 12 जुलाई 2024 को सिमलताल में दो बस टकराने के बाद त्रिशूली नदी में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थीं।इसमें से एक बस बीरगंज से काठमांडू आ रही थी जबकि दूसरी काठमांडू से बीरगंज की तरफ जा रही थी। इन दोनों बसों में चालक समेत कुल 63 लोग सवार थे, जिसमें 6 भारतीय थे। हादसे के दौरान तीन यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई थी। कुछ दिन की मशक्कत के बाद 20 यात्रियों के शव बरामद किए गए थे। इस घटना को एक वर्ष हो गया, लेकिन अब तक ना तो दोनों बस ही मिल पाया है और न बाकी 40 लोगों का शव ही मिल पाया है। भारत से एनडीआरएफ की टीम ने भी आकर एक हफ्ते तक प्रयास किया लेकिन उसे भी कोई सफलता नहीं मिल पाई थी।

ताइवान के आसपास चीन ने सैन्य हलचल तेज की, नौ विमान एडीआईजेड में घुसे

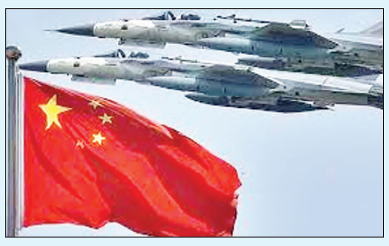

ताइपे (ताइवान)। चीन ने एकबार फिर ताइवान के आसपास सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने शनिवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक ताइवान के आसपास चीन के 14 सैन्य विमानों, नौ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज की गतिविधियों का पता लगाया। इन 14 सैन्य विमानों में से नौ तो मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश भी किया। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर यह विवरण साझा किया है। मंत्रालय ने कहा कि ताइवान के सशस्त्र बल स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने तत्काल कार्रवाई की। साथ ही सैन्य विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। खबर के अनुसार, चीन अपने जहाजों के माध्यम से ताइवान इलाके में गुआम के आसपास समुद्री तल का मानचित्रण कर रहा है। इससे उसे समुद्र के नीचे केबल बिछाने में मदद मिल सकती है और वह इसका सैन्य उपयोग भी कर सकता है।

सहकर्मी को धोखे से पिलाया ट्रुथ सीरम, आरोपी ली को तीन साल, तीन माह की सजा

बीजिंग। चीन के शंघाई शहर का मामला है, जहाँ ली नाम के एक व्यक्ति को अपने सहकर्मी वांग को धोखे से ट्रुथ सीरम पिलाने के आरोप में तीन साल और तीन महीने जेल की सज़ा सुनाई है और उस पर 10,000 युआन (करीब 1,400 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी लगा है। पूरा मामला क्या है शंघाई के ली ने एक सड़क किनारे विक्रेता से ट्रुथ सीरम खरीदा था, जिसके बारे में विक्रेता ने दावा किया था कि यह लोगों को सच बोलने पर मजबूर कर देगा। ली ने सीरम का उपयोग अपने सहकर्मी और दोस्त वांग के वर्क प्लान को जानने के लिए किया, क्योंकि वांग हमेशा उससे आगे रहता था। ली ने 29 अगस्त, 2022 को जुहुई जिले में डिनर के दौरान पहली बार चुपके से वांग के ड्रिंक में ट्रुथ सीरम मिलाया। इसके परिणामस्वरूप, वांग को चक्कर आने लगे और उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके लिए वांग को 30 और 31 अगस्त को मेडिकल सहायता लेनी पड़ी। इसके बाद 13 अक्टूबर, 2022 को यांग्पू जिले में एक और डिनर में ली ने फिर से वहीं हरकत की। जिससे वांग को फिर से चक्कर और उल्टी होने लगी। लेकिन तीसरी और अंतिम घटना 6 नवंबर, 2022 को हुई। जब वांग कुछ देर के लिए कहीं और देख रहा था, ली ने फिर से उसके ड्रिंक में ट्रुथ सीरम मिलाया। इस बार वांग को तुरंत चक्कर आने लगा और वह बेहोश हो गया, जिसके बाद उसे अगले दिन अस्पताल जाना पड़ा।

ब्राजील का राष्ट्रपति कार्यालय अमेरिका से आने वाले बोल्सोनारो इफैक्ट टैरिफ को रिसीव नहीं करेगा

ब्रासीलिया/वाशिंगटन,12 जुलाई (एजेंसियां) ।

ब्राजील का राष्ट्रपति कार्यालय अमेरिका से भौतक रूप से आने वाले डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत वाले पत्र बोल्सोनारो इफैक्ट टैरिफ को रिसीव नहीं करेगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अपने राजनयिकों को इस आशय का आदेश दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम से ब्राजील के राष्ट्रपति भड़के हुए हैं। खबर के अनुसार, लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने आरोप लगाया कि ट्रंप की ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो से मित्रता है। इसलिए वह जेयर के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे को खत्म करने का दबाव बनाने के लिए आयात करों में 50 फीसद की वृद्धि करने के वादे पर आमादा हैं।

उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप यह टैरिफ ब्राजील पर लगाते हैं तो वह अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाएंगे। लूला ने कहा कि अगर अमेरिका के साथ बातचीत विफल हो जाती है, तो वे इस साल की शुरुआत में कांग्रेस से मंजूर किए गए ब्राजील के पारस्परिकता कानून को लागू कर देंगे।

सीबीएस का मानना है कि लूला की टिप्पणियों से दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध छिड़ने का खतरा बढ़ गया है। ऐसा इसलिए कि ट्रंप की जिद है कि अगर कोई देश अपने टैरिफ लगाकर अमेरिका को दंडित करने की कोशिश करेगा, तो वह इसका कड़ा जवाब देंगे।

इस घटनाक्रम के बाद लूला के आलोचक भी अमेरिका के खिलाफ हो गए हैं। ब्राजील सीनेट के अध्यक्ष सीनेटर डेवी अल्कोलुम्ब्रे और चैंबर ऑफ डेप्युटीज के अध्यक्ष ह्यूगो मोट्टा ने कहा कि पारस्परिकता कानून लागू करना ही बेहतर विकल्प है। ब्राजील की संप्रभुता की रक्षा करने के लिए यह जरूरी है। दोनों ने संयुक्त बयान में कहा, हम अपनी अर्थव्यवस्था, अपने उत्पादक क्षेत्र और ब्राजीलियाई नौकरियों की सुरक्षा के लिए संतुलन और दृढ़ता के साथ कार्य करने के लिए तैयार हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति का मानना है कि ट्रंप बोल्सोनारो के आपराधिक मुकदमे के नतीजे को तय करने की कोशिश कर रहे हैं। बोल्सोनारो ने 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए ट्रंप जैसा काम किया। उधर, बोल्सोनारो का कहना है कि ब्राजील का सर्वोच्च न्यायालय उन्हें राजनीतिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है।

साओ पाउलो स्थित इंस्पर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर कार्लोस मेलो का मानना है कि बोल्सोनारो के मुकदमे के बारे में लूला या ब्राजील कुछ नहीं कर सकते। इसमें कोई भी बदलाव ब्राजील के लिए आत्मसमर्पण जैसा होगा। इस बीच लूला ने अपने राजनयिकों को आदेश दिया कि अगर ट्रंप का पत्र ब्रासीलिया स्थित राष्ट्रपति भवन में भौतिक रूप से पहुंचता है, तो उसे वापस कर दिया जाए।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने मई में फैसला सुनाया था कि ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी के बिना टैरिफ लगाने के लिए आपातकाल की घोषणा करके अपने अधिकार का अतिक्रमण किया है।

ओरेगन के डेमोक्रेटिक सीनेटर रॉन वाइडन का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ के बहाने कुछ देशों से निजी बदला लेकर देश की अर्थव्यवस्था की बलि चढ़ा रहे हैं।

कहा जा रहा है कि ब्राजील में बोल्सोनारो के मुकदमे में ट्रंप की दिलचस्पी नाटकीय संदेश दे रही है। कई सांसदों और जजों का मानना है कि अगर पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराया जाता है तो वे ब्राजील छोड़कर अमेरिका जाने की कोशिश करेंगे। लूला ने कड़े शब्दों में कहा कि बोल्सोनारो को ब्राजील पर ट्रंप के कर लगाने के फैसले पर सहमति जताने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

संत भद्रेश दास स्वामी की सत्संग दीक्षा पुस्तक के नेपाली संस्करण का विमोचन

काठमांडू, 12 जुलाई (एजेंसियां) ।

बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था के एक प्रमुख संत भद्रेश दास स्वामी द्वारा रचित सत्संग दीक्षा ग्रंथ के नेपाली संस्करण का शनिवार को विमोचन किया गया। नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. रामबरण यादव ने एक समारोह के दौरान इसका विमोचन किया।

डॉ. यादव ने कहा कि प्राचीन सनातन धर्म और पूर्वी सभ्यता नेपाल और भारत के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। वसंतपुर दरबार संग्रहालय विकास समिति और स्वामी नारायण संस्थान नेपाल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते हुए उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता और विज्ञान, जो हमारी पहचान का हिस्सा हैं उसको जोड़कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

पूर्व राष्ट्रपति यादव ने कहा, हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और समाज को समझकर काम करना चाहिए, जिससे शांति, सह–अस्तित्व और भाईचारे को प्राप्त करना आसान हो जाएगा। इससे विश्व कल्याण में योगदान मिल सकता है।

स्वामीनारायण अक्षरधाम भारत के प्रमुख संत भद्रेश दास स्वामी ने कहा कि मुक्तिनाथ, जहां भगवान नीलकंठ तपस्या करते थे, हिमालय पर्वत श्रृंखला और मुक्तिनाथ की तरह दुनिया में धार्मिक पर्यटन के लिए एक अविश्वसनीय रूप से पवित्र भूमि है। प्राचीन सनातन धर्म नेपाल और नेपाली लोगों के बीच संस्कृति, प्रेम, भक्ति और सुलह का एक अनूठा मॉडल प्रस्तुत करने में सफल रहा है।

भद्रेश दास स्वामी ने 240 वर्ष पूर्व नेपाल यात्रा के दौरान तत्कालीन राजा राणा बहादुर शाह के साथ स्वामीनारायण के सत्संग की ऐतिहासिक घटना का स्मरण किया और विचार व्यक्त किया कि यदि भाषा, वेशभूषा, भोजन और भजनों में संयम बरता जाए तो राष्ट्र प्रगति करेगा।

पूर्व सांसद शंकर प्रसाद पांडे ने कहा कि नेपाल का गौरव ऋषि परंपरा है और नेपाल की समृद्धि का मुख्य आधार धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सत्संग दीक्षा पुस्तक विश्व शांति, सद्भाव और मानव कल्याण के लिए शक्ति की एक मजबूत खुराक प्रदान करेगी।

यह पुस्तक मूलतः प्रकाश ब्रह्मस्वरूप महंतस्वामी महाराज द्वारा गुजराती में लिखी गई थी।

हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों के समर्थक मशहूर अर्थशास्त्री अबुल बरकत गिरफ्तार

बांग्लादेश के मशहूर अर्थशास्त्री अबुल बरकत को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 20 से अधिक पुलिसकर्मियों ने उनके घर पर छापा मारकर उन्हें हिरासत में ले लिया। बरकत पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जनता बैंक के अध्यक्ष के रूप में रेडीमेड गारमेंट कंपनी एनॉनटेक्स ग्रुप को गलत तरीके से कर्ज दिलवाया। उन पर बैंक से जुड़े 2.97 अरब टका (करीब 225 करोड़ रुपये) के गबन का आरोप है। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में बरकत सहित कुल 23 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर अतीउर रहमान का नाम भी शामिल है। शुक्रवार को अदालत में पेशी के दौरान एसीसी ने उनकी तीन दिन की रिमांड मांगी, जबकि बचाव पक्ष ने जमानत की याचिका दायर की। अदालत ने दोनों याचिकाओं पर तत्काल कोई फैसला नहीं सुनाया और बरकत को फिलहाल जेल भेजने का आदेश दिया। अबुल बरकत चार दशकों तक ढाका विश्वविद्यालय में पढ़ा चुके हैं। उन्हें 2009 में प्रधान मंत्री शेख हसीना के शासनकाल के दौरान जनता बैंक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वह हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों के समर्थक के रूप में जाने जाते हैं।

रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया

मॉस्को, 12 जुलाई (एजेंसियां) ।

रूस ने 12 जुलाई को यूक्रेन पर जंग शुरु होने के बाद अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें 700 के करीब ड्रोन, 15 से अधिक केएच–101 क्रूज मिसाइलें और परमाणु–सक्षम बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल हुआ। इस हमले का प्रमुख निशाना यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्र के शहर ल्वीव, लुत्स्क और चेर्निवत्सी रहे, जहां व्यापक तबाही और बुनियादी ढांचे को गंभीर क्षति पहुंची है।

रूसी सेना का दावा है कि वे यूक्रेन को अमेरिका से हाल ही में मिले उन्नत हथियारों—जिन्हें ट्रंप हथियार कहा जा रहा हैं, उन्हें नष्ट करने के मिशन पर है। रूसी बयानों में कहा गया है कि उन चमकदार अमेरिकी खिलौनों को अब हम अपनी आग में कुचल देने वाले है। रूसी रणनीति का यह स्पष्ट संकेत है कि वह अब सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई की मुद्रा में है। कीव में रूसी बमवर्षकों की सक्रिय उपस्थिति के चलते आसमान में तनाव गहराया हुआ है। यूक्रेन की वायुसेना और नागरिक सुरक्षा बल अलर्ट पर हैं, लेकिन इस बार रूस की हवाई रेंज और संख्या ने चुनौती को कई गुना बढ़ा दिया है। इस हमले ने दुनिया भर में चिंता और बेचैनी बढ़ा दी है। यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने हमले की निंदा कर आपात बैठक बुलाने की घोषणा की है। अमेरिका ने यूक्रेन को अतिरिक्त रक्षा सहायता का भरोसा दिया है, जबकि जर्मनी और फ्रांस रूस पर नई आर्थिक पाबंदियों की वकालत कर रहे हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और तत्काल युद्धविराम की अपील की है। इस भयावक हमले पर यूक्रेन सरकार ने दावा किया है कि कई ड्रोन और मिसाइलों को वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया, लेकिन बुनियादी ढांचे, ऊर्जा संयंत्रों और नागरिक इलाकों को नुकसान हुआ है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा, हम डरने वाले नहीं, हम झुकने वाले नहीं। हमारे सहयोगी हमारे साथ हैं और हम रूस की हर आक्रामकता का मुंहतोड़ जबाव देने को तैयार है। यह हमला संकेत करता है कि यूक्रेन–रूस संघर्ष अब अपने सबसे उग्र और संवेदनशील चरण में प्रवेश कर चुका है।

इमरान खान की पूर्व बीवी जेमिमा के बेटों को पिता से मिलने की कोशिश पर गिरफ्तारी की धमकी

लंदन/इस्लामाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ के बेटों को पिता से मिलने की कोशिश पर गिरफ्तार करने की धमकी देने का दावा किया गया है।

जेमिमा ने एक्स पोस्ट पर दावा किया कि उनके बेटों को उनके पिता (इमरान खान) से बात करने की अनुमति नहीं है। इमरान लगभग दो साल से एकांत कारावास में हैं। उन्होंने पाकिस्तान के अधिकारियों पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की आड़ में व्यक्तिगत प्रतिशोध लेने का आरोप लगाया।

जेमिमा ने लिखा, यहां तक कि फोन पर भी संपर्क करने की अनुमति नहीं है। मेरे बेटों को धमकाया जा रहा है और चेतावनी दी जा रही है कि अगर वे अपने पिता से मिलने की कोशिश करेंगे तो उन्हें जेल हो सकती है। जेमिमा ने इस स्थिति को बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया। इमरान के बेटे कासिम खान ने भी मां के बयान को दोहराया है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के आवास मंत्री बिलाल यासीन ने कहा, इमरान के बेटे सुलेमान और कासिम अब उर्दू सीख रहे हैं। वह पाकिस्तान लौटने की तैयारी कर रहे हैं। हम उन दोनों का उनकी बहन टायरियन के साथ स्वागत करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पीटीआई का नेतृत्व जनता की भावनाओं को भुनाने के लिए नया नाटक शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

पीएमएल–एन के वरिष्ठ नेता सीनेटर इरफान सिद्दीकी ने कहा कि इमरान के बेटे राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए संवैधानिक रूप से स्वतंत्र हैं। सिद्दीकी ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, अगर उनके बेटे आते हैं, तो उन्हें पाकिस्तान की गर्मी असहनीय लग सकती है, लेकिन इससे जेल के दरवाजे नहीं खुलेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह पहले चेतावनी दे चुके हैं कि अशांति फैलाने या सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने के लिए विदेश से आने वाले किसी भी व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पीएमएल–एन के कानूनी सलाहकार बैरिस्टर अकील मलिक ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई विदेशी नागरिक या दोहरी नागरिकता वाला व्यक्ति पाकिस्तान में राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए वीजा मांगता है तो उसका आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मूल रूप से यहूदी जेमिमा ने इमरान से शादी के लिए इस्लाम अपनाया था। 16 मई, 1995 को जेमिमा और खान की शादी पेरिस में एक निकाह समारोह में हुई थी। वर्ष 2004 में तलाक के बाद से जेमिमा लंदन के उत्तर पश्चिम के ऑक्सफोर्डशायर में रह रही हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में मिला-जुला असर

नई दिल्ली,12 जुलाई (एजेंसियां)।
अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। बीते 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 69.13 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 67.13 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस उछाल का असर घरेलू ईंधन बाजार पर भी पड़ा है। पेट्रोलियम कंपनियों ने 8 जुलाई को पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी किए हैं, जिनमें राज्यों के हिसाब से भिन्नता देखने को मिली है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के भावों में बदलाव हुआ है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है, वहीं डीजल 9 पैसे की बढ़त के साथ 87.98 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसके विपरीत गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे सस्ता होकर 94.44 रुपये और डीजल 1.09 रुपये घटकर 87.51 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। बिहार की राजधानी पटना में राहत की खबर है। यहां पेट्रोल की कीमत 18 पैसे घटकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 17 पैसे की गिरावट के साथ 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें अगले कुछ दिनों में और बदल सकती हैं, जिसका सीधा असर भारत में ईंधन दरों पर पड़ेगा। आम जनता को फिलहाल थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन आगे की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करेगी।

आईफोन 17 के उत्पादन पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली। एप्पल के प्रमुख विनिर्माण साझेदार फॉक्सकॉन के भारत स्थित संयंत्रों से सैकड़ों चीनी प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के लौटने के बाद संभावित उत्पादन व्यवधान की अटकलों के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है और एप्पल के पास विकल्प मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार फॉक्सकॉन के तमिलनाडु संयंत्र में कार्यरत ये इंजीनियर असेंबली लाइन, फैक्टरी डिजाइन और मशीनों के संचालन के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने जैसे कार्यों में माहिर थे। हालांकि, सरकार और उद्योग सूत्रों का मानना है कि इससे आईफोन 17 के उत्पादन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। फॉक्सकॉन से चीनी इंजीनियरों की वापसी के बाद सरकार सतर्क एप्पल सितंबर में इस नई श्रृंखला को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। सरकार ने कहा है कि कंपनियों को चीनी कर्मचारियों के वीजा में सुविधा दी गई है, लेकिन उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उत्पादन में कोई बाधा न आए। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि एप्पल भारत में अपना उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी 2024-25 में आईफोन का उत्पादन बढ़ाकर लगभग 6 करोड़ यूनिट तक पहुंचाने की योजना पर काम कर रही है, जो वर्तमान में 3.5-4 करोड़ के आसपास है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भी इस उत्पादन में सहयोग कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर में हम्माल-तुलैया संघ की हड़ताल स्थगित, मंडियां पूर्ववत जारी रहेंगी

इंदौर। लक्ष्मीबाई नगर और संयोगितागंज मंडी में हम्माल-तुलैया संघ द्वारा 14 जुलाई से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय अपर कलेक्टर और भारसाधक अधिकारी मंडी, रोशन राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में तय हुआ कि भारतीय किसान संघ, व्यापारी प्रतिनिधियों, हम्माल प्रतिनिधियों और तौल कांटा संचालकों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। हम्माल-तुलावटियों ने आगामी बैठक तक मंडी में तुलाई की पूर्व व्यवस्था जारी रखने पर सहमति जताई, जिसके बाद हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की गई। मंडी प्रशासन ने बताया कि अब कार्य सुचारू रूप से संचालित रहेगा और किसानों को कोई असुविधा नहीं होगी। मंडी समिति ने व्यापारियों और संघ प्रतिनिधियों से समन्वय बनाए रखने की अपील की है। किसानों को सूचित किया गया है कि 14 जुलाई से दोनों मंडियों में नियमित रूप से नीलामी कार्य जारी रहेगा और वे अपनी कृषि उपज मंडी प्रांगण में ला सकते हैं ।

साबु ट्रेड के ग्लूटेन-मुक्त उत्पाद छाए : ग्राहकों का बढ़ा भरोसा

सेलम/इंदौर। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते, साबु ट्रेड, सेलम के शुद्ध और ग्लूटेन-मुक्त फरियाली उत्पादों ने भारतीय बाजार में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। कंपनी के निदेशक विकास साबु ने बताया कि साबुदाना का पारंपरिक उपयोग व्रत-उपवास और पाचन संतुलन में लंबे समय से होता आ रहा है। तमिलनाडु की प्रमुख साबूदाना मंडी सेलम में 1984 में स्थापित साबु ट्रेड ने सच्चामोती ब्रांड के तहत उच्च गुणवत्ता वाले साबूदाने को छोटे पैक में बेचना शुरू किया। अपनी बेहतरीन गुणवत्ता के कारण, 1993 में सच्चामोती साबूदाना भारत का पहला एगमार्क प्रमाणित साबूदाना बना, जिसने इसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विश्वसनीय ब्रांड बनाया। 2016 में साबु ट्रेड ने ग्राहकों को और भी बेहतर गुणवत्ता देने के लिए सच्चासाबु एगमार्क साबूदाना लॉन्च किया। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने ग्लूटेन-मुक्त फलाहारी उत्पादों की अपनी विस्तृत श्रृंखला में साबूदाना-पापड़, सच्चासाबु फरियाली आटा, और अल्पाहार ब्रांड के तहत शुद्ध हल्दी पाउडर, नारियल बूर्रा, मखाना, साथ ही कुकरी जॉंकी ब्रांड में विभिन्न प्रकार के पोषक मिलेट्स (श्रीधान्य) भी उच्च गुणवत्ता और शुद्धता के साथ बाजार में उतारे हैं। विकास साबु ने जोर देते हुए कहा कि जागरूक ग्राहक शुद्धता और गुणवत्ता को सर्वोपरि मानते हैं, और साबु ट्रेड के उत्पाद उन्हें यही भरोसा दिलाते हैं। कंपनी का साबु ट्रेडमार्क रजिस्टर्ड लोगो उपभोक्ताओं के बीच शुद्धता और विश्वास का पर्याय बन चुका है, जो हर पैक में गुणवत्ता की गारंटी देता है। सच्चामोती एगमार्क साबूदाना ही नहीं, साबु ट्रेड के सभी उत्पाद पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी विश्वसनीयता और गुणवत्ता से उपभोक्ताओं का दिल जीत रहे हैं।

वॉकहार्ट ने अमेरिकी जेनेरिक कारोबार से हटने का फैसला किया

नई दिल्ली। मुंबई स्थित दवा कंपनी वॉकहार्ट ने अमेरिकी जेनेरिक दवाओं के कारोबार से बाहर निकलने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि उसका यह कदम एक नवाचार-संचालित दवा उद्यम के रूप में खुद को पुनः स्थापित करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। वॉकहार्ट अब एंटीबायोटिक्स और जैविक दवाओं, खासकर मधुमेह के इलाज में उपयोगी इंसुलिन जैसे उत्पादों के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी ने एक बयान में बताया कि अमेरिकी जेनेरिक कारोबार पिछले कई वर्षों से घाटे में चल रहा था और वित्त वर्ष 2024-25 में उसे लगभग 80 लाख डॉलर का नुकसान हुआ। इस घाटे और व्यापक रणनीतिक समीक्षा के बाद, कंपनी ने अमेरिकी बाजार से पूरी तरह हटने का निर्णय लिया है। इसके तहत वॉकहार्ट ने अमेरिकी दिवाला कानून के तहत अपनी दो अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों मॉर्टन ग्रोव फार्मास्युटिकल्स और वॉकहार्ट यूएसए एलएलसी को स्वैच्छिक परिसमापन में डाल दिया है। कंपनी को वित्त वर्ष 2024-25 में उसे लगभग 80 लाख डॉलर का नुकसान हुआ वॉकहार्ट का मानना है कि यह निर्णय उसके अनुसंधान और नवाचार के एजेंडे को सशक्त बनाएगा। कंपनी का फोकस अब वैश्विक स्तर पर नई एंटीबायोटिक दवाओं की खोज और मधुमेह के इलाज में आधुनिक जैविक दवाओं के विकास पर रहेगा। हालांकि कंपनी अमेरिकी जेनेरिक कारोबार से हट रही है।

भारत का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा, आरबीआई ने जारी किए आंकड़े, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली,12 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय रिजर्व बैंक के नए साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक देश का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर हो गया है। सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास विशेष आहरण अधिकार भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गया है। इसके अलावा आंकड़ों के मुताबिक आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है। आरबीआई ने कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के आखिर में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस बीच आखिरी कारोबारी दिन के पिछले 24 घंटों में चांदी की कीमतों में 2,356 रुपए की बढ़ोतरी हुई और चांदी ने 1,10,290 रुपए प्रति किलोग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया गया। चांदी ने 18 जून को दर्ज 1,09,550 रुपए के पिछले सर्वकालिक उच्च स्तर को तोड़ दिया। वैश्विक स्तर पर भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई। सोना 1.01 फीसदी बढ़कर 3,358 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 2.92 फीसदी बढ़कर 38.40 डॉलर प्रति औंस हो गई। विश्लेषक वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार शुल्कों को लेकर नई चिंताओं को सोने जैसी सुरक्षित निवेश परिसंपत्तियों की ओर रुझान का मुख्य कारण बता रहे हैं।

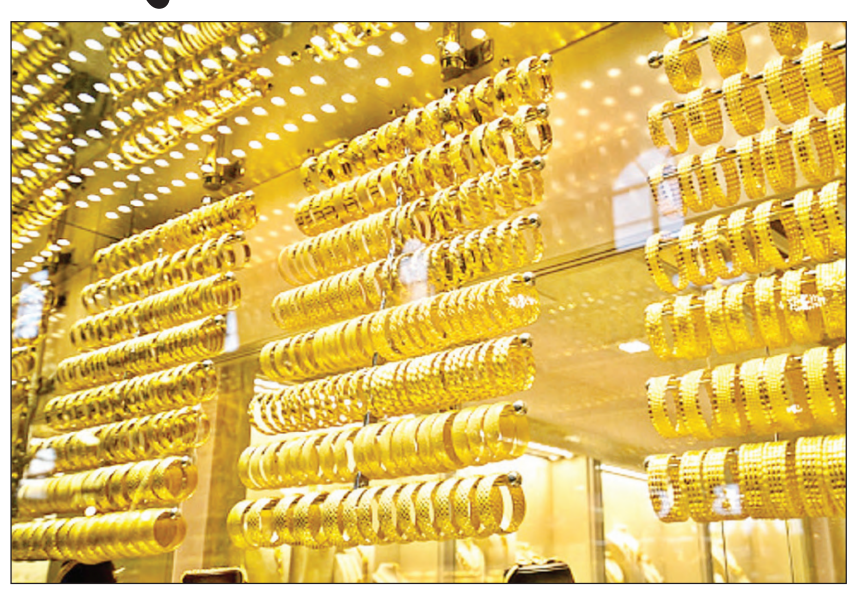

गिफ्ट सिटी से भारतीय विमानन उद्योग को सालाना मिलेंगे 5 अरब डॉलर

मुंबई। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा है कि गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) के माध्यम से भारत में विमानों को पट्टे पर लेने की प्रक्रिया न केवल आसान हुई है, बल्कि इससे विमानन उद्योग को हर साल लगभग 5 अरब डॉलर तक का लाभ मिलने की संभावना है। गांधीनगर में स्थित गिफ्ट सिटी को विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के रूप में विकसित किया गया है, जो विमान पट्टे की प्रक्रिया को कर लाभ और नियामकीय छूट के जरिए सरल बनाता है। इस क्षेत्र में पंजीकृत पट्टादाताओं को विमान आयात या पट्टे पर लेने के लिए पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती, जिससे प्रक्रिया तेज और लागत प्रभावी हो गई है। नायडू ने पश्चिमी क्षेत्रीय विमानन मंत्रियों के सम्मेलन में कहा कि गिफ्ट सिटी की स्थापना के बाद, विमान पट्टे की लागत में 10 से 15 प्रतिशत की कमी देखी गई है, जिससे एयरलाइंस को बेड़े विस्तार में मदद मिल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के 80 प्रतिशत वाणिज्यिक विमान पट्टे पर हैं, जिससे गिफ्ट सिटी की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

दुनिया के टॉप 10 बैंकों की सूची में सबसे ऊपर चीन के चार बैंक

नई दिल्ली,12 जुलाई (एजेंसियां)।

चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन एसेट्स के हिसाब से दुनिया के 10 सबसे बड़े बैंकों की सूची देखें तो इसमें चीन का दबदबा है। इस सूची में चीन के चार बैंक हैं। इन चार बैकों की कुल एसेट्स करीब 23 ट्रिलियन डॉलर है। दूर-दूर तक दुनिया का कोई बैंक इनके मुकाबले में नहीं खड़ा है। टॉप 10 की सूची में अमेरिका और फ्रांस के 2-2 बैंक हैं जबकि जापान और ब्रिटेन के एक-एक बैंक सूची में हैं। इस सूची में भारत के एसबीआई और एचडीएफसी बैंक बहुत पीछे हैं।

अमेरिका-फ्रांस के 2-2, जापान-ब्रिटेन के एक-एक, भारत का नाम नहीं

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन का इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना इस सूची में टॉप पर है। इस बैंक की एसेट 6.7 ट्रिलियन डॉलर है यानी एसेट्स के हिसाब से यह दुनिया का सबसे बड़ा बैंक है। एग्रीकल्चर बैंक ऑफ चाइना दूसरे नंबर पर है जिसकी कुल एसेट 5.9 ट्रिलियन डॉलर है। चाइना कंस्ट्रक्शन बैंक कॉरपोरेशन 5.6 ट्रिलियन डॉलर की एसेट के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। बैंक ऑफ चाइना इस सूची में चौथे नंबर पर है। इस बैंक की कुल एसेट 4.8 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह दुनिया के बैंकों की सूची में चीन के चार बैंक हैं जिनकी कुल एसेट्स करीब 23 ट्रिलियन डॉलर है जो चीन की जीडीपी 19.23 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है।

इस सूची में अमेरिका का दिग्गज जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी बैंक 4 ट्रिलियन डॉलर की एसेट्स के साथ पांचवें नंबर पर है। बैंक ऑफ अमेरिका 3.3 ट्रिलियन डॉलर की एसेट्स के साथ छठे नंबर पर है। ब्रिटेन का एचएसबीसी 3 ट्रिलियन डॉलर की एसेट के साथ सातवें और फ्रांस का बीएनपी पारिबा (2.8 ट्रिलियन) और क्रेडिट एग्रीकॉल ग्रुप (2.7 ट्रिलियन) आठवें और नौवें नंबर पर हैं। जापान का मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप 2.6 ट्रिलियन डॉलर के साथ दसवें नंबर पर है। भारत का सबसे बड़ा सरकारी बैंक एसबीआई (547 अरब डॉलर) और एचडीएफसी बैंक (494 अरब डॉलर) टॉप 100 में हैं।

पुराने एसी बदलने पर सस्ती दरों पर मिलेगा नया 5-स्टार एसी

ऊर्जा मंत्रालय जल्द ही एक नई योजना शुरू करने जा रहा है, जिसका उद्देश्य 10 साल से पुराने एयर कंडीशनर (एसी) को हटाकर ऊर्जा कुशल 5-स्टार रेटिंग वाले नए एसी को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को बाजार मूल्य से कम दर पर नया एसी खरीदने का अवसर मिलेगा। इससे देश में बिजली की खपत कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। बिजली की खपत कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगासरकार पुराने एसी के बदले सब्सिडी देने की योजना बना रही है। इसके लिए उपभोक्ता अपने पुराने एसी को अधिकृत ई-वेस्ट मैनेजमेंट पार्टनर या बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के पास जमा कर सकेंगे। बदले में उन्हें नए एसी पर छूट मिलेगी। यह मॉडल उजाला योजना जैसा होगा, जिसमें एलईडी बल्बों की भारी मात्रा में बिक्री की गई थी। एक अन्य प्रस्ताव के तहत कंपनियों को पुराने एसी के बदले उपभोक्ताओं को बेहतर स्क्रैप वैल्यू देने को कहा जाएगा।

एअर इंडिया पायलटों के साथ विमान दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट की करेगी समीक्षा

मुंबई,12 जुलाई (एजेंसियां)।
विमानन कंपनी एअर इंडिया ने शनिवार को कहा कि वह 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट की समीक्षा के लिए आने वाले दिनों में विशेष सत्र आयोजित करेगी, जिनमें पायलटों को भी शामिल किया जाएगा।

एअर इंडिया का यह बयान विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एआईआईबी) द्वारा जारी की गई 15 पृष्ठों की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के बाद आया है। इसमें कहा गया है कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171 के दोनों इंजनों को ईंधन की आपूर्ति एक सेकंड के अंतराल पर बंद हो गई, जिससे कॉकपिट में अफरा-तफरी मच गई और विमान उड़ान भरने के लगभग तुरंत बाद ही जमीन पर गिर गया।

इसी बीच एआईआईबी जांच रिपोर्ट पर एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा, जांच का लहजा और दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत देती है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं और निष्पक्ष, तथ्य-आधारित जांच पर ज़ोर देते हैं। रिपोर्ट बिना किसी ज़िम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया में लीक कर दी गई है। जांच में पारदर्शिता का अभाव है, क्योंकि जांच गोपनीयता में लिपटी हुई है, जिससे विश्वसनीयता और जनता का विश्वास कम हो रहा है। इसके अलावा योग्य, अनुभवी कर्मियों, खासकर लाइन पायलटों को अभी भी जांच दल में शामिल नहीं किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 12 जून को लंदन जाने वाले एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान ने अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद ही गति खोनी शुरू कर दी और एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में जा घुसा।

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस अभियान का अगला चरण शुरू

मुंबई/इंदौर,12 जुलाई (एजेंसियां)।
भारत में बढ़ती जीवन बीमा सुरक्षा की कमी (जो 2023 में 87प्रतिशत तक पहुँच गई है, विशेषकर 18-35 आयु वर्ग में 90प्रतिशत से अधिक) को दूर करने के लिए, बीमा जागरूकता समिति ने अपने राष्ट्रीय अभियान सबसे पहले लाइफ़ इंश्योरेंस का अगला चरण शुरू किया है।

यह अभियान भारतीयों को अपनी वित्तीय योजना में सबसे पहले जीवन बीमा को शामिल करने पर जोर देता है, इसे बचत और निवेश से पहले एक मजबूत वित्तीय नींव के रूप में प्रस्तुत करता है। समिति के एक सदस्य ने बताया कि इसका उद्देश्य धन कमाने के बाद उसे बचाना की मानसिकता को बदलकर वित्तीय सुरक्षा को प्राथमिकता देना है।

एक साल तक चलने वाला यह अभियान टेलीविजन, डिजिटल और प्रिंट सहित विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्मों पर लागू होगा। लोगों को जानकारीपूर्ण विकल्प चुनने में मदद करने के लिए एक डिजिटल नॉलेज हब भी लॉन्च किया गया है।

यह पहल 2024 के आदेश से भी जुड़ती है, जिसमें जीवन बीमाकर्ताओं को 25,000 ग्राम-पंचायतों में कम से कम 10प्रतिशत जिंदगियों को कवर करना अनिवार्य है। भारतीय बीमा उद्योग 9.5प्रतिशत से बढ़ रहा है और अगले दशक में 10.5प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

'एक्स' ने भारत में सदस्यता शुल्क में की बड़ी कटौती

नई दिल्ली। सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने भारत में अपने खाते की सदस्यता शुल्क में भारी कमी की है। कंपनी ने मोबाइल ऐप पर 'प्रीमियम' खाते का मासिक शुल्क 900 रुपए से घटाकर लगभग 470 रुपए कर दिया है, जो लगभग 48 प्रतिशत की कटौती है। वेबसाइट पर 'प्रीमियम' सेवा का शुल्क 650 से घटाकर 427 रुपए किया गया है। सामान्य ग्राहक के लिए मासिक शुल्क 243.75 रुपए से कम होकर 170 रुपए हो गया है, जबकि वार्षिक शुल्क 2,590.48 से घटाकर 1,700 कर दिया गया है। 'प्रीमियम प्लस' सदस्यता का मोबाइल संस्करण 3,470 से घटाकर 2,570 रुपये पर उपलब्ध है। इन बदलावों का उद्देश्य भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए सदस्यता सेवाओं को अधिक किफायती बनाना बताया गया है। 'एक्स' में प्रीमियम ग्राहकों को उनके नाम या आईडी के बगल में एक 'चेकमार्क' मिलता है, जो उनकी पहचान को विशेष बनाता है। कंपनी ने यह जानकारी अपने पोर्टल और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से साझा की है।

तीसरे दिन इंग्लैंड ने हासिल की दो रन की बढ़त

लंदन,12 जुलाई (एजेंसियां) । भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन की समाप्ति हो गई है। तीसरे दिन के खेल में टीम इंडिया की पारी 387 रन पर सिमटी। इस तरह इंग्लैंड के द्वारा पहली पारी में बनाए 387 रन के जवाब में टीम इंडिया का स्कोर भी बराबर रहा और मेहमान टीम को एक रन की भी बढ़त नहीं मिल पाई। भारतीय टीम के लिए पारी में केएल राहुल ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उन्होंने 177 गेंद में 13 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। इसके अलावा ऋषभ पंत ने 74 और रविंद्र जडेजा ने 72 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं मध्यक्रम में नीतीश कुमार रेड्डी ने भी 44 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली।इंग्लैंड की तरफ से गेंदबाजी की बात करें तो क्रिस वोक्स के खाते में सबसे ज्यादा 3 विकेट आया। इसके अलावा जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए जबकि ब्रायडन कार्स और शोएब बशीर ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने खास तौर से टीम इंडिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों के खिलाफ शानदार गेंदबाजी, जिसके

कारण इंग्लैंड की टीम स्कोर को बराबरी पर रखने में सफल रही।

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन टी ब्रेक के बाद टीम इंडिया की पारी लड़खड़ा गई। टी ब्रेक तक टीम इंडिया ने 5 विकेट पर 316 रन बना लिए थे। हालांकि, उसके बाद शोएब बशीर ने केएल राहुल को आउट इंग्लैंड की मैच में वापसी करा दी। राहुल के आउट होने के बाद रविंद्र जडेजा और नीतीश कुमार रेड्डी ने कुछ देर के लिए पारी संभाला और स्कोर को 350 रन के पार पहुंचाने का काम किया, लेकिन इसके बाद जडेजा और रेड्डी तेजी से रन बनाने की कोशिश में अपना विकेट गंवा बैठे जिसके कारण भारत का स्क इंग्लैंड के पार नहीं जा सका।भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 387 रन का स्कोर खड़ा किया था। इंग्लैंड के लिए बन डकेट जैक क्राउली ने सधी हुई शुरुआत की थी, लेकिन 43 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा दिया। हालांकि ओली पोप और जो रूट ने मिलकर पारी को संभाल लिया। इंग्लैंड की तरफ से जो रूट ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए 104 रनों की पारी खेली। इसके अलावा जेमी स्मिथ ने 51 और ब्रायडन कार्स ने 56 रनों का योगदान दिया।

वहीं टीम इंडिया की गेंदबाजी की बात करें तो भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर पंजा खोला। बुमराह ने 74 रन खर्च कर पांच विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा टीम इंडिया के लिए मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए जबकि रविंद्र जडेजा ने भी एक लेकर इंग्लैंड को दबाव में डालने में अहम भूमिका निभाई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वैश्विक संशय के...

मास्को स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में भारतीय अध्ययन केंद्र की प्रमुख और पद्मश्री पुरस्कार विजेता तात्याना शौम्यान कहती हैं कि भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष और स्वतंत्र बने रहने की उसकी इच्छा से आकार लेती है। इसी नीति के तहत भारत ने यूक्रेन में रूस की कार्रवाइयों पर चिंता भी व्यक्त की और संयुक्त राष्ट्र में रूस-विरोधी प्रस्तावों से दूर रहकर पश्चिमी लाइन पर चलने से इन्कार भी कर दिया। शौम्यान बताती हैं कि कैसे भारत अपनी विदेश नीति का लगातार वैश्वीकरण कर रहा है और न केवल दक्षिण एशिया में, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी बड़ी भूमिका तलाश कर रहा है। जैसे-जैसे भारत की आर्थिक, तकनीकी और सैन्य क्षमताएं बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे अंतर्राष्ट्रीय मामलों में नियम-निर्माता बनने की उसकी महत्वाकांक्षा भी बढ़ रही है। भारत ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और रूस-भारत-चीन (आरआईसी) वार्ता जैसे बहुपक्षीय संगठनों में भी भारत-रूस सहयोग को रेखांकित करता है। हालांकि चुनौतियां बहुत हैं, फिर भी ऐसे मंच प्रभाव बढ़ाने और समन्वय को गहरा करने की महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करते हैं।

जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मास्को यात्रा के महत्व पर भी ग्रंथ में प्रकाश डाला गया है। पुनर्निर्वाचन के बाद उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा और 2022 में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद उनकी पहली रूस यात्रा को खास तौर पर रेखांकित किया गया है, क्योंकि वह समय अत्यंत महत्वपूर्ण था। इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमी एंड इंटरनेशनल रिलेशंस ऑफ दि रशियन एकेडेमी ऑफ साइंसेज (इमेमो-रास) में इंडो-पैसिफिक केंद्र की रिसर्च फेलो लेयला तुरायानोवा के अनुसार, भारत के प्रधानमंत्री की उस रूस यात्रा ने पश्चिम के साथ घनिष्ठ संबंध बनाते हुए भी अपनी पारंपरिक साझेदारियों को बनाए रखने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त किया। उनका तर्क है कि भारत-रूस संबंध यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न तनाव की परीक्षा में सफल रहे हैं और विशेष रूप से व्यापार और संपर्क के क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ उभरे हैं।

कनेक्टिविटी वास्तव में चर्चा का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। तीन लेखकों, रूसी अंतर्राष्ट्रीय मामलों की परिषद से जुड़ी जूलिया मेलनिकोवा, अर्बातोव संस्थान की नतालिया वियाखिरेवा और आरआईएसी के कार्यक्रम समन्वयक ग्लीब ग्रिजलोव ने इस बात पर गहन शोध किया है कि कैसे भारत रूस के परिवहन और बुनियादी ढांचों से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी से शामिल हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी), आर्कटिक शिपिंग और उत्तरी समुद्री मार्ग, सभी को एक ऐसे विश्व में सहयोग के प्रमुख स्तंभों के रूप में पहचाना जाता है जहां आपूर्ति श्रृंखलाओं और व्यापार मार्गों का तेजी से पुनर्संयोजन किया जा रहा है।

रूस की प्रमुख पेट्रोकेमिकल कंपनी सिबुर के अधिकारी सर्गेई कोमिशान ने आर्थिक सहयोग का और विश्लेषण किया है। वे द्विपक्षीय औद्योगिक सहयोग की व्यावसायिक संभावनाओं को दर्शाने के लिए रिलायंस सिबुर इलास्टोमर्स, जो एक सफल भारत-रूस संयुक्त उद्यम है, का उदाहरण देते हैं। वे राष्ट्रीय भुगतान प्रणालियों के एकीकरण, जल पुनर्चक्रण (रिसाइकलिंग) तकनीकों में सहयोग और एक संयुक्त कार्बन क्रेडिट ढांचे सहित नए अवसरों की ओर भी इशारा करते हैं। रक्षा और सामरिक सहयोग भारत-रूस साझेदारी का एक ऐतिहासिक आधार रहा है। यह अब भी प्रासंगिक बना हुआ है, लेकिन इसमें बदलाव भी आ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय संबंध विश्लेषक आर्यमन निझावन इस बात पर शोध करते हैं कि यूक्रेन संघर्ष से मिले सबक भविष्य के सैन्य-तकनीकी सहयोग को कैसे आकार दे सकते हैं। ड्रोन तकनीक, ड्रोन-रोधी प्रणालियां और यहां तक कि सेमीकंडक्टर निर्माण जैसे क्षेत्रों को संयुक्त अनुसंधान एवं विकास के लिए आशाजनक क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, हालांकि एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में मान्यता प्राप्त है, संरचित सहयोग के अभाव से ग्रस्त है। इमेमो-रास की ओल्गा उस्त्युजंतसेवा और इवान डैनिलिन का तर्क है कि इस क्षेत्र में भारत-रूस सहयोग का भविष्य राज्य-संचालित मॉडलों से आगे बढ़कर निजी क्षेत्र की भागीदारी की ओर बढ़ने के संकेत दे रहा है। दोनों शोधकर्ता भारत और रूस दोनों देशों में स्टार्टअप्स, वेंचर कैपिटल और एसएमई-नेतृत्व वाले नवाचार की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हैं और बेहतर संस्थागत ढांचे और निरंतर निवेश की आवश्यकता पर बल देते हैं।

रूस के वरिष्ठ बैंकर और पूर्व उप-वित्त मंत्री सर्गेई स्टोर्चैक, द्विपक्षीय संबंधों के वित्तीय आयामों पर चर्चा करते हैं। रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण उसकी अर्थव्यवस्था का तेजी से गैर-डॉलरीकरण हो रहा है, ऐसे में भारत स्थानीय मुद्राओं में व्यापार के प्रयोग और सुरक्षित, तेज वित्तीय संदेश प्रणाली स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में उभरा है। एमजीआईएमओ की अन्ना किरीवा, आसियान और हिंद-प्रशांत के व्यापक संदर्भ में भारत-रूस संबंधों का विश्लेषण करती हैं। वह नीतिगत संवादों, तीसरे बाजारों के लिए संयुक्त हथियार उत्पादन, समुद्री क्षेत्र जागरूकता और सहयोगी तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्रों सहित, जुड़ाव के नए प्रारूपों का प्रस्ताव करती हैं। उनका विश्लेषण एक व्यापक रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है क्योंकि दोनों देश अपने कूटनीतिक उपकरणों और क्षेत्रीय साझेदारियों में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं।इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज के अलेक्सी जखारोव इस बात पर जोर देते हैं कि रूस का क्षेत्रीय दृष्टिकोण विस्तृत हो रहा है। जहां भारत रूस की दक्षिण एशिया रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है, वहीं मॉस्को अपनी बढ़ती कमजोरियों को संतुलित करने और अपने राजनयिक प्रभाव का विस्तार करने के लिए अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ तेजी से जुड़ रहा है। राष्ट्रपति पुतिन अपनी ऐतिहासिक भारत यात्रा की तैयारी कर रहे हैं, वहीं भारत और रूस के मजबूत संबंधों पर प्रकाशित ग्रंथ दुनिया की सबसे समय-परीक्षित (टाइम-टेस्टेड) द्विपक्षीय साझेदारियों का सामयिक और गहन अन्वेषण प्रस्तुत कर रहा है। बदलती वैश्विक गतिशीलता के साथ, दोनों देशों ने दिखाया है कि उनका संबंध केवल शीत युद्ध काल का अवशेष नहीं है, बल्कि एक गतिशील, दूरदर्शी गठबंधन है जो 21वीं सदी की चुनौतियों के अनुकूल ढलने में सक्षम है। ऊर्जा और रक्षा से लेकर कनेक्टिविटी और डिजिटल नवाचार तक, भारत-रूस साझेदारी एक नए चरण में प्रवेश कर रही है।

संदेह से भरा...

एसोसिएशन ने एएआईबी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट मीडिया को लीक होने पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। एसोसिएशन को इस बात की चिंता है कि प्रारंभिक एएआईबी रिपोर्ट बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया के साथ साझा की गई। एसोसिएशन ने जांच में पारदर्शिता के अभाव का आरोप लगाया और कहा कि जांच रिपोर्ट से विश्वसनीयता पर असर पड़ा है और जनता इस जांच से आश्वस्त नहीं है।

एसोसिएशन ने कहा कि जांच रिपोर्ट पहले विदेशी मीडिया को लीक की गई। इसके बाद ही वॉल स्ट्रीट जर्नल में 10 जुलाई के लेख में ईंधन नियंत्रण स्विच में गड़बड़ी का जिक्र किया गया। सवाल है कि इतनी संवेदनशील जांच की जानकारी अंतरराष्ट्रीय मीडिया में कैसे लीक हो गई। जांच रिपोर्ट में ईंधन नियंत्रण स्विच गेट्स से संबंधित एक सर्विसेबिलिटी बुलेटिन का जिक्र है, जो संभावित उपकरण खराबी का संकेत देता है। जब तक बुलेटिन मौजूद है, एसोसिएशन इस बात पर स्पष्टता चाहता है कि क्या बुलेटिन की सिफारिशों को उड़ान से पहले लागू किया गया था? एसोसिएशन ने जांच में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जांच प्रक्रिया में एसोसिएशन के सदस्यों को पर्यवेक्षक के रूप में शामिल किए जाने की मांग की है।

प्राथमिक जांच रिपोर्ट के लीक होने और विदेशी मीडिया में पहले ही खबरें छाप कर पायलटों को दोषी बताने की हरकतें उच्चस्तरीय षडयंत्र का परिणाम है। हादसे की जिम्मेदारी पायलटों पर डालने और विमानन कंपनी और एयरलाइंस प्रबंधन को बचाने के लिए यह हथकंडा इस्तेमाल किया गया है। विदेशी मीडिया ने जांच रिपोर्ट सामने आने से पहले ही एआई 171 फ्लाइट हादसे की वजह पायलटों की गलती बता दिया। जबकि जांच रिपोर्ट में यह बात स्पष्ट रूप से नहीं कही गई है। मीडिया ने विमान निर्माता कंपनी बोइंग को क्लीन चिट देने का प्रयास किया है, जिसका बनाया 787-8 ड्रीमलाइनर 242 लोगों के साथ क्रैश हुआ था। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी विमान हादसे के बाद बोइंग ने पायलटों के सिर पर दोष मढ़ने का प्रयास किया हो। जिन दो पायलटों पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश की जा रही है उनमें 56 साल के कैप्टन सुमीत सभरवाल बेहद अनुभवी पायलट थे। उनके पास 15,600 घंटों से ज्यादा उड़ान भरने का अनुभव था। 32 साल के को-पायलट क्लाइव कुंदर के पास 3,400 से अधिक घंटों तक उड़ान भरने का अनुभव था। दोनों के पास बोइंग 787 उड़ाने का लाइसेंस और योग्यता दोनों थी।

अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल ने गुरुवार 10 जुलाई को इसी संबंध में एक खबर प्रकाशित की, जिसमें यह दावा किया गया है कि जांचकर्ता एयर इंडिया हादसे की जांच पायलटों की गलती के एंगल से कर रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जनरल ने यह रिपोर्ट अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से लिखी है, जिनका नाम नहीं दिया गया है। पायलटों को कठघरे में खड़े करने वाली यह रिपोर्ट पूरी तरह से सूत्रों के हवाले से लिखी गई है। इसमें न किसी अमेरिकी और न ही एयर इंडिया के अधिकारियों का नाम दिया गया है। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट कहती है कि एयर इंडिया विमान के दोनों पायलटों कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर ने एक साथ दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच एक साथ बंद कर दिए, जिसके चलते हादसा हुआ। फिर वॉल स्ट्रीट जनरल यह भी कहता है कि उड़ान के दौरान ये स्विच सामान्यतः चालू रहते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि इन्हें कैसे या क्यों बंद किया गया। स्पष्ट है कि अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल ने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि विमान हादसा असल में पायलट की ही भूल के चलते हुआ। अखबार यह भी लिख रहा है कि बोइंग का 787 ड्रीमलाइनर एकदम सुरक्षित विमान है और उसको लेकर जांच की कोई तलवार नहीं लटक रही है। मतलब साफ है।

एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि इंजन फ्यूल स्विच बंद हुए थे और कुछ सेकंड के बीच चालू भी हो गए थे। इस बीच पायलटों के बीच बातचीत भी हुई थी। जिसमें दूसरे पायलट ने पहले से इनकार किया था कि उसने इस स्विच के साथ कोई छेड़छाड़ की है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्विच वापस ऑन करने के बाद भी एक ही इंजन चालू हुआ था। दूसरा तब भी नहीं चालू हो पाया। संभव है किसी तकनीकी समस्या की वजह से फ्यूल स्विच बंद हुए हों। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट भारत में विमान हादसे की जांच कर रही एजेंसी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की रिपोर्ट के सार्वजनिक होने से पहले ही छप गई। ब्यूरो की रिपोर्ट सार्वजनिक होने की तारीख शनिवार 12 जुलाई है। वॉल स्ट्रीट जनरल के अलावा ब्लूमबर्ग, रॉयटर्स, एबीसी न्यूज और विमानन पर रिपोर्ट करने वाली वेबसाइट एयर करेंट ने भी विमान हादसे का कारण इंजन को ईंधन पहुंचाने वाले फ्यूल स्विच के पायलटों की गलती से बंद होना बताया है। इन सभी मीडिया संस्थानों में यह खबरें 8 जुलाई से 10 जुलाई के बीच प्रकाशित हुई हैं।

एएआईबी की प्राथमिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ के समय ईंधन सप्लाई बंद होते ही इंजनों की पंखे की गति कम होने लगी थी। 213.4 टन वजन के साथ उड़ा विमान हवाई अड्डे की परिधि की दीवार पार करने से पहले ही नीचे आने लगा। इस समय विमान में 54,200 किलोग्राम फ्यूल था और टेक-ऑफ वजन 2,13,401 किलोग्राम रहा, जो अधिकतम अनुमत वजन 2,18,183 किलोग्राम से कम था। एयरक्राफ्ट ने 180 नॉट्स की अधिकतम रफ्तार हासिल की और उसी दौरान दोनों इंजनों के फ्यूल कटऑफ स्विच रन से कटऑफ में बदल गए। इन दोनों स्विच में सिर्फ 1 सेकंड का अंतर था। एएआईबी ने कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर का भी विश्लेषण किया। इसमें एक पायलट दूसरे से पूछता है, तुमने कटऑफ क्यों किया? जवाब मिलता है, मैंने नहीं किया। इससे अंदेशा है कि ये कटऑफ स्वचालित या तकनीकी गड़बड़ी के चलते हुआ, जिसे अब गहराई से जांचा जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पायलटों ने दोनों इंजनों को फिर से शुरू करने की कोशिश की। इंजन-1 दोबारा शुरू होने लगा और उसकी गति रिकवर होने लगी, लेकिन इंजन-2 बार-बार फ्यूल रीइंट्रोड्यूस करने के बावजूद पर्याप्त गति नहीं पकड़ पाया।

उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का अत्याधुनिक विमान बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 बीते 12 जून को उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद अहमदाबाद के मेघाणीनगर में क्रैश हो गया। विमान में सवार 242 लोगों में 12 क्रू के सदस्य थे। यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक शामिल थे। एक यात्री को छोड़ कर बाकी सारे यात्री हादसे में मारे गए। मेडिकल कॉलेज परिसर में नीचे जमीन पर भी दर्जनों लोग हादसे की चपेट में आकर मारे गए थे। इस दुर्घटना में कुल 260 लोग मारे गए थे।

बिना पर्ची...

भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हों, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। पीएम मोदी ने कहा, आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं। और वह है देश की सेवा। पीएम मोदी ने कहा कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर नौकरी मिलेगी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है। इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इस अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

भाजपा चाहती...

उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियां हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक समारोहों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए सरकार में मुख्यमंत्री रखने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि यहां उसका राज्य कार्यालय विकसित केरलम का केंद्र बने। विकसित भारत का रास्ता विकसित केरलम से होकर ही जाता है। अब से भाजपा का मूल उद्देश्य विकसित केरलम होगा। अमित शाह ने कहा कि भारत 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद का जवाब पीएम मोदी और भाजपा के अलावा कोई नहीं दे सकता। हमने उरी हमले का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक से, पुलवामा हमलों का जवाब एयर स्ट्राइक से, ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुस के मारा से दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने केरल के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा जारी धनराशि से कई गुना ज्यादा धनराशि जारी की है। मैं भाजपा मुख्यालय के माध्यम से इसके बारे में हर विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करूंगा।

केरल में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियों में हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयार भी तेज कर दी है। इसी सिलसिले में शनिवार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा के नए राज्य समिति कार्यालय मरारजी भवन का भव्य उद्घाटन किया। इस दौरान अमित शाह ने पार्टी का झंडा फहराया, भवन के सामने पौधा लगाया, फीता काटकर कार्यालय के अंदर प्रवेश किया और पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर नए कार्यालय का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। उन्होंने भवन के केंद्रीय हॉल में स्थापित पूर्व भाजपा राज्य अध्यक्ष केजी मरार की कांस्य प्रतिमा को पुष्प अर्पित कर सम्मानित किया। कार्यालय के उद्घाटन समारोह के दौरान भाजपा केरल इकाई के राज्य अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। अमित शाह ने नए कार्यालय का दौरा किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

चुनाव नहीं...

से 10 दिनों में जवाब मांगा है। आयोग का मानना है कि इन दलों की निष्क्रियता चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती है। राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा कि जिन राजनीतिक दलों को नोटिस भेजी गई है, उन्होंने पिछले छह साल से कोई भी चुनाव नहीं लड़ा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत सभी रजिस्टर्ड पार्टियों को विशेष अधिकार और सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन इन अधिकारों का लाभ उठाकर निष्क्रिय रहने वाले दलों को आयोग अब डीलिस्ट करने पर विचार कर रहा है। यानि, इन दलों का नाम पंजीकृत राजनीतिक दलों की सूची से हटा दिया जाएगा। आयोग ने यह भी कहा कि अगर कोई पार्टी अपना पक्ष उचित प्रमाणों के साथ नहीं रखती है, तो उनके रजिस्ट्रेशन पर कार्रवाई तय है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने जिन 17 राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है उनमें भारतीय बैकवर्ड पार्टी, भारतीय सुराज दल, भारतीय युवा पार्टी (डेमोक्रेटिक), भारतीय जनतंत्र सनातन दल, बिहार जनता पार्टी, देशी किसान पार्टी, गांधी प्रकाश पार्टी, हमदर्दी जनरक्षक पार्टी, समाजवादी विकास पार्टी (जनसेवक), क्रांतिकारी साम्यवादी पार्टी, क्रांतिकारी विकास दल, लोक आवाज दल, लोकतांत्रिक समता दल, राष्ट्रीय जनता पार्टी (भारतीय), राष्ट्रवादी जन कांग्रेस, राष्ट्रीय सर्वोदय पार्टी, सर्वजन कल्याण लोकतांत्रिक पार्टी और व्यवसाई किसान अल्पसंख्यक मोर्चा शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने इन दलों को 21 जुलाई तक सबूतों के साथ अपना पक्ष रखने के लिए कहा है, ताकि भारत निर्वाचन आयोग को उचित रिपोर्ट सौंपी जा सके। चुनाव आयोग का मानना है कि सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था पारदर्शिता के साथ सक्रिय भागीदारी निभाएं।

न्याय व्यवस्था में ...

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने भी दीक्षांत समारोह में भाग लिया। तेलंगाना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की।

इससे पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधानमंडल में कहा था कि संविधान देश में रक्तहीन क्रांति का हथियार रहा है। न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका ने पिछले 75 वर्षों में भारत में सामाजिक-आर्थिक समानता लाने के लिए मिलकर काम किया है। संविधान अपनी शताब्दी की ओर बढ़ रहा है और उन्हें खुशी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा रहे हैं।

रिश्तों में जमी...

विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक में भाग लेने के लिए तियानजिन जाने से पहले बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। जानकारी के मुताबिक, दोनों की ये मुलाकात निजी स्तर पर होगी। इसका मकसद दोनों पक्षों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को कम करना बताया जा रहा है, और आपसी सहयोग बढ़ाना है। एससीओ अहम इसलिए है क्योंकि ये चीन के नेतृत्व वाला एक बहुपक्षीय समूह है जिसमें भारत और पाकिस्तान सहित नौ स्थायी सदस्य शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों ही विदेश मंत्रियों के बीच कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है, जिनमें भारत को दुर्लभ मृदा की आपूर्ति, दलाई लामा का उत्तराधिकार, हाल ही में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की बहाली अहम मुद्दा होंगी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की यह यात्रा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के कुछ ही हफ्तों बाद हो रही है। एससीओ एक समूह है जिसमें चीन मुख्य भूमिका निभाता है, और फिलहाल वह इस संगठन का अध्यक्ष भी है। पहलगाम हमले की निंदा न करने को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर नहीं किए, जिसके चलते एक बड़ा टकराव हो गया था।

उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था और उस वर्ष जून में गलवान घाटी में हुई झड़प की वजह से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था। 21 अक्टूबर को अंतिम रूप दिए गए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग स्थित टकराव वाले दो अंतिम स्थानों से सैनिकों को वापस बुलाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है लेकिन अभी रिश्तों में जमी बर्फ पूरी तरह नहीं पिघली है, जिसके चलते दोनों देशों के नेता इसे पटरी पर लाने के लिए चर्चा कर सकते हैं।

15 जुलाई को...

उन्होंने वॉयेजर डिस्प्ले, सेरेब्रल ब्लड फ्लो और फोटॉनग्रेव नामक प्रयोगों के जरिए यह समझने की कोशिश की कि माइक्रोग्रैविटी में शरीर और मन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

इसरो ने इस मिशन पर लगभग 550 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह निवेश भविष्य के भारतीय अंतरिक्ष अभियानों के लिए जरूरी अनुभव जुटाने के लिए किया गया है। गगनयान मिशन की तैयारी के तहत यह पहला मौका है जब किसी भारतीय को आईएसएस पर भेजा गया। इस मिशन में इसरो, नासा और यूरोपीय एजेंसियों का सहयोग रहा। नासा ने बताया कि एक्सिओम-4 मिशन के दौरान इलेक्ट्रिकल मसल स्टिमुलेशन, स्पेस सूट के कपड़ों की जांच और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े शोध भी किए गए। इन प्रयोगों के नमूने भी ड्रैगन यान में रखे जाएंगे, ताकि उन्हें धरती पर लाकर आगे की जांच हो सके। इसरो के डॉक्टर लगातार शुभांशु की मेडिकल रिपोर्ट की निगरानी कर रहे हैं और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए स्वास्थ्य परीक्षण भी कर रहे हैं।

धरती पर लौटने के बाद शुभांशु शुक्ला और अन्य सहयोगियों को पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के अनुकूल ढालने के लिए करीब सात दिनों तक विशेष पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा। इसरो ने यह भी बताया कि मिशन के बाद यह सभी वैज्ञानिक आंकड़े भारत के भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में बहुत मददगार साबित होंगे। अंतरिक्ष में रहते हुए शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ अच्छा समय बिताया। मिशन कमांडर व्हिटसन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे डिहाइड्रेटेड झींगा और भारतीय आमरस और गाजर के हलवे के साथ स्पेस डिनर का आनंद ले रहे हैं। यह क्षण न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बल्कि सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी खास रहा।

आज वसुमान योग का शुभ संयोग में सिंह सहित अन्य राशियों को मिलेगा चौतरफा लाभ

आज यानी 13 जुलाई रविवार को चंद्रमा का गोचर मकर उपरांत कुंभ राशि में होने जा रहा है और आज के दिन गुरु का आर्द्रा नक्षत्र के तीसरे चरण में प्रवेश होने जा रहा है। इस पर आज गुरु से छठे भाव में संचार करते हुए चंद्रमा वसुमान योग का संयोग बनाएंगे। इसके साथ ही आज धनिष्ठा नक्षत्र के संयोग में प्रीति योग का भी शुभ संयोग बनने जा रहा है। जबकि आज सूर्य और गुरु की युति से गुरु आदित्य योग का भी संयोग बनेगा। साथ ही आज रविवार होने की वजह से पूरे दिन सूर्य ग्रह का प्रभाव रहेगा जबकि दिन के स्वामी सूर्य देव होंगे। जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज सावन मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि है और तिथि के अनुसार आज का दिन मां पार्वती को समर्पित होगा। ऐसे में वसुमान योग और मां पार्वती और सूर्यदेव की कृपा से आज का दिन सिंह सहित अन्य राशियों के लिए सौभाग्यशाली रहने वाला है। आज इन राशियों को चौतरफा लाभ मिलने के आसार हैं। इनके काम आज पूरे होंगे और इनके परिवार में भी आज सुख और समृद्धि का वास रहेगा। इसके साथ ही आज के दिन इन राशियों के जातकों को सूर्य नारायण को अर्घ्य देने और सूर्य चालीसा का पाठ करने का अतिरिक्त फल मिलेगा।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज यानी रविवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज मेष राशि के जातकों को करियर से लेकर कारोबार में मनचाही सफलता मिल सकती है। शासन और प्रशासन के काम से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है। आज आपको कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिसका आप बेहतरीन तरीके से निर्वहन करेंगे। खासकर आज आपकी आय में बढ़ोतरी होगी। आपको धन प्राप्ति के नए अवसर मिल सकते हैं। इसके साथ ही आज आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। सामाजिक दायरे में विस्तार होगा और तरक्की की राह में आगे बढ़ेंगे। इसके साथ ही आज परिवार में आपको बड़े भाई बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रेमपूर्वक रहेंगे। वैवाहिक जीवन में मीठी नोकझोंक देखने को मिल सकती है।

उपाय : आज रविवार को सूर्य देव को अर्घ्य दें। इसके बाद बरगद के पत्तों पर अपनी मनोकामना लिखें और उसे बहते हुए पानी में बहा दें। इससे आपकी मनोकामना पूरी होगी।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन शुभ रहने वाला है। आज आपको कार्यक्षेत्र में भाग्य का साथ मिलेगा। आपके अटके हुए काम तेजी से पूरे होंगे। इसके साथ ही आज आपका बाजार में अटका हुआ धन भी वापस मिल सकता है। कारोबार में लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का अवसर मिल सकता है जबकि आपके मान सम्मान में भी बढ़ोतरी होगी। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आपको बेहतर विकल्प मिल सकते हैं। घर में सुख सुविधाएं बढ़ेंगी और फैमिली बिजनेस करते हैं तो पिता या वरिष्ठ लोगों का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी पेशा जातकों के लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपको पदोन्नति या वेतन बढ़ोतरी का लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आपको कोई उपलब्धि मिल सकती है जिससे आपकी सराहना होगी और आपके मान सम्मान में इजाफा होगा। परिवार में आज सुख समृद्धि रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध अनुकूल रहेंगे।

उपाय : आज रविवार को नमक का सेवन करने और खरीदने से बचें। इसके अलावा घर पर नमक का पोंछा लगाएं। और जरूरमंदों को अन्न का दान करें।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन उम्मीद से बढ़कर लाभदायक रहने वाला है। आज आपके सोच हुए काम पूरे होंगे। खासकर आज साझेदारी में किए गए काम बेहतर परिणाम दिला सकते हैं। इसके साथ ही आज आप नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो पार्टनरशिप में काम शुरू कर सकते हैं। आपको मनचाहा लाभ मिल सकता है। आज बिजनेस पार्टनर के साथ आपके संबंध अच्छे होंगे। भरोसा बढ़ेगा। इसके साथ ही आप कारोबार में बड़े बदलावों को भी हरी झंडी दिखा सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों को मनचाहा काम या ट्रांसफर मिल सकता है जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। परिवार में आज आपके माहौल अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। लव पार्टनर के साथ बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं। एक-दूसरे की भावनाओं का ख्याल रखेंगे।

उपाय : आज रविवार को सूर्य नारायण को अर्घ्य देने के बाद 108 बार ॐ घृणिः सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। और घर के मंदिर और मुख्य द्वार पर घी का दीया जलाएं।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपको कारोबार में धन प्राप्ति के नए मौके मिलेंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है जो आपको बेहतर मुनाफे का सौदा दिला सकता है। जिससे आप प्रसन्न होंगे और अच्छा धन कमा सकेंगे। इसके साथ ही आज आप बेहतर भविष्य के लिए निवेश कर सकते हैं। फिजूल खर्च से आप दूर रहेंगे। परिवार में आज आपके माहौल अनुकूल रहेगा। आपके भी व्यक्तित्व में आज निखार देखने को मिलेगा। इसके साथ ही आज आपमें आत्मविश्वास और लचीलेपन का समन्वय होगा जिससे आप हर परिस्थिति में अपने लिए कुछ न कुछ निकाल पाएंगे। सबसे अच्छी बात यह है कि आज आप किसी की बातों में नहीं आएंगे और अपनी बुद्धि से फैसले लेंगे। राजनीतिक क्षेत्र के जातकों को आज पद और प्रतिष्ठा से जुड़ा फायदा मिल सकता है। परिवार में आपके आज सुख शांति रहेगी। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

उपाय : आज रविवार को पीपल के पेड़ के नीचे चौमुखी दीया जलाएं। इसके बाद सच्चे मन से अपने ईष्टदेव को याद करते हुए पीपल की सात बार परिक्रमा करें। इससे आपकी बाधाएं दूर होंगी।

मीन राशि– मीन राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन सौभाग्यशाली रहने वाला है। आज आपको विदेश से जुड़े कार्यों में लाभ मिलने के आसार हैं। खासकर आज पढ़ाई या कारोबार के लिहाज से विदेश जाने की सोच रहे हैं तो आज आपको उम्मीद की किरण दिखाई दे सकती है। इसके साथ ही अगर आपका कोई सौदा अटक रहा है तो आज के दिन अड़चन दूर हो सकती है। आयात निर्यात, हॉस्पिटल, मेडिआज स्टोर, लैब आदि से जुड़े काम करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। इसके साथ ही आज पुण्य कार्यों में आपका मन लगेगा। आपके सामाजिक दायरे में इजाफा होगा। दोस्तों की मदद से कमाई के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। बड़े भाई बहनों के साथ संबंधों में तनाव चल रहा था तो वह दूर हो सकता है। परिवार में आनंद का माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में मिठास रहेगी।

उपाय : आज रविवार को सूर्य देव को लाल फूल, अक्षत और रोली मिलाकर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। इसके बाद कम से कम ११ बार सूर्य चालीसा का पाठ करें।

सावन में मस्तिष्क पर लगाए शिव का त्रिपुंड

सावन माह में भगवान शिव की आराधना उत्तम मानी गई है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए यह श्रेष्ठ माह माना जाता है। पूरे माह भक्त पूरी श्रद्धा से भगवान शिव और उनके परिवार की पूजा की जाती है। सावन के सभी सोमवार का अपना महत्व होता है। मान्यता है कि सावन मास में भोलेनाथ की अराधना करने से सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ेगा और सावन का अंतिम सोमवार 4 अगस्त को पड़ रहा है। इस साल सावन में कुल 4 सोमवार आ रहे हैं। सावन महीने में 4 सोमवार व्रत होंगे और चार मंगला गौरी व्रत होंगे। शिव पुराण के अनुसार भस्म सभी प्रकार के मंगलों को देने वाला है। यह दो प्रकार का होता है। पहला-महाभस्म और दूसरा-स्वल्पभस्म। महाभस्म के तीन प्रकार श्रौत, स्मार्त और लौकिक हैं। श्रौत और स्मार्त द्विजों के लिए और लौकिक भस्म सभी लोगों के उपयोग के लिए होता है। द्विजों को

वैदिक मंत्र के उच्चारण से भस्म धारण करना चाहिए। दूसरे लोग बिना मंत्र के ही इसे धारण कर सकते हैं। शिव पुराण में बताया गया है कि जले हुए गोबर से बनने वाला भस्म आग्नेय कहलाता है। वह भी त्रिपुंड का द्रव्य है। शरीर के सभी अंगों में जल के साथ भस्म को मलना या तिरछा त्रिपुंड लगाना आवश्यक बताया गया है। भगवान शिव और विष्णु ने भी तीर्यक त्रिपुंड धारण करते हैं।

त्रिपुंड क्या है

ललाट आदि सभी स्थानों में जो भस्म से तीन तिरछी रेखाएं बनायी जाती हैं, उनको त्रिपुंड कहा जाता है। भौहों के मध्य भाग से लेकर जहां तक भौहों का अंत है, उतना बड़ा त्रिपुंड ललाट पर धारण करना चाहिए। मध्यमा और अनामिका अंगुली से दो रेखाएं करके बीच में अंगुठे से की गई रेखा त्रिपुंड कहलाती है। या बीच की तीन अंगुलियों से भस्म लेकर भक्ति भाव से ललाट में त्रिपुंड धारण करें।

त्रिपुंड की हर रेखा में 9 देवता

शिव पुराण में बताया गया है कि त्रिपुंड की तीनों रेखाओं में से प्रत्येक के नौ नौ देवता हैं, जो सभी अंगों में स्थित हैं। त्रिपुंड की पहली रेखा में प्रथम अक्षर अकार, गार्हपत्य अग्नि, पृथ्वी, धर्म, रजोगुण, ऋग्वेद, क्रियाशक्ति, प्रातःसवन तथा महादेव 9 देवता होते हैं। दूसरी रेखा में प्रणव का दूसरा अक्षर उकार, दक्षिणाग्नि, आकाश, सत्वगुण, यजुर्वेद, मध्यंदिनसवन, इच्छाशक्ति, अंतरात्मा तथा महेश्वर ये 9 देवता हैं। तीसरी रेखा के 9 देवता प्रणव का तीसरा अक्षर मकार, आहवनीय अग्नि, परमात्मा, तमोगुण, द्युलोक, ज्ञानशक्ति, सामवेद, तृतीय सवन तथा शिव हैं।

कहां धारण करें त्रिपुंड

शरीर के 32, 16, 8 या 5 स्थानों पर त्रिपुंड लगाना चाहिए। मस्तक, ललाट, दोनों कान, दोनों नेत्र, दोनों नासिका, मुख, कंठ, दोनों हाथ, दोनों कोहनी, दोनों कलाई, हृदय, दोनों पाश्र्वभाग, नाभि, दोनों अंडकोष, दोनों उरु, दोनों गुल्फ, दोनों घुटने, दोनों पिंडली और दोनों पैर ये 32 उत्तम स्थान हैं। समयाभाव के कारण इतने स्थानों पर त्रिपुंड नहीं लगा सकते हैं तो पांच स्थानों मस्तक, दोनों भुजाओं, हृदय और नाभि पर इसे धारण कर सकते हैं।

सावन के महीने में शिवलिंग पर आर्पित करें ये पांच फूल, भगवान शिव होंगे प्रसन्न

सावन का महीना भगवान शिव को अति प्रिय है। कहते हैं इस महीने में जो भी भक्त सच्चे मन से भगवान शिव की उपासना करता है उसकी सारी मनोकामनाएं देवों के देव महादेव पूरी करते हैं। शास्त्रों के मुताबिक, इस महीने में भगवान शिव अपने परिवार के साथ पृथ्वी का विचरण करने के लिए आते हैं। साथ ही इस महीने का महत्व और अधिक इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि, इस महीने में भगवान शिव ने माता पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करने का वरदान दिया था। इसलिए सावन मास भगवान शिव की उपासना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान शिवलिंग का अभिषेक और उन्हें विशेष प्रकार के फूल अर्पित करना अत्यंत फलदायक होता है।

सावन में भगवान शिव को अर्पित करें ये फूल

धतूरा शिवजी को धतूरा बहुत प्रिय है। इसे अर्पित करने से मन से नकारात्मक विचार और बुरी आदतें दूर होती हैं। सावन के महीने में भगवान शिव को धतूरा अर्पित करने से मन शुद्ध रहता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मदार के फूल

मदार का फूल भी शिवजी को चढ़ाया जाता है। इसे चढ़ाने से जीवन में आने वाले बड़े संकट टलते हैं और अगर आपके शत्रु आपको परेशान कर रहे हैं तो विशेष रुप से यह फूल सावन के महीने में भगवान शिव को अर्पित करें।

कुंद के फूल

सफेद कुंद का फूल शिवलिंग पर चढ़ाना पवित्र माना जाता है। इस फूल को शिवलिंग पर चढ़ाने से व्यक्ति के जीवन में शांति, प्रेम और मानसिक स्थिरता आती है।

नीलकमल

नीलकमल शिवजी को बहुत प्रिय है। इसे अर्पित करने से दुर्भाग्य दूर होता है और घर परिवार में सुख-शांति बढ़ती है।

गुलाब के फूल

गुलाब हर पूजा में चढ़ाया जाता है। इसी के साथ सावन के महीने में भगवान शिवजी को अर्पित करने से प्रेम संबंधों में मधुरता आती है।

कनेर के फूल

सावन के महीने में पीले और सफेद कनेर के फूल शिवलिंग पर चढ़ाए। इन फूलों को अर्पित करने से व्यक्ति को रोगों से मुक्ति मिलती है और आर्थिक कष्ट भी दूर होते हैं।

सावन में शिवलिंग पर फूल चढ़ाने की विधि

भगवान शिव को फूल अर्पित करने से पहले इस बात का ध्यान रखें की फूल हमेशा ताजे और साफ होने चाहिए।

भगवान शिव को फूल उल्टे करके या जिनकी पंखुड़ी टुटी हो वह नहीं चढ़ाने चाहिए।

सावन के महीने में भगवान शिव को फूल बेलपत्र के साथ फूल अर्पित करना श्रेष्ठ होता है।

जब भी शिवलिंग पर फूल अर्पित करें तो ओम् नमः शिवाय का जप करते हुए ही फूल चढ़ाएं।

सावन मास में करें इस एक चीज का दान भोलेनाथ करेंगे आर्थिक परेशानियां दूर

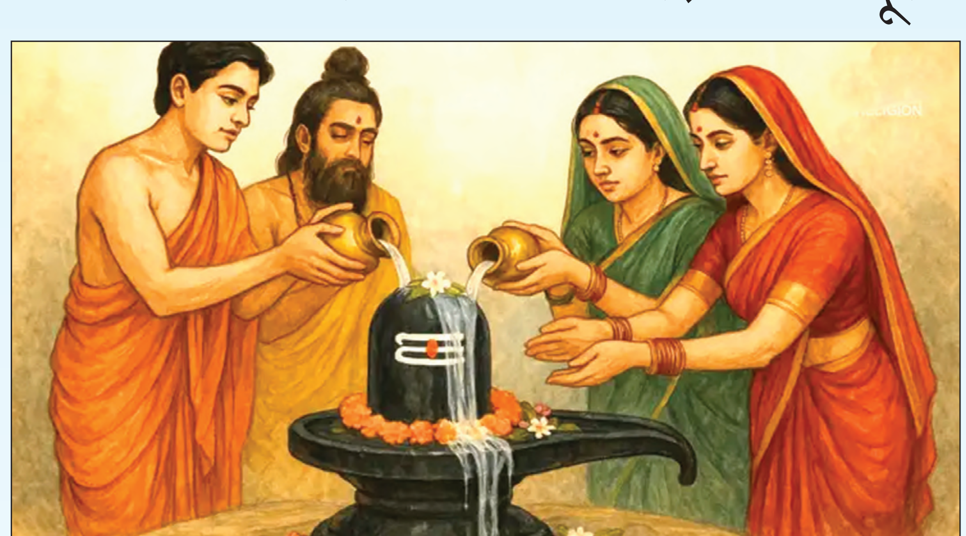

श्रावण मास महात्म्य में इस महीने के महत्व, दान, नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया है। सावन मास भगवान शिव का प्रिय महीना है और इस महीने में किए जाने वाले शुभ कर्मों का अत्यंत फल मिलता है। माना जाता है कि सावन में व्यक्ति को किसी न किसी व्रत का पालन जरूर करना चाहिए। साथ ही अपनी क्षमता अनुसार दान करना चाहिए। इससे शिवजी प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा मिलती है।

सावन में पुस्तकों का दान करें

श्रावण मास महात्म्य के अनुसार, सावन मास में मौनव्रत रखने का बड़ा महत्व है। खासकर भोजन के समय मौनव्रत रखना चाहिए और व्रत के अंत में घंटा और पुस्तक का दान करें। इसके साथ ही ब्राह्मणों को रोटक का दान करना चाहिए। केला, नारियल, खजूर, ककड़ी, नारंगी, नींबू समेत अन्य ऋतु फल के दान करने का बड़ा महत्व है। इसके साथ ही सावन में अपनी किसी प्रिय वस्तु का त्याग करके भोलेनाथ को अर्पित करने से व्यक्ति को परम गति मिलती है और उसके सद्कर्मों का प्रति लाख गुना फल मिलता है।

तिल के लड्डू कर सकते हैं दान

सावन मास में घर में रुद्राभिषेक कराने, होम कराने का भी महत्व बताया गया है। इसके साथ ही क्षमता अनुसार ब्राह्मणों को भोज कराना चाहिए। नागों का पूजन करना चाहिए। उनके नाम से दूध आदि का दान करना चाहिए। इसके अलावा तिल के लड्डुओं को भगवान को अर्पित करने के बाद इनका दान करना चाहिए। सावन में खीर या तिल से गायत्री मंत्र, मूल मंत्र या शिव सहस्रनाम मंत्रों से घर में होम कराना चाहिए। जिस भी मंत्र से पूजा की गई है उससे ही पूर्णाहुति डालनी चाहिए। इसके बाद होम कराने वाले ब्राह्मणों को वस्त्र, अलंकार, भूषण, क्षमतानुसार दक्षिणा आदि देनी चाहिए।

यथासंभव दान करने का है महत्व

यही नहीं सावन मास में फूल, फल, तुलसी की मंजरी, तुलसी दल, बेल पत्र से शिवजी की पूजा करनी चाहिए। सावन मास में शाक का त्याग करने का महत्व बताया गया है। सावन में रोज अतिरुद्र, महारुद्र या रुद्रमंत्र से शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। इसके अलावा सावन मास में यथासंभव दान पुण्य करना चाहिए। इससे भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा प्राप्त होती है। सावन में शिवजी की सोने की मूर्ति बनवाकर पूजा करनी चाहिए। इसके साथ ही चांदी का दीया बनाकर उसका दान करना चाहिए। इससे आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं।

सावन में इन चीजों का कर सकते हैं दान

शिव पुराण में भी सावन में दान के बारे में बताया गया है। सावन में गोदान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। भूदान करने से परलोक में आश्रय मिलता है जबकि तिल के दान से बल मिलता है। वस्त्रों के दान से आयु बढ़ती है। गुड़ के दान से भोजन की प्राप्ति होती है। सोने-चांदी के दान से वीर्य बढ़ता है और धन का दान करने से धन-समृद्धि बढ़ती है। इसके साथ ही सावन में कोंहड़ा और घी का दान करना पुष्टिदायक है जबकि कन्यादान श्रेष्ठ दान है जिससे जीवन में भोग मिलता है।

16 को कर्क संक्रांति मनाई जाएगी

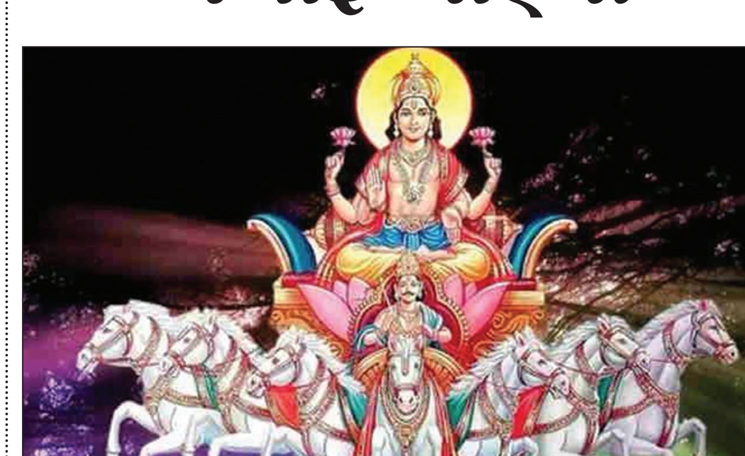

सावन महीने की शुरुआत होने वाली है। यह महीना देवों के देव महादेव को बेहद प्रिय है। इस महीने में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही मनचाही मुराद पाने के लिए व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर एक कामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

सनातन शास्त्रों में सावन महीने की महिमा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है। इस महीने में भगवान शिव और मां पार्वती धरती लोक पर आते हैं। अतः श्रद्धा भाव से शिव-शक्ति की पूजा की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि सावन महीने में कब कर्क संक्रांति मनाई जाएगी?

सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर संक्रांति मनाई जाती है। सूर्य देव एक राशि में 30 दिनों तक रहते हैं। इसके बाद राशि परिवर्तन करते हैं। इस शुभ अवसर पर साधक गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान करते हैं। इसके बाद सूर्य देव की भक्ति भाव से पूजा करते हैं। वहीं, पूजा के बाद आर्थिक स्थिति के अनुसार दान करते हैं।

सूर्य राशि परिवर्तन

वर्तमान समय में सूर्य देव मिथुन राशि में विराजमान हैं। मिथुन राशि में सूर्य देव 15 जुलाई तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 16 जुलाई को सूर्य देव कर्क राशि में गोचर करेंगे। इस शुभ अवसर पर कर्क संक्रांति मनाई जाएगी। आसान शब्दों में कहें तो 16 जुलाई को कर्क संक्रांति है। इस दिन सूर्य देव शाम 05 बजकर 40 मिनट पर कर्क राशि में गोचर करेंगे।

कर्क संक्रांति

सूर्य देव 16 जुलाई को कर्क राशि में गोचर करेंगे। इस दिन स्नान-ध्यान, पूजा, जप-तप के लिए शुभ समय सुबह 05 बजकर 40 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 40 मिनट तक है। वहीं, महा पुण्य काल दोपहर 03 बजकर 22 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 40 मिनट तक है। इस दौरान साधक स्नान-ध्यान कर सूर्य देव की पूजा कर सकते हैं।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 34 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 07 बजकर 20 मिनट पर

चंद्रोदय– रात 10 बजकर 57 मिनट पर

चंद्रास्त– सुबह 10 बजकर 46 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 12 मिनट से 04 बजकर 53 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 45 मिनट से 03 बजकर 40 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 07 बजकर 19 मिनट से 07 बजकर 40 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात 12 बजकर 07 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक

बॉलीवुड की लेडी बॉस थीं बीना राय 1.5 लाख रुपए लेती थीं फीस!

हिंदी सिनेमा के स्वर्ण युग की दमदार नायिकाओं में से एक थीं खूबसूरती की मल्लिका बीना राय, जो उस दौर में एक फिल्म के लिए डेढ़ लाख रुपए लेती थीं। 13 जुलाई 1931 को लाहौर में जन्मीं यह सजीव सौंदर्य की मूर्ति पर्दे पर जितनी सौम्य दिखती थीं, उतनी ही उनके अभिनय में गहराई थी। उन्होंने 1950 के दशक में अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया-विशेष रूप से 'अनारकली' (1953) में। इसके गाने और इनकी अदायगी लोगों के जेहन में आज भी जिंदा है। इससे जुड़ा एक बेहतरीन किस्सा भी है।

उनके छोटे बेटे कैलाश नाथ ने कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि मुगल-ए-आजम भी उनको ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे करने से साफ मना कर दिया था। कहा, एक छाप लग चुकी है और मैं उसे दोहराऊंगी नहीं। बाद में ये रोल उनकी झोली में गया जिनसे कभी उनके पति प्रेमनाथ शादी करना चाहते थे और वो थीं मधुबाला।

वो दौर ऐसा था जब एक फिल्म के लिए हीरो को पचास हजार से एक लाख रुपये मिलते थे, लेकिन बीना राय जैसी एक्ट्रेस को 1.5 लाख रुपये दिए जाते थे। उस दौर में यह सिर्फ एक फीस नहीं थी, बल्कि इंडस्ट्री में बदलाव की कीमत थी। अपनी मेहनत के दम पर बीना राय ने अपना स्टारडम बनाया। उनके नाम पर फिल्में बनती और बिकती थीं।

बीना राय का असली नाम कृष्णा सरीन था। उनके पिता रेलवे में अधिकारी थे। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बाद उनका परिवार कानपुर आ गया और उन्होंने यहां से अपनी पढ़ाई जारी रखी। इसके बाद उन्होंने लखनऊ के इसाबेला थोबर्न कॉलेज में एडमिशन लिया। यहीं से उनके अंदर अभिनय के प्रति दिलचस्पी बढ़ने लगी। वह कॉलेज के नाटकों में हिस्सा लेने लगीं और धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगा।

एक दिन उन्होंने अखबार में एक विज्ञापन देखा, जिसमें लिखा था कि निर्देशक किशोर साहू अपनी फिल्म के लिए नई अभिनेत्री खोज रहे हैं और इसके लिए एक टैलेंट कॉन्टेस्ट रखा गया है। बीना राय ने इस कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने का फैसला लिया, लेकिन घरवाले इसके खिलाफ थे। उस दौर में फिल्म इंडस्ट्री को लड़कियों के लिए अच्छा नहीं माना जाता था, लेकिन बीना राय ने हिम्मत नहीं हारी और भूख हड़ताल पर चली गई। उनकी जिद के आगे परिवारवालों को झुकना पड़ा और वह मुंबई चली गई।

बीना राय ने टैलेंट कॉन्टेस्ट में जीत हासिल की और इनाम के तौर पर उन्हें 25,000 रुपये मिले। उस वक्त यह रकम काफी बड़ी मानी जाती थी। साथ ही उन्हें फिल्म 'काली घटा' के लिए साइन किया गया। इस फिल्म में उन्होंने किशोर साहू के साथ अभिनय किया। फिल्म में उनकी खूबसूरती और अदायगी ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन उन्हें असली पहचान 1953 में आई फिल्म 'अनारकली' से मिली, जिसमें उन्होंने टाइटल रोल निभाया। इस फिल्म की सफलता ने बीना राय को रातों-रात स्टार बना दिया। फिल्म के गाने, डायलॉग्स और उनकी अदाकारी इतनी नेचुरल थीं कि लोग उन्हें असली अनारकली मानने लगे।

'अनारकली' की सफलता के बाद के. आसिफ ने अपनी फिल्म 'मुगल-ए-आजम' का ऑफर दिया था, लेकिन बीना राय ने यह रोल करने से इनकार कर दिया। बाद में यह रोल मधुबाला को मिला, और फिल्म ने इतिहास रच दिया। इसके बाद वह 'घूंघट' (1960), 'ताजमहल' (1963), 'चंगेज खान', 'प्यार का सागर', और 'शगूफा' जैसी कई शानदार फिल्मों में नजर आईं। फिल्म 'घूंघट' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।

बीना राय का फिल्मी करियर लगभग 15 साल का रहा। जब उनका करियर ऊंचाइयों पर था, तब उन्होंने शादी करने और घर बसाने का फैसला लिया। उन्होंने मशहूर अभिनेता प्रेमनाथ से 1952 में शादी की। शादी के बाद उन्होंने धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली और परिवार को समय देना शुरू किया। उनके दो बेटे हुए, जिनमें से एक, प्रेम किशन, बाद में खुद भी फिल्मों में नजर आए।

बीना राय ने 6 दिसंबर 2009 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

1950 के दशक में, जहां फिल्म इंडस्ट्री पुरुषों के इशारों पर चलती थी, वहां बीना राय ने अपनी शर्तों पर काम किया और अपने अभिनय से लोगों के दिलों पर राज किया। यही वजह है कि आज भी लोग उन्हें याद करते हैं। उन्होंने अभिनेत्री के तौर पर ब्लैक एंड व्हाइट जमाने में भी रंग भर दिए।

राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की जोड़ी मालिक में है शानदार

एक ऐसी जोड़ी जो आश्चर्यचकित भी करती है और आकर्षक भी है

एक ऐसी फिल्म में जो हिम्मत, हिंसा और राजकुमार राव की गहन गैंगस्टर ऊर्जा से भरी है, वहीं मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपनी शांति और सहजता से ध्यान आकर्षित करती हैं। 'मालिक' में शालिनी के किरदार में, मानुषी एक अप्रत्याशित भावनात्मक गहराई लेकर आती हैं, जो फिल्म के चारों ओर फैले अराजक माहौल को एक ठहराव देती है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि मानुषी ने 'मालिक' के लिए हरसंभव प्रयास किया, और उसमें पूरी तरह सफल भी रहीं। पहले ही गाने 'नामुमकिन' से यह स्पष्ट हो गया था कि वह केवल एक रोमांटिक हीरोइन नहीं हैं, बल्कि एक जटिल परतों वाला किरदार गढ़ रही हैं। है नामुमकिन, बिना तेरे, मेरा होना, है नामुमकिन जैसे भावुक बोलों पर आधारित यह गीत केवल मालिक के कोमल पक्ष को नहीं दर्शाता, बल्कि शालिनी को फिल्म की भावनात्मक धुरी के रूप में प्रस्तुत करता है। राजकुमार राव के साथ उनकी केमिस्ट्री इतनी वास्तविक लगती है कि यह नई जोड़ी भी परिपक्व और गहराई से जुड़ी हुई प्रतीत होती है।

'नामुमकिन' की एक और खास बात है मानुषी का सादा, बिना मेकअप वाला अवतार, जिसे न केवल दर्शकों बल्कि खुद राजकुमार राव ने भी खूब सराहा है।

'मालिक' के हाई-ऑक्टेन ट्रेलर में मानुषी की मौजूदगी और भी प्रभावशाली हो जाती है, जहाँ हम शालिनी को सादगी से भरे सलवार-कमीज़ और बिना मेकअप वाले लुक में देखते हैं। मानुषी अपने सौंदर्य प्रतियोगिता वाले अतीत की झलक पूरी तरह छोड़ देती हैं, और एक छोटे शहर की ऐसी महिला में बदल जाती हैं, जो अपने पति की अपराधों और महत्वाकांक्षा के हिंसक भंवर में फंसी हुई है। वह एक शांत, सौम्य लेकिन दृढ़ ताक़त है – जो कभी मालिक के पीछे तो कभी उसके साथ खड़ी नज़र आती है; उस आदमी के साथ जो दुनिया पर राज करने का सपना देखता है।एक ऐसी महिला के रूप में मानुषी का बारीकी से किया गया अभिनय – जो एक ओर अपने पति को विनाश की कगार से रोकने की कोशिश करती है, तो दूसरी ओर चुपचाप उसे आगे बढ़ने की ताक़त भी देती है – इस मर्दानगी से भरी कहानी में एक शांत लेकिन क्रांतिकारी बदलाव की तरह है। ट्रेलर के आते ही सोशल मीडिया पर चर्चाओं का सिलसिला शुरू हो गया, और ज़्यादातर ध्यान मानुषी के अपने अब तक के किरदारों से किए गए इस साहसी बदलाव पर रहा – जिससे यह साफ़ हो गया कि वह सिर्फ़ सुरक्षित किरदार निभाने नहीं आई हैं।

फिल्म का नवीनतम गाना, राज करेगा मालिक, महत्वाकांक्षा और विद्रोह से भरा एक उग्र गान है। और एक बार फिर, मानुषी बैकग्राउंड में फीकी नहीं पड़ती हैं। इसके बजाय, वह राजकुमार राव के साथ मजबूती और आत्मविश्वास से खड़ी होती हैं, जब दोनों मिलकर ये बयां करते

हैं कि मालिक होना असल में क्या होता है, और इसी के साथ फिल्म का तेवर भी तय हो जाता है।चाहे बात उसके प्रभावशाली विजुअल्स की हो या स्क्रीन पर उसकी दमदार मौजूदगी की, मानुषी हर फ्रेम में राजकुमार की खतरनाक ऊर्जा को कदम-कदम पर टक्कर देती हैं। 'नामुमकिन' की धीमी सुलगती मोहब्बत, ट्रेलर में उनका भावनात्मक रूप से गहरा प्रदर्शन, और 'राज करेगा मालिक' में उनकी बेबाक ऊर्जा – ये सब मिलकर साफ़ कर देते हैं कि मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अब पूरी तरह से अभिनय की दुनिया में अपनी जगह बना चुकी हैं।

'मालिक' भले ही राजकुमार राव की पहली गैंगस्टर फिल्म हो, लेकिन यह मानुषी के करियर की सबसे अहम छलांग बनती दिख रही है – एक ऐसा मोड़, जहाँ वह ये साबित करती हैं कि वो सिर्फ़ एक ब्यूटी क्वीन से अभिनेत्री बनी शख्सियत नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी ताक़त हैं जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

सन ऑफ़ सरदार 2 में पहली बार सरदार की भूमिका निभाएंगे रवि किशन

अभिनेता और सांसद रवि किशन, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और विभिन्न भाषाओं में शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, अब 'सन ऑफ़ सरदार 2' में एक बिलकुल नए अवतार में नजर आने वाले हैं। अपने करियर में पहली बार वे पगड़ी पहनकर एक सरदार की भूमिका निभा रहे हैं – एक ऐसा किरदार जो खासकर उत्तर भारत में गहरी सांस्कृतिक और भावनात्मक गूंज रखता है। फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रवि किशन ने अपनी इस भूमिका को लेकर उत्साह और निजी जुड़ाव साझा किया। उन्होंने कहा, आपने मुझे कई किरदारों में देखा होगा, लेकिन सरदार के रूप में पहली बार देखेंगे। हमारे बिहार और यूपी के इलाके में, खासकर गोरखपुर जहां मेरी लोकसभा सीट है, वहां बहुत बड़ी सरदारों की आबादी है। 20-25 हजार से ज्यादा लोग हैं और दर्जनों गुरुद्वारे हैं। वहां की पूरी कम्युनिटी बहुत उत्साहित है, और अब पूरा उत्तर भारत मुझे एक सरदार के रूप में देखेगा।

यह नया किरदार रवि किशन के बहुआयामी करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भोजपुरी, हिंदी, तेलुगु और दक्षिण भारतीय सिनेमा में फैला हुआ है। गंभीर ड्रामा, एक्शन या कॉमेडी- हर भूमिका में वह गहराई और सच्चाई लाते हैं। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार पहले संजय दत्त के लिए लिखा गया था, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। इस बारे में बात करते हुए रवि किशन ने कहा संजू बाबा को पहले ये रोल करना था, लेकिन वो नहीं हो पाया। जब अजय सर ने मुझे ऑफर किया तो मैं वाकई बहुत टेंशन में आ गया। डर लगा कि ये कैसे होगा।

लेकिन अजय सर ने मुझ पर भरोसा जताया और कहा-'रवि, तू कर लेगा'। उसी विश्वास ने मुझे ये रोल करने की ताकत दी। फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कॉमेडी तो बहुत देखी है, लेकिन इस फिल्म में एक अलग तरह की कॉमेडी है-जहां एक खूबसूरत कहानी आपके दिल को छूती है। ये फिल्म सिर्फ हंसाएगी नहीं, आपको भीतर तक छू जाएगी।

उन्होंने स्क्रिप्ट की तारीफ की, जिसने ह्यूमर और इमोशन के बीच शानदार संतुलन बनाया है और कहा कि फिल्म के किरदार और कहानी दर्शकों के दिलों में लंबे समय तक बनी रहेगी। इस फिल्म के जरिए रवि किशन न सिर्फ एक नया ऑन-स्क्रीन रूप लेकर आ रहे हैं, बल्कि उत्तर भारतीय दर्शकों से अपने जुड़ाव को भी और गहरा कर रहे हैं-एक ऐसी समुदाय को प्रतिनिधित्व देते हुए जिसे मुख्यधारा के सिनेमा में शायद ही इतनी प्रमुखता से दिखाया गया हो।

इंटरनेट ने जिन्हें बनाया स्टार, अब सुपर डांसर का मंच बनाएगा उन्हें सुपरस्टार : शिल्पा शेट्टी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का बेहद लोकप्रिय डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' चार साल के अंतराल के बाद एक बार फिर दर्शकों के बीच लौट रहा है। इस बार का सीज़न बेहद खास है, क्योंकि इसमें भाग लेने वाले 12 प्रतिभागी न सिर्फ बेहतरीन डांसर हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बड़े सितारे बन चुके हैं। अपने वायरल डांस मूव्स से इंटरनेट पर धूम मचाने के बाद अब ये युवा कलाकार एक नई चुनौती के लिए तैयार हैं। ये सभी मिलकर लाइव मंच पर अपने दमदार टैलेंट से जजेस और दर्शकों का दिल जीतेंगे। शिल्पा शेट्टी ने कहा, हर कंटेस्टेंट अपनी एक अलग स्टाइल और विविधता लेकर आया है। ये युवा कलाकार बेहद आत्मविश्वासी हैं और सोशल मीडिया पर इनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। 'इंटरनेट ने जिन्हें बनाया स्टार, अब स्टेज बनाएगा उन्हें सुपरस्टार' इस सीज़न की थीम को यह पंक्ति बहुत ही खूबसूरती से बयाँ करती है। बहुत से लोगों के साथ मैंने भी इनकी परफॉर्मेंस इंटरनेट पर देखी और बहुत मुझे यह खूब पसंद आई, लेकिन अब इन्हें 'सुपर डांसर' जैसे भव्य मंच पर लाइव परफॉर्म करते देखना वाकई रोमांचकारी होगा।

मुझे यकीन है कि इस सीजन में कुछ जबरदस्त परफॉर्मेंसेस देखने को मिलेंगी और दर्शक इसे भरपूर एन्जॉय करेंगे। शिल्पा शेट्टी, गीता कपूर और मरज़ी पेस्टनजी की तिकड़ी इस शो को जज करेगी। आगामी सीजन हाई-एनर्जी परफॉर्मंस, यूनिक डांस स्टाइल और जुनून की दावत देता है। सुपर डांसर चैप्टर 5 की शुरुआत होगी 19 जुलाई को, हर शनिवार-रविवार रात 8 बजे सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनीलिव पर।

इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म सरजमीन का ट्रेलर रिलीज

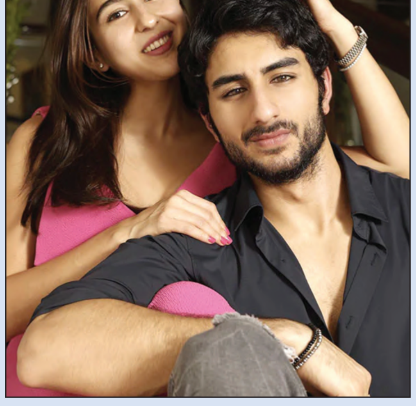

दिग्गज अभिनेत्री अमृता सिंह के लिए बहुत बड़ा दिन है, क्योंकि शुक्रवार के दिन एक तरफ उनकी बेटी 'सारा अली खान' की फिल्म मेट्रो... इन दिनो रिलीज हुई है, तो वहीं दूसरी तरफ इब्राहिम की फिल्म 'सरजमीन' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सरजमीन' का ट्रेलर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज मम्मी का दिन है! क्योंकि आज ही के दिन मेरे भाई की फिल्म का ट्रेलर और मेरी फिल्म रिलीज हुई है... और अगर मैं खुद कहूं तो, दोनों ही... अब थिएटर जाओ! और 25 जुलाई के लिए अपना कैलेंडर मार्क कर लो!

सरजमीन में पृथ्वीराज सुकुमारन को विजय मेनन के रूप में दिखाया गया है, एक ऐसा व्यक्ति जो पिता और सैनिक के रूप में अपने कर्तव्य के बीच फंसा हुआ है। वहीं, काजोल फिल्म में मां की भूमिका अदा कर रहीं हैं, जो अपने परिवार को एक साथ रखने की कोशिश करती रहती हैं, और इब्राहिम को हरमन के रूप में देखा जाएगा।इस मोस्ट अवेटेड ड्रामा का हिस्सा बनने के अपने उत्साह को साझा करते हुए, इब्राहिम ने कहा, सरज़मीन मेरे लिए एक भावनात्मक मील का पत्थर है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। इसने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, न केवल एक अभिनेता के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी। मेरा किरदार प्यार, वफादारी और सच्चाई के बीच फंसा हुआ है, और उस भावनात्मक स्पेक्ट्रम को नेविगेट करना सबसे तेजी से सीखने वाला अनुभव था। काजोल और पृथ्वीराज के साथ स्क्रीन साझा करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, काजोल मैम और पृथ्वीराज सर को एक्शन में देखना एक खजाना था, वे अपनी कला में इतने सहज और स्वाभाविक हैं और जिसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मैंने सरजमीन में अपना दिल और आत्मा लगा दी है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म का आनंद लेंगे। सरजमीन जैसी कहानियों को हर जगह, हर किसी को देखने और महसूस करने की आवश्यकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आप–को दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैव–ाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आ–कर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 जुलाई 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 01:05 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रातः 06:54 तक
योग : प्रीति सायं 06:00 तक
करण : वणिज दोपहर 01:29 तक
चन्द्रराशि : मकर सायं 06:54 तक
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक सायं 06:54 से , भद्रा दोपहर 01:28 से रात्रि 01:03 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कोचिंग सेंटर अब पोचिंग सेंटर बन गए हैं : उपराष्ट्रपति

कोटा, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने आज कहा, कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन चुके हैं। ये सुदृढ़ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद्र बन गए हैं। कोचिंग सेंटर अनियंत्रित रूप से फैल रहे हैं, जो हमारे युवाओं के लिए, जो कि हमारे भविष्य हैं–एक गंभीर संकट बनता जा रहा है। हमें इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते। धनखड़ ने आगे कहा, अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं, बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे। सेनाएं अब एल्गोरिद्म में बदल गई हैं। संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा।

उपराष्ट्रपति ने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा, हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं–एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। धनखड़ ने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात–निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है।

डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए

उन्होंने कहा, 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोटा, राजस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री धनखड़ ने कहा, हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य–प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञानदान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। मैं नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में पुनर्संयम लाने हेतु एकजुट हों। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है।

धनखड़ ने अंकों की होड़ के दुष्परिणामों पर चेताते हुए कहा, पूर्णांक और मानकीकरण के प्रति जुनून ने जिज्ञासा को खत्म कर दिया है, जो कि मानव बुद्धिमत्ता का एक स्वाभाविक अंग है। सीटें सीमित हैं लेकिन कोचिंग सेंटर हर जगह फैले हुए हैं। वे वर्षों तक छात्रों के मन को एक ही ढर्रे में ढालते हैं, जिससे उनकी सोचने की शक्ति अवरुद्ध हो जाती है। इससे कई मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।छात्रों को अंकों से ऊपर सोचने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा, आपकी मार्कशीट और अंक आपको परिभाषित नहीं करेंगे। प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रवेश करते समय, आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको परिभाषित करेगी। डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, एक स्मार्ट ऐप जो ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है। एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भाषाओं को नहीं समझता, वह अधूरा है। एक डिजिटल उपकरण जो दिव्यांगों को शामिल नहीं करता, वह अन्यायपूर्ण है।

युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए। हमें भारत के लिए भारतीय प्रणालियां बनानी होंगी और उन्हें वैश्विक बनाना होगा। डिजिटल आत्मनिर्भरता में भारत को अग्रणी बनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, हमें अपनी डिजिटल नियति के निर्माता बनना होगा और अन्य देशों की नियति को भी प्रभावित करना होगा। हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत, जो कभी वैश्विक अग्रणी था, अब केवल उधार की तकनीक का उपयोगकर्ता बनकर नहीं रह सकता। पहले हमें तकनीक के लिए वर्षों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब यह समय सप्ताहों में सिमट गया है। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

धनखड़ ने शिक्षा को फैक्टरी की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा, हमें इस असेंबली–लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए अत्यंत खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के विपरीत हैं। यह विकास और प्रगति में बाधाएं उत्पन्न करता है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा, अखबारों में विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है जो या तो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। यह धन का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगें, पर हमारी सभ्यतागत आत्मा के लिए आँखों की किरकिरी बन गए हैं। अपने उद्बोधन का समापन करते हुए उपराष्ट्रपति ने रटंत शिक्षा की संस्कृति की तीव्र आलोचना की: हम आज रट्टा मारने की संस्कृति के संकट से जूझ रहे हैं, जिसने जीवंत मस्तिष्कों को केवल अस्थायी जानकारी के यंत्रवत भंडारों में बदल दिया है। इसमें न तो कोई आत्मसात है, न कोई समझ। यह रचनात्मक विचारकों की बजाय बौद्धिक 'ज़ॉम्बी' तैयार कर रहा है। रट्टा ज्ञान नहीं देता, केवल स्मृति देता है। यह डिग्रियों को गहराई के बिना जोड़ता है। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) ए.के. भट्ट, निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

चूरू में क्रैश हुए जगुआर फाइटर जेट का ब्लैक बॉक्स बरामद

चूरू, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान के चूरू जिले में 9 जुलाई (बुधवार) को क्रैश हुए भारतीय वायुसेना के जगुआर फाइटर जेट का ब्लैक बॉक्स आखिरकार बरामद कर लिया गया है। हादसे के बाद से लगातार चल रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान यह बड़ी सफलता मिली है।

यह जगुआर फाइटर जेट चूरू जिले के भानुदा और सिकराली रोही गांवों के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान हादसे के बाद से ही वायु सेना ने व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर रखा था, जिसमें दिल्ली, गुजरात और सूरतगढ़ एयरबेस की टीमें जुटी थीं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और वायुसेना की संयुक्त टीमें मौके पर पहुंची थीं और कोम्बिंग सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। टीम ने जेट के आगे–पीछे के रूट पर बारीकी से सर्च ऑपरेशन चलाया और ब्लैक बॉक्स तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। बता दें कि राजस्थान के चूरू जिले के रतनगढ़ तहसील में बुधवार दोपहर करीब 1:25 बजे भारतीय वायुसेना का एक जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया था। इस हादसे में सेना के दोनों पायलट शहीद हो गए थे। जानकारी के अनुसार, यह विमान सूरतगढ़ बेस से उड़ान भरने के बाद भनोदा गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

बता दें, यह इस साल का तीसरा जगुआर विमान हादसा है। इससे पहले, 2 अप्रैल को भी गुजरात के जामनगर के पास भारतीय वायुसेना का जगुआर प्लेन क्रैश हो गया था। वहीं अंबाला के पास 7 मार्च को भी वायुसेना का डीप पेनिट्रेशन स्ट्राइक एयरक्राफ्ट जगुआर हादसे का शिकार हो गया था।

वायुसेना के बेड़े में करीब 121 जगुआर विमान हैं, जिन्हें 2031 तक चरणबद्ध तरीके से हटाने और उनकी जगह एचएएल तेजस एमके1ए जैसे आधुनिक विमानों को शामिल करने की योजना है। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन और सेना के अधिकारी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं।

राजस्थान में मानसून ने पकड़ी रफ्तार 24 जिलों में येलो अलर्ट जारी

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है और मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में 15 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, जयपुर, सीकर, भरतपुर, अजमेर, पाली और उदयपुर सहित 24 जिलों में शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पूर्वी मध्य प्रदेश और हरियाणा क्षेत्र में बने दो अलग–अलग वेदर सिस्टम राज्य के मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। वहीं, मानसून ट्रफ लाइन वर्तमान में सूरतगढ़ और सीकर से होकर गुजर रही है, जिससे वर्षा गतिविधियों में तेजी आई है। मौसम विभाग ने 12 से 14 जुलाई तक कोटा, उदयपुर और अजमेर संभागों में भारी से बहुत भारी बारिश की

भविष्यवाणी की है, जबकि 13 से 15 जुलाई के बीच जोधपुर और बीकानेर संभागों में भी इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी।विभिन्न हिस्सों में 16 और 17 जुलाई को भी मध्यम से भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। शनिवार सुबह 5:30 बजे तक जयपुर में रुक–रुककर फुहारें पड़ती रहीं। वहीं, सीकर के पलसाना क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 60 मिमी वर्षा दर्ज की गई।बारिश के कारण 'बनियों की ढाणी' जाने वाला रास्ता जलमग्न हो गया, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि आंधी–तूफान के दौरान सावधानी बरतें। अधिकारियों ने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने, पेड़ों के नीचे शरण न लेने और सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को प्लग से हटाने की सलाह दी है। जब तक मौसम पूरी तरह शांत न हो जाए, तब तक बाहर निकलने से बचने को कहा गया है।लगातार हो रही बारिश के चलते राज्य के कई जलाशयों में जलस्तर में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

ईडी ने एमटेक ऑटो और अन्य कंपनियों की करोड़ से अधिक की संपत्ति की जब्त

चंडीगढ़, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े एक बड़े मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मेसर्स एमटेक ऑटो लिमिटेड, मेसर्स एआरजी लिमिटेड, मेसर्स एसीआईएल लिमिटेड, मेसर्स मेटलस्ट फोर्जिंग लिमिटेड और मेसर्स कास्टेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के प्रमोटर अरविंद धाम और अन्य से संबंधित 588.57 करोड़ की संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की हैं। यह कार्रवाई 10 जुलाई 2025 को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। ईडी के गुरुग्राम जोनल कार्यालय द्वारा की गई इस कुर्की में कई प्रकार की चल और अचल संपत्तियां शामिल हैं। अचल संपत्तियों में हरियाणा के यमुनानगर में हुंडेवाला, रतौली और कंसापुर में स्थित 28 एकड़ जमीन और पंचकूला के कोट और खंगेसरा गांवों में स्थित 67.5 एकड़ जमीन शामिल है। इसके अलावा, दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में स्थित अन्य संपत्तियों को भी जब्त किया गया है। चल संपत्तियों में 8.70 करोड़ की सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) और 14.6 करोड़ के शेयर भी शामिल हैं। यह कार्रवाई एमटेक ग्रुप की कंपनियों द्वारा बैंकों के साथ की गई धोखाधड़ी से संबंधित है।ईडी ने इस मामले में अभी तक कुल 6,261.37 करोड़ (लगभग) की संपत्तियां कुर्क कर ली हैं, जो इस धोखाधड़ी की गंभीरता को दर्शाती है।

हरियाणा की जेलों में बैठकर अपराधी चलाते हैं गैंग : बजरंग गर्ग

हिसार, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने हरियाणा की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। व्यापारी और उद्योगपतियों से बातचीत के बाद जारी एक बयान में गर्ग ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है और आम जनता के साथ–साथ व्यापारी वर्ग भी अपनी जान–माल की सुरक्षा को लेकर भयभीत है। बजरंग गर्ग ने आरोप लगाया कि अपराधी अब जेलों और विदेशों में बैठकर व्यापारियों और उद्योगपतियों से बेखौफ होकर फिरौती और मंथली की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में ऐसा कोई दिन नहीं जाता, जब फिरौती, हत्या और मंथली की वारदातें न होती हों। गर्ग के अनुसार, हरियाणा सरकार इन अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने प्रदेश में खु–लेआम फल–फूल रहे नशे के व्यापार पर भी चिंता व्यक्त की। बजरंग गर्ग ने कहा कि कॉलेजों के अंदर और बाहर नशा आसानी से बिक रहा है, और सरकार की नशा मुक्ति की बातें सिर्फ खोखले वादे साबित हुई हैं।

बजरग गर्ग ने सरकारी ठेकों में अपराधियों के बढ़ते दबदबे का भी जिक्र किया।

गुरुग्राम में जलभराव से हुई मौतों पर अनिल विज ने जताया दुख

गुरुग्राम, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने गुरुग्राम में जलभराव के कारण 8–9 लोगों की मौत को बेहद दुखद बताया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह स्थिति शहर की पुरानी योजना और अव्यवस्था के कारण हुई है।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब गुरुग्राम शहर बसाया गया, तब कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन उस समय नालियों और सड़कों की सही योजना नहीं बनाई गई। अब शहर बनने के बाद उसे तोड़कर सुधार करना आसान नहीं है, फिर भी पूर्व सीएम मनोहर लाल ने 10 साल में सुधार करने की कोशिश की। ये मौतें बहुत दुखद हैं और हमारी सरकार इसे गंभीरता से लेकर सुधार के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस एक्स पोस्ट पर भी पलटवार किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को गरीब किसानों से पैसा लेकर अरबपतियों की जेब भरने वाला बताया था। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह राहुल गांधी के समय की बात नहीं है, जब उनकी सरकार में एक रुपए भेजने पर सिर्फ 15 पैसे लोगों तक पहुंचते थे और 85 पैसे सिस्टम खा जाता था।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर बिजली बिल कम करें : नायब सैनी

कैथल, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को कैथल के गांव प्यौदा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने सर्वप्रथम इस योजना के लाभार्थी के घर की छत पर लगे सोलर रूफटॉप सिस्टम को देखा और इसके लाभ के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में इस योजना की शुरूआत भी कैथल जिले से ही हुई थी और आज उन्होंने स्वयं लाभार्थी के घर पर इस सोलर सिस्टम को देखा है। सोलर सिस्टम से जहां एक ओर हमें ग्रीन ऊर्जा मिलती है, वहीं लोगों को बिजली के बिलों में भी बड़ी राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोगों से आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं और अपने बिजली बिल को कम से

कम करें।

इसके साथ–साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 1 लाख घरों की छतों पर मुफ्त में 2 किलोवाट के सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा है। यह सिस्टम अंत्योदय परिवारों के घरों की छतों पर लगाया जा रहा है। जैसे ही 1 लाख परिवारों का लक्ष्य पूरा होगा, अगले 1 लाख और परिवारों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी तक 26 हजार परिवार इस योजना का लाभ ले चुके हैं। कैथल में अभी तक 1707 परिवारों ने योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम लगवाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये तक है, उन परिवारों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार सोलर सिस्टम लगवाने पर सब्सिडी दे रही है। इससे लोगों को भारी–भरकम बिलों से निजात मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से यह योजना शुरू हुई और इस तरह का सिस्टम खड़ा हुआ। उन्होंने योजना का लाभ लेने वाले समस्त लाभार्थियों को बधाई दी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज प्रदेश के साढ़े 6 हजार गांवों में से 5800 से ज्यादा गांवों को म्हारा गांव जगमग गांव योजना के अंतर्गत 24 घंटे बिजली मिल रही है।

उन्होंने बचे हुए शेष गांवों को भी इस योजना के अंतर्गत लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले सरकार बिजली बिलों पर अपनी मर्जी से सरचार्ज लगाती थी, जिससे उपभोक्ता का बिजली बिल ज्यादा आता था, लेकिन हमने सरचार्ज को माफ करके उपभोक्ताओं को राहत देने का काम किया है।

बिहार में कानून व्यवस्था फेल, कांग्रेस ने पूछा–

मंत्री जीवेश मिश्रा पर कब गिरेगी गाज?

पटना (एजेंसियां)। बिहार कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता और सोशल मीडिया एवं डिजिटल मंच की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था और नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने नकली दवा निर्माण में मंत्री की भूमिका को लेकर राज्य सरकार पर सीधा हमला बोला।

सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि बिहार सरकार के नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा, जो अल्टो हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के निदेशक हैं, उनकी कंपनी द्वारा राजस्थान के राजसमंद जिले में भेजी गई सिप्रोलिन-500 टैबलेट घटिया और नकली पाई गई। इस मामले में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स अधिनियम की कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज हुआ।

4 जून 2025 को राजस्थान की अदालत ने जीवेश मिश्रा सहित 9 लोगों को दोषी करार दिया, लेकिन जेल भेजने के बजाय प्रोबेशन ऑफ ऑफेंडर्स अधिनियम, 1958 की धारा 4 और 5 के तहत राहत देते हुए जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, ङ्कयह केवल कानूनी मामला नहीं, बल्कि मानवीय, नैतिक और जनस्वास्थ्य से जुड़ा प्रश्न है। क्या मंत्री पद पर बैठा व्यक्ति इतनी गंभीर लापरवाही को 'पहली गलती' कहकर बच सकता है?ङ्क

राज्य में बढ़ते अपराधों को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि ङ्कआज बिहार में एनडीए का शासन नहीं, बल्कि गोलियों का राज है–यानी गुंडाराजङ्क उन्होंने राजधानी पटना सहित पूरे राज्य में व्यापारियों की हत्या, खुलेआम गोलीबारी, पुलिस पर हमले और महिलाओं–बच्चियों पर हो रहे अत्याचारों का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया।

पिछले 15–20 दिनों में पटना, मुजफ्फरपुर, छपरा, बेतिया, सीतामढ़ी, बगहा, अररिया, मुंगेर जैसे जिलों में नाबालिग बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या के कई मामले सामने आए। राज्य में प्रतिदिन औसतन 28 महिलाओं का अपहरण और 55 महिला अपराध दर्ज हो रहे हैं।

बेगूसराय, मोकामा, पंडारक, बांका जैसे इलाकों में लगातार गैंगवार हो रहे हैं। सीतामढ़ी में 'तालिबानी सज़ा' के नाम पर 5 बच्चों को नग्न कर सड़कों पर घुमाया गया, जो समाज और कानून के लिए शर्मनाक है। मीडिया सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, मीडिया विभाग प्रमुख राजेश राठौड़, सोशल मीडिया प्रभारी प्रणव झा, सौरभ सिंहा, असित नाथ तिवारी और अचला सिंह सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

35 दिन बाद पटना में दौड़ने लगेगी मेट्रो

गुजरात से सड़क के रास्ते पहुंचा रेल का रैक

पटना (एजेंसियां)। पटना में मेट्रो का इंतजार करने वाले लोगों के लिए काम की खबर है। 35 दिन बाद पटना में मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगेगी। इसके लिए गुजरात से रेल के रैक पहुंच गए हैं। अब जल्द ही पटना मेट्रो की टीम तकनीकी जांच और ट्रायल रन की प्रक्रिया शुरू करने वाली है। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह विशेष ट्रेलर पर कुछ रैक देखे गए थे। जांच में पता चला कि यह मेट्रो रेल का रैक हैं। इसे गुजरात के सावली स्थित एल्सटॉम कंपनी की फैक्ट्री से सड़क मार्ग के जरिए पटना लाया गया है। फिलहाल इसे बाइपास के पास डिपो पर रखा गया है।

दरअसल, पटना मेट्रो के रैक निर्माण का टेंडर एल्सटॉम कंपनी को मिला है।

कंपनी ने रैक को पटना भेज दिया है। यह रैक पहले कॉरिडोर में लगाया जाएगा। बताया जा रहा है कि पटना मेट्रो में दो कॉरिडोर हैं। पहला पटना जंक्शन से बस टर्मिनल तक और दूसरा दानापुर से मीठापुर तक। 2027 तक पहले कॉरिडोर को पूरी तरह शुरू करने का निर्देश दिया गया है। बता दें कि 15 अगस्त से मलाही पकड़ी से आइएसबीटी तक पहले चरण में मेट्रो को दौड़ाने की कोशिश चल रही है। बिहार सरकार के अधिकारियों की निगरानी में पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन साथ में मिलकर प्रोजेक्ट को पूरा करने में युद्धस्तर पर लगे हैं। ताकि इस विकास की बात एनडीए सरकार चुनाव में कर सकते।

श्रावणी मेला 2025: कांवरियों को लखीसराय प्रशासन का तोहफा

टोल टैक्स और लाइसेंस फीस से मिलेगी राहत

लखीसराय (एजेंसियां)। श्रावणी मेला 2025 के पावन अवसर पर लखीसराय जिला प्रशासन ने कांवर यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए कई अहम सुविधाओं की घोषणा की है। जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 11 जुलाई से 9 अगस्त तक चलने वाली कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को टोल टैक्स, प्रवेश शुल्क या किसी प्रकार की लाइसेंस फीस नहीं देनी होगी।

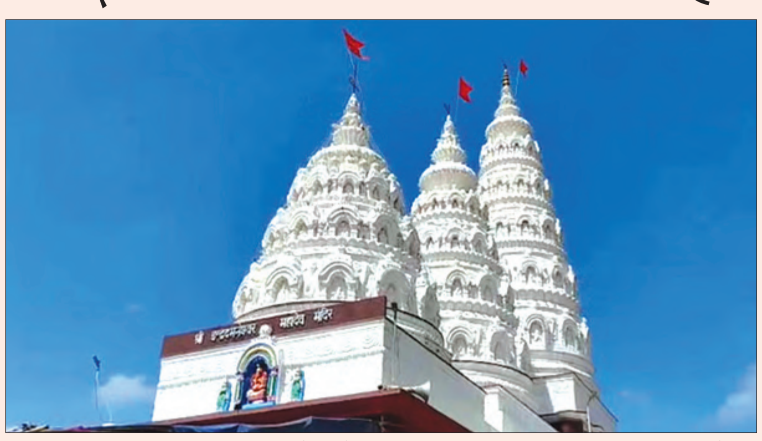

लखीसराय जिलाधिकारी मितलेश मिश्र ने स्पष्ट किया कि यह आदेश पूरे जिले में लागू रहेगा और इसका सख्ती से पालन कराया जाएगा। डीएम ने कहा कि इस दौरान किसी भी कांवरिया वाहन से टोल टैक्स या किसी दुकान से व्यापारिक शुल्क नहीं वसूला जाएगा। उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

प्रशासन का कहना है कि प्रतिवर्ष श्रावणी मेले में लाखों की संख्या में कांवरिये सुल्तानगंज से जल लेकर बाबाधाम, देवघर तक की कठिन पदयात्रा करते हैं और लखीसराय इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। कांवरियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है ताकि उन्हें यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रशासन द्वारा यह भी बताया गया है कि मेला क्षेत्र में शांतिपूर्ण और भक्तिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए निगरानी टीम तैनात रहेगी, जो यह सुनिश्चित करेगी कि न तो कांवरियों को परेशान किया जाए और न ही दुकानदारों पर अनावश्यक दबाव डाला जाए। श्रद्धालुओं और स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे यात्रा अधिक सुगम और व्यवस्थित होगी। जिले में श्रावणी मेला को लेकर तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं, और यह निर्णय निश्चित रूप से प्रशासन की संवेदनशीलता और धार्मिक भावना के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रशांत किशोर का बड़ा हमला, कहा–

पीएम मोदी को सिर्फ कुर्सी से प्यार

जहानाबाद (एजेंसियां)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की सियासत गरमाने लगी है। जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शनिवार को जहानाबाद में आयोजित प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई बड़े नेताओं पर तीखे हमले किए। शहर के मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में प्रशांत किशोर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सिर्फ कुर्सी से प्यार है। संगठन में चाहे जो नियम–कानून बने हों, उससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वह किसी भी हाल में प्रधानमंत्री की कुर्सी से चिपके रहना चाहते हैं और इसके लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान पर भी जमकर निशाना साधा। चिराग पासवान पर तंज कसते हुए किशोर ने कहा, बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट का नारा देने वाले खुद केंद्र में मंत्री हैं। उनकी पार्टी के पांच सांसद हैं, लेकिन फिर भी बिहार का क्या भला हुआ? यह एक यक्ष प्रश्न है, जिसका जवाब बिहार की जनता मांग रही है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के नेताओं की 75 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्ति की टिप्पणी पर प्रशांत किशोर ने कहा, यह बयान जनता को भ्रमित करने की कोशिश है। अगर यह विचार गंभीर होता, तो चुनाव से पहले ही कोई ठोस घोषणा होती। अब जब मोदी जी सत्ता में लौट चुके हैं, तो वे भागवत जी के कहने से कुर्सी छोड़ने वाले नहीं हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं और उन्होंने जबरन एक मेडिकल कॉलेज पर कब्जा किया है। भाजपा जिसे पार्टी विद डिफरेंस कहा जाता है, वह आज तक इस मुद्दे पर चुप क्यों है?

उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, अगर मेरे आरोप झूठे हैं, तो भाजपा या दिलीप जायसवाल मेरे खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करें। कार्यक्रम में जन सुराज पार्टी के नेता एवं समाजसेवी अभिराम शर्मा, मोहम्मद मुन्ना समेत कई लोग मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर समर्थकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली।

प्रशांत किशोर के इस तेवर से साफ है कि आगामी 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की सियासत और भी गर्माने वाली है। उनके बयानों से यह तय माना जा रहा है कि जन सुराज पार्टी आने वाले दिनों में प्रदेश की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने की तैयारी में है।

भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)। पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थानाक्षेत्र में शुक्रवार की अहले सुबह भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। दो लोगों की हालत गंभीर है। घटना रानीतालाब थानाक्षेत्र सरैया गांव की है। बताया जा रहा है कि झपकी लेने के कारण ड्राइवर में कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया। देखते ही देखते कार नहर में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि तीन लोगों की जान मौके पर ही चली गई। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन की टीम और आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे जहां जेसीबी के सहारे कर को बाहर निकल गया लेकिन तब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। जबकि दो लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए, पटना एम्स रेफर किया गया है।

इधर, मृतकों की पहचान 52 वर्षीय निर्मला देवी, 36वर्षीय नीतू सिंह जबकि 10 वर्षीय स्तुति कुमारी के रूप में हुई है। सभी लोग वैशाली जिले के महुआ इलाके के रहने वाले थे। वहीं घायलों में नंदन सिंह और रिद्धि सिंह शामिल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि सभी लोग अपने कार से छत्तीसगढ़ से वैशाली के हाजीपुर जा रहे थे। घर में किसी के शादी के सालगिरह में शामिल होने के लिए आ रहे थे। पटना के रानीतालाब इलाके में गाड़ी चला रहे ड्राइवर को नींद आने लगी। इसी कारण यह हादसा हुआ।

थानेदार प्रमोद कुमार ने बताया कि अहले सुबह पुलिस को सूचना मिली कि थानाक्षेत्र के ससरैया गांव के पास एक कार नहर में पलट गई है, जिसके बाद पुलिस की टीम और स्थानीय लोगों और जेसीबी के सहारे कार को नहर से बाहर निकाला गया। कार में सवार तीन लोगों की मौत चुकी है। जबकि दो लोग घायल हैं। मरने वालों के शवों का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

मिनी मार्ट के मालिक की हत्या

पटना (एजेंसियां)। राजधानी पटना में एक बार फिर अपराधियों ने खूनी वारदात को अंजाम दिया है। यह मामला पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के पूर्वी अशुचक का है, जहां शुक्रवार की देर रात अपराधियों ने एक दुकानदार को गोली मारकर हत्या कर दी है। मृतक की पहचान तृष्णा मिनी मार्ट के मालिक विक्रम कुमार झा के रूप में की गई। विक्रम झा दरभंगा के लहेरियासराय के रहने वाले थे। वे पटना के रामकृष्ण नगर थाना इलाके में किराए के मकान में अपनी पत्नी और बच्चे के साथ रहकर किराना दुकान चलाते हुए अपना जीवन यापन कर रहे थे। स्थानीय लोग घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए पटना छचउक लेकर गए, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही थी। इलाज के दौरान डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी है। घटनास्थल पर सदर एसडीपीओ 2 सत्यकाम और आसपास के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। आसपास के लोगों ने बताया कि बाइक सवार तीन अपराधी घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। वहीं, सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि मामले की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर ऋडक की टीम को बुलाया गया है और पुलिस जांच में जुटी है। घटनास्थल से पुलिस ने एक खोखा बरामद किया है। मृतक को कितनी गोलियां लगी हैं, यह अभी पुष्टि नहीं हुई है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।

खगड़िया में युवक की निर्मम हत्या अपराधियों ने नंगा कर मारी गोली

खगड़िया (एजेंसियां)। खगड़िया के बेलदौर थाना क्षेत्र के कुर्बन पंचायत में शुक्रवार की मध्य रात्रि एक युवक की अज्ञात हत्यारों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। घटना कुर्बन गांव के पूरब स्थित लड्डू सिंह के एक बगीचे में हुई। मृतक की पहचान महद्दीपुर गांव निवासी सुधीर सिंह (खेरोवाला) के 23 वर्षीय पुत्र राजू कुमार के रूप में की गई है। राजू अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और टेंट हाउस में काम करता था।

मिली जानकारी के अनुसार, राजू कुमार संभवतः एक शादी समारोह से टेंट लगाकर अपने घर लौट रहा था, तभी हत्यारों ने उसे रास्ते से अगवा कर लिया। इसके बाद उसे लड्डू सिंह के बगीचे में ले जाकर निर्वस्त्र कर कनपटी में गोली मार दी गई। अहले सुबह तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने काफी खोजबीन की। इसके बाद बगीचे में उसकी लाश मिली। वारदात के बाद इलाके में सनसनी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने फौरान बेलदौरान थाना को घटना के बारे में जानकारी दी।

पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना मिलने पर शनिवार सुबह 7:45 बजे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। युवक की हत्या के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और हत्यारों की तलाश जारी है। वहीं घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

पूर्णिया में तीन थानेदार समेत पांच पुलिसकर्मी निलंबित, दुष्कर्म पीड़िता की शिकायत नहीं सुन रहे थे

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में लापरवाही के आरोप तीन थानाध्यक्ष सहित पांच पुलिस अधिकारी पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत ने सस्पेंड कर दिया।

एसपी ने महिला थानाध्यक्ष सुधा कुमारी, महिला थाना के एसआई बबन कुमारी सिन्हा और एएसआई रीना कुमारी, मुफस्सिल थानाध्यक्ष उत्तम कुमार और कसबा थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी को सस्पेंड कर दिया। कार्यहित को देखते रौटा थानाध्यक्ष ज्ञान रंजन को कसबा थानाध्यक्ष, जलालगढ़ थाना के अपर थानाध्यक्ष आर्या पृथ्वी नायडू को महिला थानाध्यक्ष, महिला थाना के सुरुचि शर्मा को अनगढ़ थानाध्यक्ष, पुलिस केंद्र के सुदिन राम को मुफस्सिल थानाध्यक्ष, अनगढ़ थानाध्यक्ष कुमार कुणाल सौरव रौटा थानाध्यक्ष बनाया गया है।

बताया जाता हैं कि कसबा थाना क्षेत्र के रहने वाली एक दुष्कर्म पीड़िता ने कसबा थानाध्यक्ष को आवेदन दिया था।

आवेदन देने के बाद भी कसबा थाना अध्यक्ष अजय कुमार अजनबी के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

दुष्कर्म पीड़िता ने कसबा थाना में कोई कार्रवाई नहीं होने के बाद हार थककर महिला थाना आई और महिला थाना ओडी पदाधिकारी बबन कुमारी सिन्हा को आवेदन दी और महिला थानाध्यक्ष सुधा कुमारी से मुलाकात भी किया लेकिन महिला पुलिस होने के बाद भी पीड़िता को न्याय नहीं मिला। उसके बाद पीड़िता पूर्णिया सिटी टीआ-ोपी आवेदन दिया जहां पर मामला दर्ज हुई।

इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत को लगी इसके बाद कसबा थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी, महिला थानाध्यक्ष सुधा कुमारी, एसआई बबन कुमारी सिन्हा, एएसआई रीना कुमारी को सस्पेंड कर दिया। वही बीते दिनों मुफस्सिल थाना क्षेत्र के टेटगामा गांव डायन का आरोप लगाकर जिंदा जलाकर पांच लोगों की मौत मामले में थानेदार की लापरवाही को देखते हुए सस्पेंड किया गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com